हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 22.05.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 297 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक आज

रांची : झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक आज प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। मंत्रिपरिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई जाएगी। यह जानकारी बुधवार को मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने दी।

इजराइल ने गाजा पर की बमबारी, 42 की मौत

गाजा पट्टी : इजराइल की सेना द्वारा गाजा पर की गई बमबारी में आज बुधवार को सुबह से कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई है। इजराइल ने इस क्षेत्र में भयावह युद्ध को लेकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) और यूरोपीय संघ की चिंता को खारिज कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 14,000 बच्चे (शिशु) भूख से बेहाल हैं। अगर 48 घंटों के भीतर इनको खाद्य सामग्री नहीं मिल पाई तो इनकी जान का खतरा है। अल जजीरा न्यूज की खबर में यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इजराइली प्रतिबंधों के कारण गाजा में कोई सहायता वितरित नहीं की जा सकी है। कुछ सहायता सामग्री लेकर ट्रक क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गाजा पर इजराइल के युद्ध में कम से कम 53,573 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 121,688 घायल हुए हैं।

आदिवासी हितों की रक्षा, सभ्यता व संस्कृति के संरक्षण को सरकार दृढ़ : हेमन्त सोरेन

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में टीएसी की बैठक में कई प्रस्ताव स्वीकृत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को झारखंड मंत्रालय के सभाकक्ष में झारखंड जनजातीय परामर्शदातृ परिषद् (टीएसी) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में गहन विचार-विमर्श एवं चर्चा के बाद कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की गयी। बैठक में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रस्तावों पर गहन विचार-विमर्श के बाद राज्य में आदिवासी हितों की रक्षा, सभ्यता-संस्कृति के संरक्षण एवं उनके सर्वांगीण विकास के लिए टीएसी की ओर से महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

ये हैं निर्णय

झारखण्ड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री के लिए दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली, 2025 के गठन संबंधित प्रस्तावित अधिसूचना प्रारूप के नियम 20 (८) पर गहन विचार-विमर्श एवं चर्चा के बाद राज्य के भीतर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों के वैसे ग्राम पंचायत, जिसमें 50प्रतिशत या उससे अधिक जनजातीय आबादी हो और यदि स्थल झारखण्ड सरकार के पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के विभिन्न अधिसूचनाओं की ओर से अंतरराष्ट्रीय महत्व, राष्ट्रीय महत्व, राजकीय महत्व एवं स्थानीय महत्व के पर्यटन स्थल(धार्मिक मान्यता के स्थल को छोड़कर) घोषित हो, तो पर्यटन को बढ़ावा देने, राजस्व हित एवं अवैध मदिरा पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से उक्त प्रक्षेत्र में ऑफ प्रकृति की खुदरा उत्पाद दुकानों की बंदोबस्ती किए जाने संबंधित प्रस्ताव पर सहमति बनी। झारखंड उत्पाद होटल, रेस्तरां, बार एवं क्लब (अनुज्ञापन एवं संचालन) (संशोधन) नियमावली, 2025 के गठन संबंधी संलेख एवं प्रस्तावित अधिसूचना प्रारूप की कंडिका-2 के नियम 21 पर सहमति दी गई। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों के वैसे ग्राम पंचायत, जिसमें 50प्रतिशत या उससे अधिक जनजातीय आबादी हो और यदि ऐसे स्थल झारखंड सरकार के पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के विभिन्न अधिसूचनाओं की ओर से अंतराष्ट्रीय महत्व, राष्ट्रीय महत्व, राजकीय महत्व एवं स्थानीय महत्व के पर्यटन स्थल(धार्मिक मान्यता के स्थल को छोड़कर) घोषित हो, तो पर्यटन को बढ़ावा देने, राजस्वहित एवं अवैध मदिरा पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से उक्त प्रक्षेत्र में उत्पाद प्रपत्र 8, 9 एवं 10/9 एवं 10/7 'क' में क्रमशः होटल, रेस्तरां एवं बार/रेस्तरां एवं बार/क्लब की अनुज्ञप्ति स्वीकृत करने पर सहमति बनी। सुवर्णरेखा बहुद्देशीय परियोजनान्तर्गत पश्चिमी सिंहभूम जिला में खरकई नदी में प्रस्तावित ईचा बाँध के निर्माण कार्य को पुनर्बहाल करने पर चर्चा हुई। झारखंड जनजातीय परामर्शदातृ समिति के गहन विचार-विमर्श के बाद ईचा खरकई बांध से हो रहे विस्थापित जनजाति समुदाय सहित अन्य व्यक्तियों पर पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में प्रभावित ग्रामों की वर्तमान स्थिति का भौतिक सत्यापन करते हुए फोटो, वीडियो के साथ एक जांच प्रतिवेदन तैयार कर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से प्रस्तुत किए जाने के लिए सहमति बनी। उक्त प्रतिवेदन के आलोक में आगे की कार्यवाही पर निर्णय लिया जाएगा। वन अधिकार योजना अंतर्गत अबुआ बीर दिशोम अभियान के क्रियान्वयन पर चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि यह अबुआ बीर दिशोम व्यापक रूप से लगातार चलाई जाती रहे।यह सुनिश्चित किया जाए कि हर दो माह में वनपट्टा का वितरण अनिवार्य रूप से हो ।वनपट्टा के लिए प्राप्त आवेदनों के अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए स्वीकृति प्रक्रिया अविलंब पूरी किए जाने पर सहमति बनी।

मुख्यमंत्री ने दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को झारखंड राज्य आंदोलन के अग्रणी नेता एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री के साथ उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन भी थीं। दोनों रांची के नामकुम (लोवाडीह) स्थित दुर्गा सोरेन स्मारक पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि सुमन अर्पित किये। मुख्यमंत्री और विधायक ने दुर्गा सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को भी याद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्गा सोरेन का जीवन संघर्ष और समाज सेवा को समर्पित था। झारखंड के निर्माण में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के कई अन्य नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

पीएम आज राजस्थान के देशनोक में पुनर्विकसित स्टेशन का करेंगे लोकार्पण

26 हजार करोड़ की देंगे सौगात

एजेंसी

बीकानेर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राजस्थान के बीकानेर जिले के दौरे पर रहेंगे। भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजस्थान में उनका पहला दौरा है। इसको लेकर आमजन, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में खासा उत्साह हैं। प्रधानमंत्री के स्वागत में बीकानेर जिले के मुख्य रास्तों पर होर्डिंग्स और बैनरों के साथ सजावट की गई है। इस दौरान जहां प्रधानमंत्री राजस्थान से ही देश के 103 अमृत भारत के तहत पुनर्विकसित किए गए स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे, वहीं राजस्थान को 26 हजार करोड़ रुपए की विकास योजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष विमान गुरुवार को सुबह 9:45 बजे बीकानेर के नाल एयरबेस पर उतरेगा। एयरबेस पर थोड़ी देर रुकने के बाद प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर से देशनोक के लिए रवाना होंगे। देशनोक पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री सबसे पहले विश्वविख्यात करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। यहां पूजा-अर्चना के बाद वह देशनोक रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे, जिसे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अत्याधुनिक सुविधाओं से विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री देशनोक, बूंदी, मांडलगढ़ और गोगामेड़ी समेत देशभर के कई रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री द्वारा बीकानेर से

मुंबई के लिए नई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी कराया जाएगा। इससे पहले एयरबेस पहुंचने पर प्रधानमंत्री का राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा तथा अन्य मंत्री, विधायक एवं जनप्रतिनिधि अगवानी करेंगे। देशनोक से प्रधानमंत्री मोदी हेलीकॉप्टर द्वारा पलाना गांव पहुंचेंगे, जहां दोपहर 12 बजे वे जनसभा को संबोधित करेंगे। इस जनसभा में प्रधानमंत्री 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इनमें मुख्य रूप से सड़क, रेलवे और सीमावर्ती इलाकों में डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने बुधवार को एक्स पर लिखा कि ये योजनाएं न केवल आवाजाही को सुगम बनाएंगी, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा को भी मजबूत करेंगी।

डेढ़ करोड़ के इनामी केशव राव सहित 27 नक्सली ढेर, एक डीआरजी का जवान बलिदान

एजेंसी

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर, बीजापुर व दंतेवाड़ा के सीमावर्ती क्षेत्र अंतर्गत अबूझमाड़ के बोटेर इलाके में बुधवार सुबह हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने पोलित ब्यूरो के शीर्ष सदस्य डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सली नम्बाला केशव राव उर्फ बशव राजू सहित अब तक 27 नक्सलियों को मार गिराया है। वहीं कई अन्य बड़े कैडर के नक्सलियों के मारे जाने या घायल होने की संभावना है। मुठभेड़ के दौरान डीआरजी का एक जवान बलिदान हुआ है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ स्थल से 27 नक्सलियों के शव के साथ अनेक हथियार बरामद होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान डीआरजी का एक जवान बलिदान हुआ है। वहीं मुठभेड़ में कुछ अन्य जवान घायल हुए हैं। सभी घायलों को तुरंत चिकित्सा

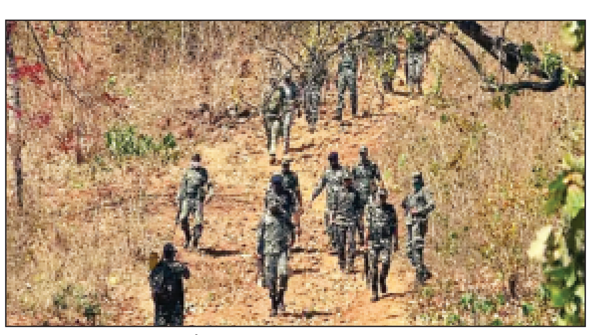

सहायता प्रदान की गई है। वे सभी खतरे से बाहर हैं। विस्तृत जानकारी अभियान पूरा होने के बाद पृथक से जारी की जाएगी। छत्तीसगढ़ गृहमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों के खिलाफ मिली इस बड़ी सफलता पर सुरक्षा बल के जवानों को बधाई देते हुए कहा कि अबूझमाड़ में नक्सलवाद को गहरी चोट लगी है। नक्सली संगठन का शीर्ष नेतृत्व इस मुठभेड़ में ढेर हुआ है। देश भर में चल रहे नक्सल संगठन के प्रमुख और नक्सली संगठन के जनरल सेक्रेटरी नम्बाला केशव राव उर्फ बसव राजू उर्फ गगन्ना को डीआरजी के जवानों ने मुठभेड़ में मार गिराया है। उन्होंने बताया कि देश भर में नक्सल संगठन के संचालन की जिम्मेदारी बसवा राजू पर थी। नक्सलवाद और नक्सल मोर्चे पर जवानों को ऐतिहासिक सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि डीआरजी के जवानों ने नक्सल मोर्चे पर इतिहास रचा है। नक्सली संगठन के जिस शीर्ष नेतृत्व को देश भर की सुरक्षा एजेंसियों को तलाश थी उसे डीआरजी के जवानों ने मार गिराया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नक्सलियों के केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो सदस्य, माड़ डिवीजन के बड़े कैडर एवं पीएलजीए कैडर के मौजूदगी की सूचना पर नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंडागांव की डीआरजी टीमें अबूझमाड़ में नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना हुई थीं' विगत कई दिनों से लगातार जारी इस नक्सल विरोधी अभियान से प्राप्त सभी तथ्यों और जानकारियों के पश्चात अनुमान है कि अभियान के दौरान कई बड़े कैडर के नक्सली या तो मारे गए हैं अथवा गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अब तक इस अभियान के दौरान कुल 27 नक्सलियों के शव और अनेक हथियार बरामद किए गए हैं।

कोलकाता, मुंबई सहित देश के कई शहरों में ईडी की छापेमारी

एजेंसी

कोलकाता : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए कोलकाता समेत देश के कई प्रमुख शहरों में एक साथ छापेमारी की। यह छापे मुंबई, बेंगलुरु, जालंधर, इंदौर और कोलकाता में अलग-अलग ठिकानों पर मारे गए। ईडी की यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है। ईडी ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि ये छापेमारी एक फर्म से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की गई है। कार्रवाई के दौरान एजेंसी ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस, संपत्ति के दस्तावेज और विदेशी मुद्रा जब्त की है। ईडी के

मुताबिक, तलाशी के दौरान 6.43 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा बरामद की गई है, जिसमें अमेरिकी डॉलर, सिंगापुर डॉलर और दिरहम शामिल हैं। इसके अलावा 55.74 लाख रुपये मूल्य का सोने का बिस्कुट भी जब्त किया गया है। छापेमारी में संबंधित आरोपितों के लगभग 94 लाख रुपये की बैंक जमा राशि को फ्रीज कर दिया गया है। इस कार्रवाई में एजेंसी को कई डिजिटल उपकरण भी हाथ लगे हैं जिनकी फॉरेंसिक जांच की जाएगी। साथ ही बड़ी संख्या में ऐसे दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं जो अवैध लेन-देन और मनी ट्रेल को उजागर कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, यह फर्म हवाला और शेल कंपनियों के जरिए भारी मात्रा में काले धन को सफेद करने में शामिल थी। ईडी अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका और विदेशी लेन-देन की जांच कर रही है।

एसीबी की टीम पहुंची उत्पाद भवन, अधिकारियों से की पूछताछ

रांची : शराब घोटाला मामले में आगे की जांच के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम बुधवार को उत्पाद भवन पहुंची। एसीबी की टीम ने शराब घोटाले में वित्तीय जानकारी लेने के उद्देश्य से फाइनेंस ऑफिसर सुधीर कुमार दास से मुलाकात की। एसीबी शराब घोटाले मामले में साक्ष्य जुटाने के लिए उत्पाद विभाग के कई लोगों से पूछताछ भी की। हालांक, एसीबी की टीम के उत्पाद भवन पहुंचते ही वहां के कई अधिकारी और कर्मचारी अपनी-अपनी कुर्सी छोड़ कर कहीं चले गये। उल्लेखनीय है कि एसीबी ने शराब घोटाले में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे और संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह को मंगलवार को गिरफ्तार किया था। एसीबी की टीम विनय चौबे को उनके घर से लेकर आयी थी, जबकि गजेंद्र सिंह को फोन कर एसीबी कार्यालय बुलाया था। दोनों को गिरफ्तार कर एसीबी ने अदातलत के आदेशानुसार जेल भेज दिया है।

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

संदेश

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर मैं झारखण्ड के समस्त लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। संथाल परगना के घने वन हों या छोटानागपुर की भव्य पहाड़ियां, हमारा राज्य समृद्ध जैव विविधता से परिपूर्ण है।

वर्तमान में समस्त विश्व जलवायु परिवर्तन की समस्या से ग्रस्त है, ऐसे में जैव विविधता का संरक्षण नितांत आवश्यक है। जैव विविधता का संरक्षण न केवल भूमि के क्षरण को रोकने में, बल्कि जल संरक्षण में भी सहायक है। संतुलित जैव विविधता से हमें उत्तम कृषि उपज औषधीय पौधे वन आधारित आजीविका जैसे लाह की खेती, तसर सिल्क की खेती, मुधमक्खी पालन, बांस की खेती के उत्तम परिणाम मिलते हैं।

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का विषय **"प्रकृति के साथ सामंजस्य एवं सतत विकास"** है।

आइए, अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2025 के अवसर पर हम सभी, जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन तथा उनके संतुलित उपयोग के लिए संकल्प लें।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 353165 (Forest, Environment and Climate Changes) 25-26

एक नजर

स्कूल गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त बच्चे हुई घायल

हजारीबाग : हजारीबाग के इचाक थाना अंतर्गत खुटरा गांव के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना में 17 स्कूल के बच्चे घायल हुए हैं। स्कूल के बच्चे पिकअप वैन में बैठे हुए थे। गाड़ी असंतुलित होते हुए तालाब में गिर गई। जिससे यह घटना घटी है। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों के मदद से बच्चों को तालाब से निकल गया है। वही गाड़ी का ड्राइवर भी तालाब में डूबा हुआ था। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस दुर्घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ है। हजारीबाग के ईचाक थाना क्षेत्र अंतर्गत खुटरा गांव के समीप एक भीषण सड़क हादसे में लगभग 15 बच्चे घायल हुए हैं, तो वही तीन से चार बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बताया जाता है कि एक निजी विद्यालय के बच्चे पढ़ाई कर सभी पिकअप वैन से अपने घर के लिए लौट रहे थे। इसी दौरान खुटरा गांव के समीप स्कूली बच्चों से भरा पिकअप वैन सड़क से लगभग 15 फीट नीचे तालाब में जा गिरी। सभी बच्चे घायल हो गए। प्रशासन और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। सभी घायल को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग भेज दिया गया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि पिकअप वाहन चालक नशे की हालत में था। इसके साथ ही सड़क के किनारे किसी भी प्रकार का गार्डवाल और डायवर्सन नहीं होने की वजह से ऐसी घटना घटी है।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, भूमाफिया कर रहे जमीन की खरीद बिक्री

कटकमसाडी : कटकमसाडी प्रखंड क्षेत्र के ढौठवा पंचायत में इन दिनों सरकारी तालाब, विधालय, पुराने पंचायत भवन,गैरमजरुआ जमीन पर भूमाफिया के द्वारा कब्जा करने एवं फर्जी कागजात बनवाकर खरीद बिक्री का मामला प्रकाश में आया है। ढौठवा पंचायत के विधालय का जमीन जिसका खाता नंबर 66, प्लांट नम्बर 827,828 दुसरा खाता नंबर 66, प्लांट नम्बर 826 पुराना पंचायत भवन, खाता नंबर 66 प्लांट नम्बर 938 , सार्वजनिक नरहर तालाब, खाता नंबर 66 प्लांट नम्बर 873,874, सार्वजनिक हरैया तालाब, खाता नंबर 66 प्लांट नम्बर 830,831,832, करमबहवा तालाब ,इन सभी जगहों पर कुछ दबंग भूमाफिया के द्वारा सरकारी जमीन का हेराफेरी किया जा रहा है। इन सभी सरकारी जमीनों को बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने कटकमसाडी अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता को लिखित आवेदन देकर भू-माफिया पर उचित कानूनी कार्रवाई करने तथा किए गए अतिक्रमण को मुक्त करने की मांग की है।

संबद्ध महाविद्यालय संघ ने कुलपति से की औपचारिक भेंट

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा से झारखंड संबद्ध महाविद्यालय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने एक शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और शीघ्र समाधान की मांग की।? संघ के सचिव डॉ. सच्चिदानंद कुमार ने कुलपति को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के अंतर्गत 15 से अधिक महाविद्यालयों की संबद्धता की प्रक्रिया विगत समय से लंबित है, जिससे वहां की शैक्षणिक गतिविधियाँ बाधित हो रही हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी 34 वीं पुण्यतिथि उनके चित्र पर माल्यार्पण कर कांग्रेसियों द्वारा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजली दी गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के ज्येष्ठ पुत्र राजीव गांधी ने मई 1981 में विमान सेवा के पायलट पद से त्यागपत्र देकर भारतीय राजनीति में प्रवेश किया और उत्तर प्रदेश की अमेठी संसदीय सीट से कांग्रेस के टिकट पर भारी बहुमत से निर्वाचित होकर लोक सभा की सदस्यता ग्रहण की । वह कांग्रेस के महामंत्री रहे । इंदिरा गांधी की हत्या के पश्चात 31 अक्टूबर 1984 को वह प्रधानमंत्री बने किन्तु 1989 के लोक सभा चुनाव में इनकी पार्टी ने लोक सभा में सर्वाधिक स्थान प्राप्त किए किन्तु स्पष्ट बहुमत न प्राप्त कर सकी । अन्य दलों के सहयोग से इन्होंने सरकार बनाना स्वीकार नही किया अतः विपक्ष के नेता बने । 10 वीं लोक सभा के चुनाव प्रचार के दौरान तमिलनाडु के श्रीपेरुम्बदूर में एक बम-विस्फोट में इनकी हत्या कर दी गई । मरणोपरांत इन्हें 1991 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा प्रदेश सचिव बिनोद सिंह महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान जिला सेवादल अध्यक्ष गुड्डू सिंह इंटक अध्यक्ष कजरू साव, संजय तिवारी महासचिव जावेद इकबाल, रघु जायसवाल, कैलाश पति देव, महेश प्रसाद साहू, विजय कुमार सिंह, अनिल कुमार भुईंया, अजित कुमार सिंह, मुस्ताक अंसारी, राम कुमार पटेल, अजय प्रजापति, अशोक कुशवाहा, मुगेश्वर प्रसाद चौधरी के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

विभिन्न गांव में लहंगा का वितरण, सांसद ने गरीब बेटियों के लिए उपलब्ध कराया लहंगा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल द्वारा लोकसभा क्षेत्र के गरीब बेटियों के बीच लहंगा वितरण कार्यक्रम के तहत सैकड़ों लोगों के बीच बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के बड़कागांव, पतरातू प्रखंड के विभिन्न गांव में हजारीबाग लोकसभा प्रतिनिधि सतेंद्र नारायण सिंह के निर्देशन में बड़कागांव सांसद प्रतिनिधि पूनम साव के नेतृत्व में लहंगा वितरण किया गया। जिसमें पतरातू प्रखंड के भदानीनगर, भुरकुंडा, बड़कागांव व उरीमारी मण्डल प्रखंड के दर्जनों गांव में घर-घर जाकर लहंगा उपलब्ध कराया गया।वितरण कार्य निरंतर आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा। वहीं बुधवार को बड़कागांव प्रखंड के जुगरा गांव निवासी स्व. राजन रविदास की पुत्री रिया कुमारी को लहंगा देकर शुभकामनाएं दी गई। रिया कुमारी के पिता की मृत्यु बचपन में ही हो गई थी जिसका लालन पालन उसका भाई ने किया। लहँगा प्राप्त करने के बाद रिया ने कहा कि एक भाई ने मेरा लालन पालन किया और दूसरे भाई के रूप में सांसद मनीष जायसवाल खड़े हुए। मौके पर बड़कागांव विधानसभा सह प्रतिनिधि पंसस कृष्णा राम, बड़कागांव विधानसभा मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, बड़कागांव मंडल प्रतिनिधि रंजीत कुमार, जुगनू उर्फ राजेश कुमार सिंह,पूर्व पंचायत समिति सदस्य सरिता देवी उपस्थित थे।

मिशन सिंदूर सेना की सम्मान में भाजपा ने बड़कागांव में निकाला तिरंगा यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : पहलगाम घटना मिशन सिंदूर को लेकर सेना की सम्मान में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के बड़का गांव एवं उरीमारी मंडल द्वारा बड़कागांव कुशवाहा धर्मशाला से होते हुए गुरु चट्टी थाना रोड मुख्य चौक दैनिक बाजार होते हुए सूर्य मंदिर तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। मौके मुख्य अतिथि विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि आतंकवादियों के गोद में बैठा पाकिस्तान को ,भारत की सेना में इतनी ताकत है कि , पल भर में पाकिस्तान को तहस-नहस कर कर देने की क्षमता रखता है। वहीं पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि हमारी एकजूटता में ही बल है हम भारतवासी एकजुट रहे और आतंकवाद के खिलाफ हमेशा लड़ाई लड़ते रहे है। अब तक हुई भारत-पाकिस्तान की लड़ाई में हमारी सेना के आगे सभी बार पाकिस्तान को मुंह खानी पड़ी है। पाकिस्तान ने अपने आतंकवादियों को पालकर अपना ही विनाश को दावत दे रहा है। एक दिन ऐसा आएगा जब आतंकवादी ही पाकिस्तान पर हमला कर कब्जा कर लेगा शुरूआती लक्षण दिखने भी लगा है। मुख्य रूप से मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी विशिष्ट अतिथि लोकनाथ महतो पूर्व विधायक, सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, आदित्य साहू सोनी ,खेमलाल महतो, सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, मंडल अध्यक्ष महामंत्री दिनेश करमाली, संदीप कुशवाहा, नर्सिंग प्रसाद, महेंद्र महतो, श्रीकांत निराला, किशन राणा, लालदेव महतो, विजय यादव ,रवि कुमार ,सूरज कुमार ,अशोक महतो ,चीतामनी महतो, नागेश्वर राणा, बैजनाथ साव, शिबू मेहता, रामपति राम, टुकेश्वर प्रसाद, अरुण मालाकार, धनलाल बेदीया, फूलचंद बेदिया, सच्चिदानंद पांडेय, अनुज कुमार यादव, राजीव रंजन ,सुनील उरांव,कजरू साव, राज किशोर साव, वीरेंद्र प्रसाद इत्यादि लोग शामिल थे।

वृक्षारोपण अभियान के प्रथम चरण में चिन्हित स्थलो पर सहायता समूहों के सदस्यों ने किया भ्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : नगर विकास एवं आवास विभाग के निदेर्शानुसार अमृत मिशन 2.0 योजना अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान वूमेन फॉर ट्री कैंपेन एक पेड़ माँ के नाम अमृत मित्र इनिशिएटिव के तहत प्रथम चरण में कोडरमा नगर पंचायत द्वारा चिन्हित स्थल पर दिनांक 21 मार्च 2025 से 23 मार्च 2025 तक संबंधित स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा स्थल भ्रमण का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शंभू प्रसाद कुशवाहा प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा के ने बताया कि उक्त कार्यक्रम के लिए टीम बनाया गया है । टीम के सभी सदस्य आपस में समन्वय स्थापित करते हुए साइड विजिट कर रहे है एवं जियो टैग फोटो तथा वीडियो के माध्यम से प्रतिवेदन उपलब्ध कराये है। भ्रमण का उद्देश्य उक्त स्थल पर पूर्व से लगे पेड़, वर्तमान में लगने वाले पेड़ों का आकलन कर, संख्या क्षेत्रफल आकलन कर प्रतिवेदन प्रपत्र तैयार करना है, जिससे अभियान के द्वितीय चरण दिनांक 5 जून से 31 अगस्त तक सभी स्थलों में वृक्षारोपण किया जा सके। नगर पंचायत कोडरमा क्षेत्र अंतर्गत कुल 12 स्थलों का चयन किया गया है , जिसमें आज दिनांक 21 मार्च 2025 को चार स्थलों का भ्रमण किया गया जो क्रमशः बागीटांड स्टेडियम के पास तालाब, दुखहरनी तालाब, सामुदायिक भवन बाहेरवांटांड, प्रेम सागर तालाब है। उक्त कार्यक्रम में नगर पंचायत कोडरमा के संजीत कुमार साहु नगर मिशन प्रबंधक, विशाल कुमार साव कनीय अभियंता, दिग्विजय कुमार स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर, बसंत कुमार राजस्व निरीक्षक, निरंजन कुमार विधि सहायक, रश्मि सिन्हा सामुदायिक संगठनकर्ता, सामुदायिक संसाधन सेविका रेणु देवी, नीलम देवी एवं विशाल, शिवम, गोपी तथा सितारा स्वयं सहायता समूह की सदस्य उपस्थित रही ।

जाति जनगणना के पहले आदिवासी धर्म कोड हो लागू : बीरेंद्र पाण्डेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : जाति जनगणना के पहले आदिवासी धर्म कोड को लागू करने की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कोडरमा जिला इकाई की एक बैठक शाहू धर्मशाला में जिलाध्यक्ष बीरेंद्र पाण्डेय के नेतृत्व में हुई. बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 27 मई को कोडरमा जिला मुख्यालय में महाधरना का आयोजन करेगा। इस इस बैठक में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से झामुमो जिलाध्यक्ष ने केंद्रीय समिति सदस्यों तथा जिले के पदाधिकारी से वार्ता के बाद यह निर्णय लिया गया कि वर्ग संगठन महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और छात्र मोर्चा का गठन आगामी 29 मार्च, 30 मार्च ओर 1 जून को किया जायेगा। मौके पर जिलाध्यक्ष बीरेंद्र पाण्डेय ने कहा कि झामुमो ने सरना धर्म कोड/आदिवासी धर्म कोड को लेकर निर्णायक आंदोलन का फैसला लिया है। उन्होंने जाति जनगणना के दौरान आदिवासियों के लिए अलग कॉलम की मांग को दोहराते हुए कहा कि झामुमो ने 27 मई को कोडरमा जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन करने का निर्देश दिया गया है। श्री पाण्डेय ने बताया कि पांच साल पहले झारखंड विधानसभा ने अलग सरना धर्म कोड का बिल पारित कर राज्यपाल के पास भेजा था, लेकिन अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि जब तक सरना/आदिवासी कोड नहीं, तब तक जनगणना नहीं के नारे के साथ जेएमएम के आगामी आंदोलन का आह्वान किया। उन्होंने झामुमो के सभी पदाधिकारियों और अगुआ नेताओं को धरना में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने और अपने साथ पंचायत से लेकर जिला स्तर तक के कार्यकताओं एवं समर्थकों को भी धरना स्थल पर पहुंचाने की गारंटी करने को कहा. श्री पाण्डेय ने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम पिछले नौ मई को प्रस्तावित था।

प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना एवं मनरेगा योजना से संबंधित समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उप विकास आयुक्त, कोडरमा ऋतुराज की अध्यक्षता में प्रखण्ड सभागार चंदवारा में प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस (2.0) सर्वे कार्य, अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना एवं मनरेगा योजना से संबंधित समीक्षात्मक बैठक किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में आवास स्वीकृति हेतु विभाग से प्राप्त लक्ष्य 448 के विरुद्ध मात्र 432 योग्य लाभुकों का आवास स्वीकृति किया गया है। 346 लाभुकों को प्रथम किश्त की राशि का भुगतान किया गया हैं । उन सभी लाभुकों का विंडोशील तक आवास निर्माण कर जियो टैग करने तथा आधार वेरिफिकेशन हेतु समीक्षा बैठक में उपस्थित सभी पंचायत सचिव को निदेशित किया गया। अबुआ आवास योजना अंतगर्त वित्तीय वर्ष 2024-25 में राशि भुगतान से 60 दिन से अधिक होने के वाबजूद अबतक आवास निर्माण नहीं किया गया वैसे सभी लाभुकों को दो-तीन नोटिस करे और कार्य प्रारंभ कराये । सभी पंचायत सचिव को निदेशित किया गया कि अबुआ आवास पूर्णता प्रमाण पत्र निर्गत करते हुए एक सप्ताह के अन्दर सभी लंबित भुगतान के लिये प्रस्ताव भेजे। प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अम्बेडकर आवास योजना में लंबित आवास को भी निरिक्षण करते हुए पूर्ण कराने हेतु निदेशित किया गया। अबुआ आवास योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत लाभुकों को मनरेगा से मजदूरी के लिये सभी ग्राम रोजगार सेवक को एक सप्ताह के अंदर मास्टर रॉल निर्गत करने हेतु निदेशित किया गया । मनरेगा योजना अंतर्गत आम बागवानी, कूप योजनाओं को पूर्ण करने हेतु ग्राम रोजगार सेवक को निदेशित किया गया। पुराने योजनाओं को पूर्ण करने हेतु एक सप्ताह के अंदर सभी ग्राम रोजगार सेवक एवं पंचायत सचिव को निदेशित किया गया। जिन पंचायत में कूप निर्माण भौतिक रूप से पूर्ण कर लिया गया हैं,क्षउन्हें नरेगा सॉफ्ट पर पूर्ण कराये। मनरेगा मजदूरों का मनरेगा एवं आवास योजनाओं में शत प्रतिशत मास्टर रॉल निर्गत करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

तीन दिवसीय समर कैम्प का हुवा समापन बच्चो ने खूब की मस्ती

चंदवारा : संस्कार शिशु निकेतन पुरनाडीह में चल रहे तीन दिवसीय समर कैंप का बुधवार को समापन हो गया। इस अवसर पर बच्चों ने खूब धमाल मचाया व मस्ती की। समर कैम्प में शामिल सभी प्रतिभागियों को प्रशासित पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। निदेशक मनीष वर्णवाल ने कहा कि गर्मी की छुट्टियों में आयोजित समर कैंप बच्चों के अंदर छुपी हुई प्रतिभा को बाहर निकालने और तथा उनके व्यक्तित्व को निखारने का बहुत अच्छा माध्यम है। समर कैंप बच्चों के सीखने और मनोरंजन करने का एक आदर्श मंच है। प्रतिभागियों के लिए महत्वपूर्ण जीवन कौशल का निर्माण करने के उद्देश्य से खेल,संगीत, कला और शैक्षिक कार्यक्रमों जैसी गतिविधियों को शामिल किया जाता है। बच्चे खेल-कूद आदि में हिस्सा लेते हैं तो उनका व्यायाम भी होता है। रोजमर्रा के जीवन में समय का प्रयोग कैसे करना है व ग्रुप में कैसा व्यवहार करना है यह भी पता चलता है। हमेशा पढ़ते रहने और गैजेट से जुड़े रहने वाले बच्चों को थोड़ा ब्रेक मिलता है। समर कैंप में दिमाग क्रिएटिव होता है जो घर के वातावरण में रहकर नहीं हो सकता। मौके पर विद्यालय के शिक्षक व छात्र छात्राये मौजूद रहे।

सोलर आधारित लिफ्ट एरिगेशन सिस्टम का अधिष्ठापन का किया गया उद्घाटन

कोडरमा : मरकच्चो प्रखंड अंतर्गत दशारोखुर्द पंचायत के कुशहना गांव में जिला परिषद अंतर्गत स्व आय मद योजना से 5एचपी एसी सरफेस सोलर आधारित लिफ्ट एरिगेशन सिस्टम का अधिष्ठापन का उद्घाटन किया गया। जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, जिला परिषद सदस्य रीता देवी द्वारा उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही कोडरमा प्रखंड अंतर्गत पुरनानगर पंचायत के चंद्रोडीह गांव में 1एचपी सोलर आधारित पंप सेट जिला परिषद सदस्य मनोज यादव द्वारा लाभुक को हस्तागत किया गया।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनायी गयी

मरकच्चो/ कोडरमा : जिले के प्रखंड में दिन बुधवार को समय 11:00 बजे नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष युसूफ अली के अध्यक्षता में आधुनिक भारत के निमार्ता भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भागीरथ पासवान मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान ने कहा कि आधुनिक भारत के निमार्ता भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि आयोजित की गई। सबसे पहले हम लोगों के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया गया। राजीव गांधी ने इस देश के लिए बहुत कुछ किया है जो कभी भुलाया नहीं जा सकता है भारत में पंचायती राज का सपना देखने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे आज उन्हीं के वजह से पूरे देश में पंचायती राज की व्यवस्था है उन्होंने सूचना क्रांति की दिशा में भी कहानी हम कार्य किया जो कभी भी भूलाया नहीं जा सकता है। वही पुण्यतिथि संयुक्त रूप से कांग्रेस अल्पसंख्यक के जिला अध्यक्ष फैयाज अब्बू केसर, नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष जयनगर दशरथ पासवान मुखिया सह कांग्रेस नेता रिंकू सिंह वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम लखन पासवान ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का पूरा परिवार भारत के लिए संपूर्ण समर्पित रहा है उनके बहुमूल्य योगदानों को जनता आज तक भूल नहीं पाई।

लूटकांड की घटना को अंजाम देने वाला युवक हुआ गिरफ्तार

विष्णुगढ़ : हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत सतगढ़वा पुल के पास 19 मई 2025 को लूटकांड की घटना घटित हुई थी ' रात्रि को दो युवक मुन्ना कुमार पिता नन्दलाल महतो ग्राम गोपालडीह , मुकेश कुमार पिता स्व. नुनुचंद महतो ग्राम तिरला दोनो थाना बगोदर जिला गिरिडीह एक शादी समारोह मे विडीयो ग्राफी कर चतरोचट्टी थाना अंतर्गत ग्राम मंगरो से अपने घर ग्राम गोपालडीह (बगोदर) लौट रहे थे,इसी क्रम में विष्णुगढ़- बगोदर रोड (एन. एच -522) स्थित विष्णुगढ़ ग्राम चलनिया सतगढ़वा पुल के पास चार अपराध कर्मी इन दोनो युवकों को जबरन बंधक बना लिए तथा इनके फोन पे के माध्यम से बीयर खरीदवाया और बेड़ा हरियारा जंगल के पास ले गए जहाँ चारो अपराधकर्मी दोनो युवकों को दो घंटे तक बंधक बना कर रखा तत्पश्चात उक्त चारो अपराधकर्मी जान मारने की धमकी देकर इन दोनो युवकों के पास से 03 मोबाईल एवं एक वीडियो कैमरा लुटकर भाग गए। इस संबंध मे पीड़ित युवक मुन्ना कुमार पिता नन्दलाल महतो गोपालडीह थाना बगोदर जिला गिरिडीह के द्वारा दिनांक 20 मई 2025 की सुबह मे विष्णुगढ़ थाना मे एक लिखित आवेदन समर्पित किया गया। जिसपर विष्णुगढ़ पुलिस ने पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने निदेर्शानुसार त्वरित कार्यवाही करते हुए अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी विष्णुगढ़ बैजनाथ प्रसाद के नेतृत्व मे एक छापामारी दल का गठन किया गया।

50 विद्यार्थियों के बीच बैग, कॉपी, किताब का किया गया वितरण

चौपारण : प्रखंड पंचायत बच्छई के ग्राम मालिकाना में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा विद्यार्थियों को स्कूल बैग, कॉपी, किताब का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में बच्छई पंचायत का मुखिया बीरेंद्र रजक ने स्वयं बच्चों को बैग, कॉपी, किताब सौंपे। कार्यक्रम के दौरान पंचायत समिति सदस्य सहदेव प्रसाद यादव, विद्यालय के शिक्षकगण सहित कई ग्रामीण एवं अतिथि उपस्थित थे।

एक नजर

विस के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की विशेष समिति की हुई बैठक

रांची : बजट सत्र के दौरान सदस्य चंद्रदेव महतो और सदस्य अरूप चटर्जी के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना मामले पर गठित विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) की बैठक बुधवार को विधानसभा स्थित समिति के कक्ष में हुई। समिति ने धनबाद जिला के बलियापुर अंचल के सुरूंगा और झरिया के भौरा में बीसीसीएल क्षेत्र 10 एवं एटी देवप्रभा कंपनी ने जबरन ओबी डम्प किए जाने से संबंधित मामले पर समिति ने मामले से संबंधित विभिन्न विषयों पर विमर्श किया। इसके बाद बैठक में विशेष समिति ने सचिव राजस्व निबंधन और भूमि सुधार विभाग, सचिव खान और भूतत्व विभाग, सचिव वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग को उक्त विषय के संबंध में प्रारंभिक रिपोर्ट के साथ समिति की अगली बैठक में 30 मई बुलाया है। विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) की बैठक में विशेष समिति के संयोजक मथुरा प्रसाद महतो, अरूप चटर्जी, राज सिन्हा, उमाकांत रजक और सदस्य चंद्रदेव महतो के अलावा संयुक्त सचिव रंजीत कुमार, विधानसभा के उप सचिव अनूप लाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

पाकिस्तान में गृह युद्ध की स्थिति : जेपी

रांची : प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के नेता जय प्रकाश पांडेय ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए कहा कि पाकिस्तान में गृह युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने बुधवार को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बलूच लिब्रेशन फ्रंट ने विद्रोह करते हुए पाकिस्तान के सिंध के गृहमंत्री के घर पर गोली से हमला कर दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के अलगाववादियों और आतंकियों का हमला सहित कई क्षेत्रों में विरोध जारी है। वहीं पाकिस्तान को विश्व बैंक कर्ज चुकाने को कहा है, जबकि वहां की आम जनता पानी और खाना के लिए तरस रही है।

एकतरफा प्यार में परेशान युवक ने की आत्महत्या

रांची : राजधानी रांची के अंगड़ा प्रखंड के चिलदाग में एक 19 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान ऋत्विक महतो के रूप में हुई है। घटना मंगलवार रात की है। मृतक ने अपने घर में ही फांसी लागाकर आत्महत्या की है। घटना की जानकारी बुधवार को पाकर अनगड़ा थाना पुलिस को दी गयी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार युवक कुछ दिनों से डिप्रेशन में था। बताया जा रहा है कि वह अपने गांव की ही एक युवती से एकतरफा प्यार करता था। लेकिन कुछ महीने पहले उस युवती की शादी हो गयी, जिसके बाद उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

आद्रा मंडल में विकास कार्य के कारण तीन ट्रेनें प्रभावित

रांची : दक्षिण-पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल के अंतर्गत विकास कार्य के लिए रोलिंग ब्लॉक लिए जाने के कारण तीन ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। रांची रेल मंडल से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 18035 खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस 22 और 23 मई को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर दो घंटे विलंब से खड़गपुर स्टेशन से प्रस्थान करेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 18036 हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस 24 एवं 25 मई को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर दो घंटे विलंब से हटिया स्टेशन से प्रस्थान करेगी। इसके अलावा ट्रेन संख्या 18601 टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस 25 मई को अपने निर्धारित मार्ग चांडिल-पुरुलिया-कोटशिला-मूरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग चांडिल-गुंडा बिहार-मुरी होकर चलेगी।

यूपीएससी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में रहेगा निषेधाज्ञा : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संघ लोक सेवा आयोग(यूपीएससी),नई दिल्ली की ओर से देश भर में सिविल सेवा परीक्षा 25 मई को आयोजित की जानी है। यह परीक्षा रांची जिले के विभिन्न 48 परीक्षा केंद्रों में भी प्रथम पाली में सुबह 09:30 बजे से 11:30 बजे और द्वितीय पाली में 02:30 बजे से 04:30 बजे तक आयोजित की जानी है। परीक्षा केन्द्रों पर कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन कराने और विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की है। परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थी, उनके अभिभावक और असामाजिक तत्व परीक्षा केन्द्रों पर भीड़ लगाकर विधि-व्यवस्था भंग करने की चेष्टा कर सकते हैं। इस आशंका को देखते हुए अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर ने बीएनएसएस की धारा-163 के तहत सभी परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह निषेधाज्ञा 25 मई को सुबह 07:30 बजे से अपराह्न 07:30 बजे तक प्रभावी रहेगा। निषेधाज्ञा के दौरान पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होने पर पाबंदी रहेगी। साथ ही किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयाग करने, किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र, जैसे- बंदूक, राईफल, रिवाल्वर, बम, बारूद, लाठी, डंडा, तीर-धनुष लेकर चलना वर्जित रहेगा। इसके अलावा किसी प्रकार की बैठक या आमसभा के आयोजन पर भी रोक रहेगी।

आयुक्त की गिरफ्तारी भ्रष्टाचार को संरक्षण देने वाली नीतियों को उजागर करती है : विजय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आईएएस विनय कुमार चौबे एंव उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह की गिरफ्तारी,सरकार व पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के मुख्य मंत्री रघुवर दास के भ्रष्टाचार को संरक्षण देने वाली नीतियों को उजागर करती है और दोनो पार्टियां चोर चोर मौसेरा भाई की कहावत को चरितार्थ करता है। उपरोक्त बातें गुरुवार को आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा आईएएस विनय कुमार चौबे को 2022 के शराब घोटाले में गिरफ्तार करने पर अपनी प्रतिक्रिया मे कही। इन्होने आगे कहा कि यह कार्रवाई हेमन्त सोरेन सरकार और पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की भ्रष्टाचार को संरक्षण देने वाली नीतियों को उजागर करती है। झारखंड के कई विभागों में भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं, और डाक्टर प्रदीप कुमार, पूजा सिंघल, छवि रंजन जैसे अन्य आईएएस अधिकारियों की गिरफ्तारी इसकी गंभीरता को दशार्ती है। नायक ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए आगे कहा कि 2022 की उत्पाद नीति के तहत नकली होलोग्राम और अवैध शराब उत्पादन से राज्य को 38 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सात प्लेसमेंट एजेंसियों को मनमाने ढंग से ठेके दिए गए। हेमन्त सरकार की चुप्पी सवाल उठाती है तो भाजपा सरकार के मुख्य मंत्री रघुवर दास की भूमिका भी संदेहास्पद लगता है। 2016-2019 में उत्पाद विभाग में बिना निविदा के शराब ठेके दिए गए, जिससे 200 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। जबकि रघुवर दास की भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार पर कोई कार्रवाई नहीं की जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि दोनो सरकारो ने झारखंड को दोनो हाथो से लुटने का काम किया है। नायक ने यह भी कहा कि विनय चौबे एंव उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह की गिरफ्तारी सिर्फ आईवाश है भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस नीति का जबकि छोटी मछली को गिरफ्तार कर बड़ी मछली को बचाने का एकमात्र हिस्सा है। हेमन्त और रघुवर की भाजपा सरकारों ने भ्रष्टाचार को पनपने दिया।

राष्ट्रीय आदिवासी धर्म समन्वय समिति की बैठक 31 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : वर्ष 2025-26 में होने वाले जनगणना की तैयारी के लिए राष्ट्रीय आदिवासी धर्म समन्वय समिति भारत की कोर कमेटी की बैठक 31 मई को विधायक आवास क्लब हॉल पुराना विधानसभा में होगी। बैठक के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय आदिवासी धर्म समन्वय समिति भारत के संयोजक देवकुमार धान ने बुधवार को कहा कि इस बैठक में जनगणना की तैयारियों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही जनगणना को लेकर गांव, प्रखंड और जिला स्तर पर जन जागरुकता अभियान चलाने का निर्णय लिया जाएगा। जनजागरुकता अभियान में लोगों को जनगणना प्रपत्र में अपना धर्म, भाषा और जाति अनिवार्य रूप से लिखवाने के लिए जागरूक किया जाएगा। साथ ही जनगणना में अपने घर, परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी देने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा आदिवासियों के लिए जनगणना प्रपत्र में अलग धर्म कॉलम के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। बैठक में झारखंड समेत बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक और असम सहित अन्य राज्यों से कोर कमेटी के सदस्य भाग लेंगे।

झारखंड में इस वर्ष समय से पूर्व दस्तक दे सकता है मॉनसून

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में इस बार मॉनसून के समय से पूर्व आने की संभावना है। इस बार मॉनसून के झारखंड में आने की संभावना 10-12 जून है, जबकि हर वर्ष मॉनसून 15 जून के बाद आता है। इसकी वजह इस वर्ष केरल में मॉनसून आने को लेकर बनी परिस्थितियां हैं। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि इस बार केरल में मॉनसून के दस्तक देने की परिस्थितियां पॉजिटिव बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि केरल में इस बार मॉनसून 25-27 मई तक पहुंचने की सम्भावना है। अभिषेक आंनद ने बताया कि इस बार झारखंड सहित कई मध्यवर्ती राज्यों में प्री मॉनसून की बारिश भी समय से पूर्व हो रही है। मॉनसून के समय से पहले आने की सभी परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। उल्लेखनीय है कि झारखंड में पिछले साल मॉनसून 21 जून को पहुंचा था। इधर, राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में पिछले 24 घण्टों के दौरान प्री मॉनसून की अच्छी बारिश हुई। रांची में 29.2 मिमी बारिश हुई। वहीं राज्य में सबसे अधिक बारिश देवघर के सिकटिया में 53.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया। वहीं राज्य में सबसे अधिक तापमान डालटेनगंज में 40.6 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री गुमला में रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने 22 मई को गर्जन, आकाशीय बिजली गिरने और 50-60 किमी प्रति घण्टे की गति से तेज हवा चलने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही 23 मई को उत्तर-पूर्वी भागों को छोड़कर राज्य के शेष हिस्सों में तथा 24 मई को उत्तर-पूर्वी जिलों में कहीं- कहीं गर्जन, आकाशीय बिजली गिरने और 30-40 किमी की गति से तेज हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

बेदाग हैं हेमन्त सोरेन तो घोटाले की सीबीआई से कराएं जांच : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चुनौती दी है कि अगर उनकी सरकार शराब घोटाले में शामिल नहीं है तो शराब घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की अनुशंसा करें। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में प्राथमिकी दर्ज कर और अफसरों को गिरफ्तार कर एसीबी ने इतिहास रच दिया। सुदेश ने बुधवार को मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस बात पर विश्वास करना असंभव है कि मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री की सहमति के बगैर ही अफसरों ने नीतिगत बदलाव कर लिया। ताकि, घोटाला किया जा सके। स्पष्ट है कि सीबीआई जांच होगी तो मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री भी लपेटे में आएंगे। इसी कारण आईएएस विनय चौबे और संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को बलि का बकरा बनाया गया है। ताकि, मुख्यमंत्री और मंत्री को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस सरकार की असलियत अब जनता के सामने आनी शुरू हो गई है और इसका हाल भी दिल्ली की केजरीवाल सरकार की तरह ही होने वाला है। सुदेश ने कहा कि विपक्ष ने लगातार इस मुद्दे पर सरकार का ध्यान आकृष्ट किया जाता रहा कि अधिकारियों की ओर से झारखंड राज्य विवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के अप्रैल 2022 में निकाली गई निविदा की शर्तों का उल्लंघन कर छत्तीसगढ़ की कंपनी को काम दिया गया। ताकि, झारखंड और छत्तीसगढ़ के संगठित सिंडिकेट को अवैध कारोबार का मौका दिया जा सके। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष सितंबर 2024 में छत्तीसगढ़ में विनय चौबे पर मुकदमा दर्ज होने के बाद झारखंड में हड़बड़ी में प्राइमरी इंक्वायरी गठित की गई, लेकिन प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई। मंगलवार को आनन फानन में प्राथमिकी दर्ज कर अफसरों को गिरफ्तार कर लिया गया। इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार जनता की आंखों में धूल झोंक कर स्वयं को पाक साफ साबित करना चाहती है।

शराब घोटाले में बाबूलाल ने सरकार को घेरा, कहा- तीन साल पहले लिखे पत्र पर क्यों नहीं की कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि शराब घोटाले की परत जिस तरह से खुल रही रही है, उससे यह साफ हो रहा है कि झारखंड में दिल्ली से भी बड़ा शराब घोटाला हुआ है। जिस प्रकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उनके द्वारा पत्र लिखकर आगाह किए जाने के बावजूद कार्रवाई से बचते रहे, उससे यह स्पष्ट हो रहा कि यह घोटाला सुनियोजित तरीके से कराया गया है, जिसमें मुख्यमंत्री स्वयं शामिल हैं। मरांडी बुधवार को पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। मरांडी ने कहा कि 19 अप्रैल 2022 को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड उत्पाद विभाग के पदाधिकारियों की ओर से झारखंड राज्य विवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेसीबीसीएल) की निविदा में अंकित बिंदुओं की अवहेलना कर एक साजिश के तहत छत्तीसगढ़ की कंपनी विशेष को टेंडर देने और उससे होने वाली भारी राजस्व की क्षति की ओर ध्यान आकर्षित कराया था। उन्होंने कहा कि पत्र में यह भी उल्लेख किया था कि निविदा की कंडिका 9.3 में 3.90 प्रतिशत अधिकतम लाभांश को बदलकर निविदा डालने वाली इकाइयों से न्यूनतम मार्जिन दशार्ने की बात अंकित है, जिसके फलस्वरूप ए टू जेड इंफ्रा सर्विस लिमिटेड, प्राइम वन वर्कफोर्स प्राइवेट लिमिटेड, सुमित फैसिलेशन लिमिटेड और ईगर हंटर सॉल्यूशन लिमिटेड, जो पूर्व में उनके मनोनुकूल शर्तें नहीं होने के कारण टेंडर नहीं डाल सके थे। टेंडर में भाग ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि पत्र लिखने के बावजूद सरकार ने संज्ञान नहीं लिया। उन्हें पता था गड़बड़ी हो रही है, लेकिन गड़बड़ी रोकने के बजाय उसमें साथ दिया और उससे होने वाले लाभ में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जिन कंपनियों का नाम पत्र में लिखा था, उनकी निविदा मंजूर की गई और उन्हें काम मिला। सवाल यह उठता है कि 2022 में पत्र लिखकर आगाह करने के बाद भी 2025 तक मुख्यमंत्री ने क्यों लूट होने दी? क्यों कार्रवाई नहीं की? भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री की नींद तब खुली जब 27 सितंबर 2024 को अखबार में खबर छपी कि शराब घोटाले में छत्तीसगढ़ में आईएएस अधिकारी विनय चौबे के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। झारखंड सरकार में बैठे लोगों के कान खड़े हुए, जांच का भय सताने लगा। इसलिए आनन फानन में अक्टूबर 2024 में प्राइमरी इन्क्वायरी (पीई) स्थापित की गई। लेकिन इस समय भी एफआइआर दर्ज नहीं हुआ। इससे स्पष्ट है कि घोटाले पर पर्दा डालने और बड़ी मछलियों को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की कार्रवाई के बाद हड़बड़ी में जांच शुरू हुई, जो पूरी तरह से सोची समझी साजिश है।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश कांग्रेस ने पुण्य तिथि पर राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

रांची : प्रदेश कांग्रेस के तत्वावधान में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 26 वीं पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुधवार को मनाई गयी। इस दिन को कांग्रेस पार्टी की ओर से उर्जा दिवस के रूप में याद किया जाता है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी झारखंड की जनता को सदैव याद रहेंगे। देश में शांति और एकता को बहाल रखने के लिए अखंड भारत के सपनों को साकार रखने के लिए उनकी दी गई शहादत को देश सदैव याद रखेगा। झारखंड अलग राज्य के बिना यहां रहने वाले आदिवासियों और दूसरे समुदाय के लोगों का विकास संभव नहीं है। यह बातें राजीव गांधी ने गुमला, सिमडेगा और खूंटी की जनसभाओं में प्रकट किया था। राजीव गांधी अपने प्रधानमंत्रीत्व काल में योजनाओं में झारखंड के हितों को सर्वोपरि रखते थे। पंचायती राज स्थापित करने का उनका सपना अब भी झारखंड में अधूरा है जिसे पूरा करने की जरूरत है। इस अवसर पर वक्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राजीव गांधी का 21वीं सदी में ले जाने की नींव अपने कार्यकाल में रखी थी। भारत में कंप्यूटर युग की शुरूआत उन्हीं की देन है। वक्ताओं ने स्वर्गीय राजीव गांधी के सत्ता विकेन्द्रीकरण का विस्तार से चर्चा की। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मंत्री राधाकृष्ण किशोर, अनुकुल मिश्रा, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, अमूल्य नीरज खलको, सोनाल शांति, गजेंद्र सिंह, जगदीश साहू, खुर्शीद हसन रूमी सहित अन्य शामिल थे।

रांची की 360 बेटियों को मिला कराटे में ऑरेंज बेल्ट

रांची : रांची जिला प्रशासन की ओर से बेटियों को आत्मनिर्भर और आत्मसुरक्षित बनाने की दिशा में एक और सराहनीय पहल की गई है। ՞बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ՞ योजना के अंतर्गत कांके स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कराटे प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें 360 बालिकाओं ने हिस्सा लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर बुधवार को किया गया। जिला समाज कल्याण कार्यालय के सहयोग से चलाए गए इस सत्र में बालिकाओं को आत्मरक्षा की जरूरी तकनीकें सिखाई गईं। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद सभी प्रतिभागी बालिकाओं को द्वितीय स्तर का ऑरेंज बेल्ट प्रदान किया गया, जो उनकी मेहनत और आत्मविश्वास का प्रतीक है। प्रशिक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह, स्कूल की वार्डन और शिक्षिकाएं भी मौजूद थीं। अधिकारियों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रशिक्षण बेटियों में न सिर्फ आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार भी करते हैं।

मारवाड़ी सम्मेलन ने दो स्थानों पर लगाया स्थाई प्याऊ

रांची : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन रांची शाखा की ओर से रांची में दो स्थानों पर प्याऊ के तहत ठंडे पानी की मशीन की व्यवस्था की गई। प्याऊ लगाने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को गर्मी में राहत देने और उन्हें शुद्ध, स्वच्छ और ठंडा पानी उपलब्ध कराना है। संगठन की ओर से पहला प्याऊ एलईबीबी हाई स्कूल में लगाया गया जिसका उद्घाटन उषा अग्रवाल ने किया गया, जबकि दूसरा प्याऊ हिंदपीढी स्थित फर्स्ट स्ट्रीट के राजकीय कृत मध्य विद्यालय में लगाया गया। इसका उद्घाटन सुनीता सरावगी और सुनील सरावगी ने किया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने सुंदर भजन और गीत गाकर एवं शाखा अध्यक्ष मधु सर्राफ को और सुनीता सरावगी को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मौके पर स्कूल के प्राचार्य ने इस नेक कार्य के लिए सभी महिला सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्थाई प्याऊ लगने से सभी को शुद्ध जल हमेशा मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और जल है तो कल है। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष मधु सर्राफ, निवर्तमान राष्ट्रीय सचिव रूपा अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष गीता डालमिया, अंशु नेवटिया, नैना मोर, प्रांतीय उपाध्यक्ष अलका सरावगी, उर्मिला पाड़िया, बिना मोदी, कुसुम पटवारी, सरिता अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, मंजू तुलस्यान, रीना सुरेखा, सहित अन्य सदस्यों की महती भूमिका रही।

विश्वविद्यालयों में प्रति कुलपति नियुक्त करें राज्यपाल : सूरज मंडल

रांची : पूर्व सांसद और भाजपा नेता डॉ सूरज मंडल ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से झारखंड के प्रत्येक विश्वविद्यालय में प्रति कुलपति की अविलम्ब नियुक्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से प्रत्येक विश्वविद्यालय में न केवल प्रशासन और प्रबंधन दुरुस्त होगा, बल्कि कार्यों में पारदर्शिता भी आयेगी और पठन-पाठन बेहतर होगा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुलाकात के दौरान डॉ मंडल ने कहा कि झारखंड में उच्च शिक्षा की बेहतर स्थिति न केवल छात्र-छात्राओं या संपूर्ण शैक्षणिक जगत के हित में है, बल्कि कुल मिलाकर झारखंड के सभी लोगों के तीव्र गति से सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए भी यह जरूरी है। डॉ मंडल ने कहा कि इतिहास में इस बात के प्रमाण भरे पड़े हैं कि जहां भी उच्च शिक्षा की स्थिति कमजोर हुई है वहां उसका खामियाजा न केवल पूरे समाज या प्रदेश को भुगतना पड़ा है बल्कि आर्थिक विकास भी धीमा हो गया। डॉ मंडल ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य सरकार उच्च शिक्षा के मामले में पूरी तरीके से उदासीन है और उसका नकारात्मक और निराशाजनक रवैया पूरी तरह स्पष्ट है। हर एक मामले पर राज्य सरकार, राजभवन के साथ टकराव का रवैया अख्तियार कर रही है। ऐसे परिप्रेक्ष्य में राज्यपाल की भूमिका बहुत अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने राज्यपाल से अपनी बातों को साझा कर उनसे अपील की है कि झारखंड और यहां के लोगों के हित में अपनी प्रभावी भूमिका और संविधान प्रदत्त अपनी भूमिका का निर्वहन करें।

एक नजर

स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की मनाई गई 15 वीं पुण्यतिथि

बोकारो : अंजली सोरेन, पूर्व उपाध्यक्ष झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में सेक्टर 5 स्वर्गीय दुर्गा सोरेन चौक के पास झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन बड़े पुत्र झारखंड आंदोलनकारी स्वर्गीय दुर्गा सोरेन का 15 वीं पुण्यतिथि मनाई गई जहां इस मौके पर दुर्गा सोरेन सेना की महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष देवला टुडू सहित दर्जनों कार्यकर्ता ने पुष्पांजलि करके उन्हें याद किया यहां सभी ने दुर्गा शरण अमर रहे के नारे भी लगाए रणधीर कुमार ने उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वर्गीय दुर्गा सोरेन झारखंड के आंदोलनकारी बेटा के रूप में झारखंड को अलग करने में अहम भूमिका निभाई है और आज उनके नहीं रहने से झारखंड का पूरी तरह से चमकी विकास नहीं हो पाया है हम कामना करते हैं कि राजकीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उनके बनाए गए मार्गदर्शन पर चलेंगे और उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का काम करेंगे।

दिल्ली से देवघर होते हुए गिरिडीह पहुंचे सांसद

हजारीबाग : हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल संसद भवन में आयोजित स्टीमेट कमिटी की महत्वपूर्ण बैठक में बतौर सदस्य भाग लेने के उपरांत बुधवार को दिल्ली से हवाई मार्ग से देवघर पहुंचे और फिर यहां से सड़क मार्ग से संगठन के एक बैठक के निमित्त गिरिडीह जाने के क्रम में मिजार्गंज स्थित जलीय सूर्य मंदिर में माथा टेका और पूजा-अर्चना किया। यहां उन्होंने भगवान भास्कर से समस्त हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की । तत्पश्चात गिरिडीह जिले के झारखंड धाम परिसर पहुंचे। यहां पुण्यश्लोक महारानी अहिल्याबाई होलकर जी की 300 वीं जयंती के शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, गिरिडीह जिला द्वारा आयोजित ?जिला कार्यशाला- सह- संगोष्ठी? में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए और उपस्थित लोगों को उन्होंने संबोधित किया । इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कोडरमा की विधायक बहन डॉ. नीरा यादव के साथ गिरिडीह जिले की जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा, जिला उपाध्यक्ष उदय सिंह सहित कार्यक्रम के सह- संयोजक संजीव जी, अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष प्रकाश दास सहित सभी मंडल अध्यक्ष समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रखंड टॉपर होने पर पंचायत वालों ने छात्र रोशन को किया सम्मानित

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के सांढ़ पंचायत टोला छ्पेरवा निवासी किसान गोविंद महतो के पुत्र रोशन कुमार का सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 93% अंक लाकर प्रखंड टॉपर बनने पर पंचायत में खुशी देखी जा रही है। जिसे लेकर साँढ़ पंचायत भवन में मुखिया सुलेखा कुमारी की अध्यक्षता में पिता पुत्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें रोशन के पिता किसान गोविंद महतो को पूर्व मुखिया भीखन महतो के हाथों अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया एवं विद्यार्थी रोशन कुमार को मुखिया सुलेखा ने पढ़ाई सामग्री देकर सम्मानित किया।

झामुमो ने मनाई दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि उनके संघर्षों को किया याद : मंटु यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता और झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि मंगलवार को बोकारो में मनाई गई। झामुमो बोकारो महानगर समिति द्वारा मधुडीह कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने दुर्गा सोरेन के तेलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान, दूरदर्शिता और संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन में दुर्गा सोरेन का योगदान अविस्मरणीय है। मंटू यादव ने बताया कि राजनीतिक जानकारों के अनुसार, दुर्गा सोरेन एक जुझारू, बेबाक और निडर नेता थे, जो पार्टी के प्रति पूरी तरह से समर्पित थे। बोकारो से उनका गहरा नाता रहा, 21 मई 2009 को उनके असामयिक निधन से झारखंड के राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य को एक बड़ी क्षति हुई थी। मंटु यादव ने आगे कहा कि दुर्गा सोरेन ने हमेशा गरीबों, वंचितों और झारखंडी अस्मिता के लिए आवाज उठाई। उनका संघर्ष आज भी हमें प्रेरणा देता है और हमें उनके सपनों के झारखंड के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। उन्होंने युवाओं से दुर्गा सोरेन के आदर्शों और सिद्धांतों पर चलने का आह्वान किया, ताकि झारखंड का विकास और उन्नति सुनिश्चित हो सके। मंटू यादव ने जोर देकर कहा कि दुर्गा सोरेन का बलिदान और संघर्ष झारखंड के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने सभी कार्यकताओं से कहा कि 27 मई 2025 को बोकारो जिला मुख्यालय में केंद्र सरकार के विरोध में विशाल धरना प्रदर्शन आयोजन किया गया है जिसमें आप सभी भारी संख्या में पहुंचकर प्रदर्शन को सफल बनाएं। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी दुर्गा सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चंदू सिंह मुंडा, मटूकलाल किस्कू, मिथुन मंडल, प्रमोद तापड़िया, भागीरथ शर्मा, अर्जुन महतो, रामदयाल सिंह, उदय गोस्वामी, श्रेष्ठ ठाकुर,महिला नेत्री शांति सोरेन,एकता देवी, सानिया बेगम, रूबी खातून, अशोक हेंब्रम, सोहन मुर्मू ,पुनीत विश्वकर्मा, उदय कुंभकार, लालमोहन हेंब्रम,सदानंद गोप, अभिमन्यु मांझी, रणधीर कुमार, मस्तान अंसारी,के के मंडल,रवि कुमार सिंह, दुर्गा दत्ता, राजन कुमार, अनवर मुन्ने, जनार्दन कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

झुमरी तिलैया में वाम जनवादी मोर्चा का किया गया गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर (कोडरमा) : पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार आज वार्ड नंबर 25 झुमरी तिलैया में वाम जनवादी मोर्चा का गठन किया गया और तमाम वामपंथी और जनवादी संगठनों के अगुवा साथियों की बैठक में यह तय किया गया की बांझेडीह पावर प्लांट पर निहित स्वार्थी भाजपा नेताओं और विधायकों और उनके लगुओं-भगुओं के जरिए जो नंगा नाच चल रहा है इसके खिलाफ जो वास्तविक भूमि के मालिक है जिनकी जमीन गई है और जिनको आज तक प्लांट से प्रदूषण के सिवा कुछ नहीं मिला है वहां के किसान,मजदूरों और विस्थापित परिवार को गोलबंद करके 31 मई 2025 को सुबह 10 बजे से डीवीसी मेन गेट के समझ एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा इसके बाद घरगांव में आम रास्ता का अतिक्रमण में डोमचांच सीओ की संलिप्तता के खिलाफ तथा 1975/1976 में मिले पर्चा पर दखल दिलाने के सवाल पर जिला मुख्यालय पर 2 जून 2025 से अनिश्चितकालीन धरना का आयोजन किया गया है। घरना के वावजूद इंसाफ नहीं मिलने की स्थिति में यह मामला आम जनता के पास ले जाया जाएगा इधर पहलगाम में आतंकी हमले और उसके बाद उपजे परिस्थितियों में किस तरह अमेरिकी साम्राज्यवाद के सामने घुटने टेकते हुए ट्रंप के इशारों पर नाचते हुए सीजफायर की घोषणा की गई और किस तरह से भाजपाई नेताओं और उनके पालतू गोदी मीडिया के द्वारा आतंकी हमले में मारे गए सेना के जवान की विधवा को किस तरह ट्रोल किया गया।

सदानंद ने पीएम श्री स्कूल दुमदुमी में सांसद व विधायक से चार दिवारी,लैब, किचन की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : तोपचांची के दुमदुमी पंचायत अंतर्गत पीएम श्री स्कूल दुमदुमी के छात्र-छात्राओं के बीच बुधवार को साइकिल वितरण किया गया। झारखंड सरकार के महत्वाकांक्षी योजना में से एक है तथा बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से यह योजना झारखंड सरकार पूरे प्रदेश में चल रही है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला सांसद प्रतिनिधि सह जिला परिषद उपाध्यक्ष सुभाष रवानी मुख्य रूप से मौजूद थे।आज दुमदुमी स्कूल के कक्षा 8 के 28 बच्चों बच्चियों के बीच साइकिल वितरण किया गया,वहीं प्रधानाध्यापक उमा देवी एवं समाजसेवी सदानंद महतो के द्वारा स्कूल के चार दिवारी,क्लास रूम, पेयजल, लैब, शिक्षक के अभाव संबंधी कई जनसमस्या आदि सांसद प्रतिनिधि व विधायक प्रतिनिधि के माध्यम से दिए गए तथा प्रतिनिधियों के द्वारा जल्द समाधान करने को लेकर पहल की बात कही गई। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी, प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद एजाज अहमद,जिला परिषद सदस्य विकास महतो, आजसू नेता सदानंद महतो, पूर्व प्रमुख सरिता देवी, मुखिया माधुरी देवी अनंतलाल महतो, प्रमोद महतो आदि स्कूल के शिक्षक,ग्रामीण महिला, पुरुष एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

एफएसएनएल मे अब प्रदर्शन नही हड़ताल होगा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार को जय झारखंड मजदूर समाज के बैनर तले एफ एस एन एल युनिट कार्यालय पर सैकड़ो की संख्या मे एफ एस एन एल मे कार्यरत बिभागीय कर्मचारीयों एवं ठेकाकमीर्यों से बिभागीय युनियन अध्यक्ष सुरेश प्रसाद के अध्यक्षता मे जोरदार चेताबनी प्रदर्शन किया गया संचालन संयुक्त महामंत्री एन के सिंह ने किया। प्रदर्शन उपरान्त मुख्य बक्ता युनियन के महामंत्री ने अपने सम्बोधन मे कहा कि एफ एस एन मे बिभागीय और ठेकाकर्मी मिलाकर लगभग 450 की संख्या मे काम कर रहा है लेकिन गत 12 बर्षों से यहाँ कोई युनियन रिकोनाईज्ड नही है जो एफ एस एन एल के जे एफ जी के निर्यायक बैठक मे बोकारो युनिट के मजदूरों का समस्याओ को रखते हुए उसका समाधान निकलबा सके । 2021 मे युनियन का चूनाव बिभागीय कर्मचारीयों के स्थानांतरण पॉलिसी बनाने ,निकाले गये ठेका मजदूरों को पुनः रखने इत्यादी मांगो को लेकर जय झारखंड मजदूर समाज ने दो दिवसीय हड़ताल नोटिस दिया था जिसको लेकर सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय धनबाद मे त्रिपक्षीय बार्ता मे अन्य मांगो की पूर्ती हुई साथ साथ युनियन का चूनाव जल्द करबाने पर लिखित समझोता भी हुआ लेकिन आज भी प्रबंधन चूनाव करबाने मे टाल मटोल कर रही है जो अब मजदूर के साथ साथ हमारी युनियन भी बर्दाश्त नही कर पा रहा है इसलिए आज पुनः प्रबंधन को मांगपत्र सोंपा गया है जिसमे 15 दिनो के भीतर युनियन चूनाव का नोटिफिकेशन करने ,ठेकाकमीर्यों को ए डब्लू ए के मद मे मिल रहे 1000/= के जगह 4100/= प्रति माह देने ,2007, मे हुए बेजरिबिजन का बकाया 9%, का भुगतान, 2017, मे हुए वेज रिविजन का बकाया 39, महिने का एरियर, 25 बर्ष से उपर के आश्रित का मुफ्त ईलाज, सेवानिवृत कर्मचारी के 2, बर्ष का आवास रिटेन्सन, आवास लाईसेंस योजना शुरू करने इत्यादि 9, सूत्री मांगपत्र पर अगर 15, दिनों के भीतर सकारात्मक पहल नही हुआ तो हमारी युनियन अब प्रदर्शन नही करेगा बल्कि अनिश्चितकालीन हड़ताल का नोटिस देकर चक्का जाम करने का काम करेगा ।अन्त मे निगम के प्रबंधक अतुल कुमार सिंह को मांगपत्र सोंपा गया । कार्यक्रम मे मुख्य रूप से संयुक्त महामंत्री एन के सिंह, सरतार अंसारी,मिनाज खान, इत्यादि का अहम भूमिका रहा ।

अवैध 3773 पीस अग्रेजी शराब के साथ हाइवा जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड से बिहार शराब तस्करी के लिए तस्कर आए दिन नए-नए उपाय ढूंढते हैं. इस बार गिट्टी सप्लाई की आड़ में शराब की तस्करी का अनूठा मामला सामने आया है. इस मामले की पोल तब खुली, जब कोडरमा सतगावां सड़क पर ढाब के जंगल में ऊपर से गिट्टी लोड हाइवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया. गाड़ी के पलटते ही शराब की पेटियाँ वहाँ बिखर गईं। वहीं मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मंगलवार बीते शाम गुप्त सूचना प्राप्त हुई की ढाब थाना क्षेत्र के रास्ते अवैध रूप से एक हाईवा में शराब की तस्करी कर डोमचांच से सतगावां की ओर जा रहा है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई करने हेतु ढाब थाना प्रभारी रवि प्रकाश पंडित के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए डोमचांच - सतगावां मुख्य मार्ग में चोराघाटी के समीप वाहन चेकिंग प्रारंभ किया गया। वाहन चेकिंग को देखते हुए वाहन चालक द्वारा हाईवा को यू.टर्न लेकर भागना चाहा, परन्तु वाहन यू.टर्न लेने के क्रम में वाहन अनियंत्रित होकर रोड के बगल के गड्ढे में गिर गया तथा वाहन चालक अंधेरे का लाभ उठाकर जंगल की ओर भाग गया। पुलिस के द्वारा हाईवा वाहन जांच करने के दौरान वाहन में विभिन्न कंम्पनियो के भारी मात्रा में अवैध अग्रेजी शराब बरामद किया गया। इस संबंध में ढाब थाना कांड संख्या 03/25 दिनांक-20.05.2025 धारा-274/275/281/292/317(5)/318(4)/61(2) इठर एवं 47 (ए) ए्ࣿरूरी ३ दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। वहीं पुलिस ने एक हाईवा वाहन संख्या जेएच 05 सीजे 5456 से 3773 पीस विभिन्न कंपनियों के बियर और विश्की अंग्रेजी शराब बरामद किया है। वहीं गिट्टी की आड़ में शराब बिहार भेजने की योजना थी। लेकिन पुलिस चेकिंग के वजह से हाइवा के पलटने से शराब का खुलासा हुआ।

बोकारो में आरपीएफ पोस्ट ने भारतीय सेना के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के रेलवे स्टेशन परिसर में पोस्ट कमांडेंट संतोष कुमार के नेतृत्व में आज आरपीएफ पोस्ट, एसएमआर/बीकेएससी और जीआरपीएस/बीकेएससी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अन्य रेलवे कर्मचारियों के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा स्टेशन परिसर और रेलवे कॉलोनी में निकाली गई, जिसमें भारतीय सेना के प्रति सम्मान और गर्व प्रकट किया गया।

तिरंगा यात्रा का उद्देश्य

इस तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना की बहादुरी और बलिदान को सम्मानित करना था, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में अपनी जान की परवाह किए बिना देश की रक्षा की। यह यात्रा भारतीय सेना के प्रति एकजुटता और समर्थन दिखाने के लिए आयोजित की गई थी।

तिरंगा यात्रा में शामिल लोग

इस तिरंगा यात्रा में आरपीएफ पोस्ट, एसएमआर/बीकेएससी और जीआरपीएस/बीकेएससी के अधिकारी और कर्मचारी सहित अन्य रेलवे कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और भारतीय सेना जिंदाबाद के नारे लगाए।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना द्वारा चलाया गया एक सफल अभियान था, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए। इस ऑपरेशन ने भारतीय सेना की क्षमताओं को उजागर किया और देशवासियों के बीच एकता और साहस का प्रतीक बना।

तिरंगा यात्रा का संदेश

इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि भारतीय सेना हमेशा देश की रक्षा के लिए तत्पर रहती है और हमें अपनी सेना पर गर्व होना चाहिए। यह यात्रा भारतीय सेना के प्रति सम्मान और समर्थन दिखाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त के निदेर्शानुसार अंचल स्तर पर की गई मासिक खनन टास्क फोर्स बैठक

धनबाद : उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा के निदेर्शानुसार धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी अंचल कार्यालय में अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल और थाना प्रभारी रवि कुमार के उपस्थिति में मासिक खनन टास्क फोर्स का बैठक किया गया। जिसमें अंचल से संबंधित राजस्व कर्मचारी पंचायत सचिव एवं संबंधित कार्यकारणी के सदस्य हुए शामिल। सभी को निर्देश दिया गया कि अवैध बालू ,बाइक से कोयला चाहे अवैध पत्थर उठाव करते हुए ले जाया जा रहा हो तो प्रशासनिक करवाई करने का आदेश दिया गया। साथ ही सारे अवैध कारोबारियों पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया गया है। और यह भी निर्देश दिया गया की माननीय एनजीटी रोक के बाद आगामी 10 जून से 15 अक्टूबर तक किसी भी बालू घाटों से किसी भी प्रकार का कोई उत्खनन नहीं होगा। यदि कोई किसी भी प्रकार का बालू उठाव करेगा तो उस पर करवाई की जाएगी।

महिला उद्यमियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देश पर आज समाहरणालय के सभागार में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) द्वारा नवनियुक्त महिला उद्यमियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें सीएससी द्वारा दिए जाने वाली पीएम विश्वकर्मा, ई-श्रम, श्रमदान पोर्टल, डिजी पे, पैनकार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण सर्विसेस की संपूर्ण जानकारी दी गई। सीएससी जिला प्रबंधक मोहम्मद अंजर हुसैन ने बताया कि इन सभी महिला उद्यमियों को सीएससी से जोड़ने का प्रमुख कारण उनकी अपनी मासिक आय को बढ़ाना तथा डिजीटल क्षेत्र में सशक्त करना है।

फ्लाईओवर के एक लेन में 60 प्रतिशत काम हुआ पूरा

धनबाद : बैंक मोड़ फ्लाईओवर के एक लेने में 60प्रतिशत काम पूरा हो गया है। इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने बताया कि विगत 13 मई 2025 से फ्लाईओवर की मरम्मत शुरू हुई। उन्होंने बताया कि युद्ध स्तर पर फ्लाईओवर का मरम्मत कार्य जारी है। अब तक एक लेन में 60 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। 80 फीट सड़क की ढलाई हो गई है। 12 जॉइंट फिक्स किए गए हैं। जबकि 13 स्लैब में छड़ बिछा दिया है और शेष 5 स्लैब में शीघ्र छड़ बिछाकर 25 मई तक ढलाई पूरी हो जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि फ्लाईओवर मरम्मत की प्रगति की समीक्षा प्रत्येक दिन जिला स्तर से हो रही है। पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को तीन शिफ्ट में काम जारी रख समय पर पूरा करने का निर्देश दिया है।

एमजीएम स्कूल के विद्यार्थियों ने मिट्टी के खिलौने व बर्तन बनाने की कला सीखी

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ में संध्याकालीन समर कोचिंग कैंप का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापक फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि आज के दौर में शिक्षा का स्वरुप बदल रहा है। इसलिए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सकारात्मक काम किया जा रहा है। विविध गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। साथ ही उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कहा कि ग्रीष्मकालीन शिविर में विद्यार्थियों को मिट्टी के खिलौने, बर्तन, गीत, नृत्य, पाक कला व वाद-विवाद वाचन शैली का प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों के जीवन कौशल को विकसित किया जा रहा है। विविध गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों के ज्ञान को बढ़ावा दिया जा रहा है। उनकी प्रतिभा को निखारा जा रहा है। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को मिट्टी के खिलौने व बर्तन बनाने की कला सिखाई। विद्यार्थियों ने नृत्य व गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। साथ ही शिक्षिकाओं की देखरेख में कई तरह के पकवान बना कर पाक कला को प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों ने वाद-विवाद के जरिए भी अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी। विशेषज्ञों ने भी विद्यार्थियों को विविध कला का ज्ञान दिया। मौके पर शिक्षक, शिक्षिकाएं, अभिभावक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

दिवंगत दुर्गा सोरेन की 16वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

बोकारो : विदित हो कि आज विस्थापित चौक सेक्टर 8 सी बोकारो इस्पात नगर में मदन मोहन महतो निवर्तमान जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा झामुमो के अध्यक्षता में दिवंगत दुर्गा सोरन के तस्वीर पर उपस्थित सभी लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मदन मोहन महतो ने कहा दिवंगत दुर्गा सोरेन झारखंड आदोलनकारी पूर्व विधायक युवा दिलों की धड़कन इनके कार्य शैली हमेशा झारखंडियों एवं युवाओं को प्रभावित करती थी उनके सहयोगी के रूप में मैं साथ रहा हूँ इनके सोच एवं विचार शोषण विहीन समाज के स्थापना के लिए हमेशा तत्पर रहते थे युवाओं सामाजिक सांस्कृतिक आर्थिक राजनीतिक विकास के लिए युवाओं को प्रेरित करने वाले प्रेरणा स्रोत रहे इनके विचार को आत्मासात करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सोहराय सोरेन, बीरबल मरांडी अंबाई मांझी ,संजीव गगरई बीरू मुंडा संदीप ददेल सुधीर रजक बेला सरेन विक्रम कुमार सोरेन शंकर महतो विमल कुमार सोरेन नरेश ठाकुर शिवराज कमारवं अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

डैम में डूबने से किशोर की मौत

लातेहार : जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत चटुआग डैम में बुधवार को नहाने गए किशोर शिवम कुमार (15)की पानी मे डूबने से मौत हो गई। मृतक चंदवा के चेटर मुहल्ले का रहने वाला था। मिली जानकारी के अनुसार शिवम अपने तीन दोस्तों के साथ डैम में नहाने गया था। नहाने के दौरान शिवम तथा इसका एक दोस्त गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। दोनों को डूबता हुआ देखकर अन्य दोस्तों ने मदद के लिए हल्ला मचाया तो आसपास के ग्रामीण वहां जमा हुए और साहस का परिचय देते हुए डैम में कूद कर एक लड़के को सुरक्षित निकाल दिया। जबकि शिवम कुमार की मौत डूबने से हो गई। हालांकि शिवम को स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया परंतु चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी रणधीर कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटनास्थल में पहुंची और मामले की छानबीन की।

गोविंदपुर रोड अमृत स्टेशन के ऑनलाइन उद्घाटन में शामिल होंगे अर्जुन मुंडा

खूंटी : पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा गुरुवार को शुभ 9.15 बजे गोविंदपुर अमृत रेलवे स्टेशन के उन्नयन कार्य के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए पूर्व सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार ने बताया कि गोविंदपुर रोड अमृत स्टेशन के उन्नयन कार्य का ऑनलाइन उद्घाटन गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। अर्जुन मुंडा पूर्वाह्न 11.45 बजे कर्रा प्रखंड के मास्को गांव जाएंगे और स्व रामधान सिंह के स्वजनों से मुलाकात करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री अपराह्न 12.30 बजे खूंटी परिसदन आएंगे।

प्रत्येक प्रखंड में मिनी स्टेडियम-हॉकी मैदान निर्माण का प्रस्ताव तैयार करें : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में बुधवार को खेल एवं पर्यटन से संबंधित महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों की ओर से विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कई प्रमुख बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। जिला खेल पदाधिकारी ने बताया कि खूंटी जिले में क्रीडा किसलय, तोरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र और प्रशिक्षक की नियुक्ति की स्वीकृति निदेशक, खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड के द्वारा प्राप्त हो गई है। प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को प्रतिदिन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उपायुक्त ने बेहतर प्रशिक्षण देने सहित कई दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। जिला खेल पदाधिकारी ने बताया कि एसएस आवासीय हॉकी (बालक) प्रशिक्षण केंद्र में वर्ष 2025-26 में प्रशिक्षुओं के लिए कैटरिंग के माध्यम से भोजन आपूर्ति का कार्य सौंपा गया है। उपायुक्त ने समय पर और मेनू अनुसार भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिये। बैठक में उपायुक्त ने प्रत्येक प्रखंड में मिनी स्टेडियम-हॉकी मैदान निर्माण के संबंध में कार्यपालक अभियंता, एनआरइपी को आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम की मरम्मत को लेकर उन्होंने निर्देशित किया। पंचायत और ग्राम स्तर पर युवा खेल क्लब के गठन को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। पर्यटन स्थलों की साफ सफाई को लेकर आवश्यक सामग्रियों की खरीदारी के लिए निर्देश दिया गया। साथ ही विभिन्न जलप्रपात में होनेवाली दुर्घटना को रोकने को लेकर सुरक्षा के उद्देश्य से चेन आदि की सहायता से घेराव करने का निर्देश दिया गया। बैठक के अंत में उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से कार्यान्वित किया जाए, ताकि जिले में खेल और पर्यटन के क्षेत्र में नव ऊर्जा का संचार हो।

अस्पताल में गंदगी देख भड़के जिप सदस्य, बीपीएम को लगाई फटकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के हैदरनगर के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को आयोजित जन आरोग्य समिति की बैठक उस समय तनावपूर्ण हो गई, जब जिप सदस्य सह समिति अध्यक्ष संगीता देवी ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। शौचालय में गंदगी और प्रसव कक्ष में खून के धब्बे देख वह भड़क उठीं और प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीएम) विभूति कुमार को जमकर फटकार लगाई। निरीक्षण के बाद आयोजित बैठक में आय-व्यय पंजी के अवलोकन के दौरान प्रति पंजी एक हजार रुपये के खर्च को लेकर संदेह जताया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय आपूर्ति के बावजूद सामग्री बाजार से खरीदी गई, जिसका संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर तीन पंजियों को फाड़ दिया गया तथा सात पंजियों को जब्त कर लिया गया। संगीता देवी ने स्पष्ट किया कि सभी खर्चों की जांच कराई जाएगी और बीपीएम से आरटीआई के माध्यम से जवाब लेना होगा। उन्होंने अस्पताल में मौजूद दवाओं, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और कमियों पर चर्चा करते हुए कहा कि वे इस संबंध में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों को सूचित करेंगी। मुखिया संघ अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि यह अस्पताल पूरे प्रखंड के मरीजों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है और यहां लापरवाही या भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री तक बात पहुंचाने की चेतावनी भी दी। बैठक में डॉ. ज्योतिष कुमार, सीएचओ शिल्पा मौर्या, करुणा निधि, फार्मासिस्ट नवीन कुमार पासवान, एलएस सह सदस्य शांति कुमारी, एएनएम प्रभावती कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी जी की पुण्यतिथि पर श्रधांजलि दी गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली 21 मई को सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कमिटी द्वारा प्रखंड कांग्रेस कार्यालय सिल्ली में भारत रत्न, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गाँधी जी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस जनों ने राजीव गाँधी जी के तस्वीर पर श्रधा सुमन अर्पित कर श्रधांजलि दी गई। इस मौके पर रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस उपाध्यक्ष नगेन्द्र नाथ गोस्वामी, सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो, लालू कोइरी, पिनाकी बनर्जी, श्रीप्रसाद बड़ाईक, लखिन्द्र बड़ाईक, समसेर आलम, मोहताब अंसारी, मो जाकिर हुसैन, सोशल मिडिया के देवाशिष दत्ता, युवा कांग्रेस सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष रोहित मुंडा इत्यादि कांग्रेस जन उपस्थित हुए।

संक्षिप्त खबरें

अंबा प्रसाद के कार्यों का क्रेडिट लेना चाहते है विधायकः कृष्णा सिंह

पतरातु : प्रखंड के पूर्व विधायक प्रतिनिधि कृष्णा सिंह ने बुधवार को प्रेस ब्यान जारी कर कहा है कि बीते कल विधायक रोशन लाल चौधरी ने दो पथो का शिलान्यास किया है, जो मुख्य रूप से ग्राम सांकुल उमेश सिंह के घर से कन्या मध्य विद्यालय पतरातु बस्ती तक पथ निर्माण एवं पतरातु शहीद चौक से स्टेशन तक पथ निर्माण एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। यह दोनों पथो का क्रियान्वयन हेतु पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने एड़ी-चोटी कर धरातल में उतारने का काम किया लेकिन विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आचार संहिता लग जाने के कारण शिलान्यास नहीं हो पाया था। वही काम को आज वर्तमान विधायक रोशन लाल चौधरी ने अपने कार्य को बताते हुए शिलान्यास का कार्य किया है जिसे जनता भलीभांति जान रही है कि वर्तमान विधायक का कोई भी अनुशंसा एक साल से पहले धरातल पर उतरने नहीं जा रहा है। इसके बावजूद भी विधायक ने बयान देते हैं कि पूरे प्रखंड में विकास का गंगा बह रही है। लेकिन यह विकास की गंगा वर्तमान विधायक नहीं पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के द्वारा बहाया जा रहा है और आगे भी जारी रहेगा। श्री सिंह ने कहा कि अभी पतरातू प्रखंड में दर्जनो विकास योजनाएं धरातल पर उतारने वाला है जैसे प्रखंड पतरातू के हेसला में डिग्री कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज का भी कार्य बहुत जल्द शुरू होने वाला है। साथ ही दर्जनों पथो, पुलों का भी निर्माण कार्य बहुत जल्द होगा जो पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के द्वारा अनुशंसा एवं अथक प्रयास से किया गया है।

जनता की आवाज अब सीधे जनप्रतिनिधि तक, 23 को होगा जनता दरबार

सिल्ली : प्रखंड मुख्यालय परिसर में 23 मई शुक्रवार सुबह 11:00 बजे से जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा इस दरबार में सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो की उपस्थिति में आम जनता की समस्याएं सुनी जाएंगी और मौके पर ही समाधान का प्रयास किया जाएगा। जनता दरबार में प्रखंड, अंचल, पंचायत और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। लोग अपनी भूमि विवाद, राशन कार्ड, पेंशन, आवास योजना, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, मनरेगा भुगतान जैसी तमाम समस्याओं के साथ-साथ मैया समान योजना से जुड़ी समस्याएं और लाभ संबंधी आवेदन देकर समाधान करवा सकेंगे। मैया समान योजना के तहत पात्र महिलाओं को दिए जाने वाले लाभ, पंजीकरण, लंबित भुगतान या किसी भी प्रकार की शिकायतों का समाधान भी इस दरबार में किया जाएगा। जनता दरबार का उद्देश्य है समाधान आपके द्वार इसमें जब आम जनता सीधे अपने प्रतिनिधि व अधिकारियों से संवाद कर सकती है। सभी सम्मानित ग्रामीण भाई-बहन समय पर उपस्थित होकर अपने मुद्दों को रखें और लाभ उठाएं।

डीएवी महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल में समर कैंप का दूसरा दिन उत्साहपूर्वक संपन्न

सिल्ली : डीएवी महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल में समर कैंप का दूसरा दिन विद्यार्थियों के उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ मनाया गया। कक्षा तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और पूरे दिन भरपूर आनंद उठाया। बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों को शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत सिल्ली पॉलिटेक्निक कॉलेज ले जाया गया, जहाँ उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स, प्रयोगशालाओं और तकनीकी लैब्स का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ और उन्होंने नई-नई जानकारियाँ हासिल कीं। कार्यक्रम में विद्यालय के समन्वयक एस. शेखर, एस.एन. मुखर्जी, वी.के. दुबे, प्राणेश मिश्रा, एम.के. साहु, ज्योति सिंह, ज्योति कुमारी, एस.के. दत्ता, प्रेम कुमार, आकाश हाजरा सहित अन्य शिक्षकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। शिक्षकों का मानना है कि इस प्रकार के समर कैंप बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। विद्यालय की प्राचार्या सुश्री बी शरण ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि समर कैंप जैसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सामूहिक कार्य की भावना विकसित होती है। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ जीवन कौशल का भी प्रशिक्षण मिले।

पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकताओं ने राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को सांसद कालीचरण मुंडा के आवासीय कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि देश को प्रगति की ओर ले जाने वाले महान पुरुष को देश नमन करता है। हम सभी को मिल कर उनके अधूरे कार्य को पूरा करना है। उन्होंने ऐसा भारत का सपना देखा था, जहां प्यार, एकता और भाईचारा हो, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों के कारण देश बदनाम हो रहा। हमें मिलकर वैसे भारत का निर्माण कराना है, जहां प्रेम, सहिष्णुता हो। जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माता थे। उन्हीं के प्रयास से देश ने आज दुनिया को मुट्ठी में कर लिया है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भारत को विश्व पटल पर लाया और आजब भारत काफी मजबूत स्थिति में है। रवि मिश्रा ने कहा कि जो लोग कहते है कि कांग्रेस ने किया ही क्या है, आज अगर उन्हीं के हाथों में देश की बागडोर रहती, तो देश की स्थिति कुछ और ही होती। मौके पर प्रदेश सचिव पीटर मुंडू, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव नईमुदीन खां, पूर्व जिला अध्यक्ष रामकृष्ण चौधरी, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, जिला प्रवक्ता रविकांत मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे।

घटिया सड़क निर्माण कार्य का लोगों ने जमकर किया विरोध

लोगों में आक्रोश रिंग साइड सहित कई क्षेत्रों में सड़क टूट गया भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ा करोड़ों रुपये की लागत से बन रहा सड़क

डीएमएफ टी फंड में भारी लूट मची हुई है ठीकेदार नहीं आते है

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिला के भुरकुंडा के कई क्षेत्रों में डी एम एफ टी फंड से सड़क का निर्माण कार्य जारी है।1 महीना भी सड़क नहीं चला ओर सड़क टूटने लगा है। वही आज बुध बाजार क्षेत्र में आक्रोशित लोगों ने शिव नगर कॉलोनी में घटिया रोड निर्माण कार्य का विरोध करते हुए काम बंद करवा दिया।

डीडीसी ने बैठक,दिये निर्देश

लोहरदगा : उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में बुधवार को डीएलसीसी ,डीएलआरसी एवं सीडी रेश्यो सब-कमिटी की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में माह दिसंबर व माह मार्च तक एसीपी अचीवमेंट की समीक्षा की गई जिसमें उपलब्धि 74.76 प्रतिशत पाया गया। उप विकास आयुक्त द्वारा बैंकों की आउटरीच बढ़ाने का निर्देश दिया गया। सीडी रेश्यो बढ़ाने के लिए सभी बैंकों को अपनी योजनाओं की रूपरेखा तैयार कर कार्य करने का निर्देश दिया गया। फसल केसीसी और पशुपालन एवं मत्स्य पालन ऋण में उपलब्धि बढ़ाने का निर्देश दिया गया। बैंकवार स्वयंसहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज दिये जाने की समीक्षा की गई। गवर्नमेंट स्पॉन्सर्ड स्कीम मुद्रा ऋण, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएमएफएमई, पीएम-स्वनिधि योजनाओं की समीक्षा की गई और सभी बैंकों को दो सप्ताह के अंदर लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया गया।

श्री अग्रसेन स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों को मिला सम्मान

भविष्य को उजाले की ओर ले जाती है परीक्षा में सफलता : सीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : श्री अग्रसेन स्कूल, भुरकुंडा में बुधवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि पतरातू सीओ मनोज चौरसिया, विशिष्ट अतिथि माइका एडुकेशन रांची के डॉ संजय जैन, स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया, प्राचार्य विवेक प्रधान, काउंसेलर मुख्तार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में सीबीएसई 10 वीं एवं 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सीओ पतरातू मनोज चौरसिया ने कहा कि सम्मान मिलने से और बेहतर करने का हौसला बढ़ता है। बच्चों को अपने भविष्य के प्रति हमेशा सचेत रहना चाहिए। माध्यमिक व इंटर ऐसे दो पड़ाव हैं, जहां प्राप्त की गई सफलता आपके भविष्य को उजाले की ओर ले जाती है। विशिष्ट अतिथि डॉ संजय जैन ने कहा कि वर्तमान सफलता को स्थायी न मानें, बल्कि इससे भी बेहतर करने की कोशिश करें। सफलता के पीछे शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों का भी हाथ होता है। अभिभावक का हमेशा सम्मान करें। निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि जो परिश्रम करते ही उन्हें सफलता अवश्य मिलती है। समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण और समर्पण से ही जीवन में आगे बढ़ा जा सकता है। विद्यार्थी जीवन हमेशा सीखने के लिए होता है। इसका लाभ उठाना चाहिए। प्राचार्य विवेक प्रधान ने धन्यवाद ज्ञापन करते कहा कि विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय परिवार गौरवान्वित हुआ है। मंच संचालन अंकित विश्वकर्मा व साधना सिन्हा ने किया। इस अवसर पर शिक्षक एचके सिंह, अरविंद दुबे, विजय शर्मा, कुमुल कुमार, केयूल गोस्वामी, दीपिका तिवारी, संतोष कुमार, सोनम खातून, प्रोन्नति मुखर्जी, अंजली कुमारी, उषा कुमारी उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–16/2025–26

1. निविदादाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रांची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 05.06.2025 को 1.00 बजे अपर हन तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 08.06.2025 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 06.06.2025 को 3.30 बजे अपर हन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, रांची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0 2, रांची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष रांची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष रांची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0 2, रांची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Renovation of B Type Qtr. No-582 (S.Fl.) at Sector2, HEC, Dhurwa, Ranchi	392800.00	750.00	8000.00	1 Month
2	Renovation of Room No. -231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244 & Director Chamber (Office of the Director, Social Security, Jharkhand, Ranchi) at First Floor of Engineer's Hostel No.-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	3218100.00	5000.00	64500.00	3 Months
3	Renovation of Main Building, Laying Parking Tiles, Construction of Chamber, Fixing UPVC Partition and Electrification Work of E Type Qtr. No.-189 in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	4909800.00	5000.00	98500.00	3 Months
4	Renovation of "CDOHC" Type Qtr. No. -611 (F. Fl.) in Sector -2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	588800.00	1250.00	12000.00	1 Month
5	Renovation of "B" Type Qtr. No. -2343 (F. Fl.) in Sector -2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	362500.00	750.00	7500.00	1 Month
6	Renovation of "B" Type Qtr. No. -2345 (S. Fl.) in Sector -2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	396200.00	750.00	8000.00	1 Month
7	Construction of Boundary Wall, Steel Stair & Electrical Works, Wardrobe in Barrack and Painting Work of Main Building of F -Type Qtr. No.-1 in Sector-3 at HEC, Dhurwa, Ranchi	2632500.00	5000.00	53000.00	2 Months

नोट :निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, रांची

PR 353108 Building Construction Division - 2 (25-26)D

नहीं चेते तो बढ़ेगा संकट

मनुष्य की ही भांति जीव-जंतु और पेड़-पौधे भी इस धरती के अभिन्न अंग हैं। विडंबना यह है कि मनुष्य ने अपने स्वार्थों और तथाकथित विकास की दौड़ में इनके अस्तित्व पर ही संकट खड़ा कर दिया है। जंगलों की अंधाधुंध कटाई, शहरीकरण, औद्योगीकरण और अनियंत्रित मानवीय गतिविधियों के चलते वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास उजड़ चुके हैं और वनस्पतियों की कई प्रजातियां लगभग समाप्ति की कगार पर हैं। पारिस्थितिकी तंत्र, जिसमें सभी जैविक और अजैविक तत्व एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, अब असंतुलित होता जा रहा है। यह असंतुलन न केवल जीव-जंतुओं के जीवन चक्र को प्रभावित कर रहा है बल्कि मनुष्य के अस्तित्व के लिए भी गंभीर खतरा बन चुका है। दुनियाभर में हजारों वन्य प्रजातियां या तो पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। वनस्पतियों की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। जब किसी पारिस्थितिकी तंत्र से एक भी प्रजाति लुप्त होती है तो उससे जुड़ी कई अन्य प्रजातियों की कड़ी भी प्रभावित होती है, जिससे पूरी जैव श्रृंखला खतरे में पड़ जाती है। इस जैव विविधता की क्षति का असर सीधे-सीधे मानव जीवन पर भी पड़ रहा है, जिसे अब नजरअंदाज करना आत्मघाती सिद्ध हो सकता है। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं।

वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषण वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है।

लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरुकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है।

20 दिसंबर, 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव पास कर इस दिवस को मान्यता प्रदान की। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए।22 मई, 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस इस वर्ष प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास विषय के साथ मनाया जा रहा है।

पेड़-पौधों की संख्या पृथ्वी पर जिस तेज गति के साथ घट रही है, उसने न केवल पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ रहा है बल्कि अनेक जीव-जंतुओं और पक्षियों को उनके प्राकृतिक घरों से भी वंचित होना पड़ रहा है।

परिणामस्वरूप अनेक प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों की स्पष्ट चेतावनी है कि यदि अब भी इस संकट की अनदेखी की गई तो निकट भविष्य में ऐसी भयावह स्थिति उत्पन्न होगी कि न केवल पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां समाप्त हो जाएंगी बल्कि अनेक पशु-पक्षी भी धरती से सदा के लिए मिट जाएंगे।

सूडोकु नवताल- 7437

* * * * *
कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7436 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

गणि राजेन्द्र विजय : दांडी पकड़े गुजरात के उभरते हुए गांधी

ललित गर्ग

प्राचीन समय से लेकर आधुनिक समय तक अनेकों संत-मनीषियों, धर्मगुरुओं, ऋषियों ने भी अपने मूल्यवान अवदानों से भारत की आध्यात्मिक परम्परा को समृद्ध किया है, इन महापुरुषों ने धर्म के क्षेत्र में अनेक क्रांतिकारी स्वर बुलंद किए। ऐसे ही विलक्षण एवं अलौकिक संतों में एक नाम है गणि राजेन्द्र विजयजी। वे आदिवासी जनजाति के होकर भी जैन संत हैं, और जैन संत होकर भी आदिवासी जनजीवन के मसीहा संतपुरुष हैं। वे आदिवासी जनजीवन का एक उजाला है, जो पिछले पांच दशक से गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में उनके उन्नयन एवं उत्थान के लिये संघर्षरत हैं। 19 मई 2025 को गणिजी अपने जीवन के 51वें बसंत में प्रवेश कर रहे हैं।

डॉ. गणि राजेन्द्र विजय एक ऐसा व्यक्तित्व है जो आध्यात्मिक विकास और नैतिक उत्थान के प्रयत्न में तपकर और अधिक निखरा है। वे आदिवासी जनजीवन में शिक्षा की योजनाओं को लेकर विशेष जागरूक हैं, इसके लिये सर्वसुविधयुक्त एकलव्य आवासीय मॉडल विद्यालय का निर्माण उनके प्रयत्नों से हुआ है, वहीं कन्या शिक्षा के लिये वे ब्राह्मी सुन्दरी कन्या छात्रावास का कुशलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। इसी आदिवासी अंचल में जहां जीवदया की दृष्टि से गौशाला का संचालित है तो चिकित्सा और सेवा के लिये चलयमान चिकित्सालय भी अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है। आदिवासी किसानों को समृद्ध बनाने एवं उनके जीवन स्तर को उन्नत बनाने के लिये उन्होंने आदिवासी क्षेत्र में सुखी परिवार ग्रामोद्योग को स्थापित किया है। इनदिनों वे आदिवासी क्षेत्र में मेडिकल विश्वविद्यालय बनाने की योजना पर कार्यरत है। वे अखिल भारतीय सनातन संत समाज के संगठन में आदिवासी क्षेत्र के संतत्व का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे आदिवासी अधिकारों के लिये व्यापक संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें संगठित कर रहे हैं, उनका आत्म-सम्मान जगा रहे हैं। गणि राजेन्द्र विजयजी द्वारा संचालित प्रोजेक्ट एवं सेवा कार्यों की मोटी सूची में मानवीय संवेदना की सौंधी-सौंधी महक फूट रही है। लोग गांवों से शहरों की ओर पलायन रहे हैं, लेकिन गणि राजेन्द्र विजयजी की प्रेरणा से कुछ जीवट वाले व्यक्तित्व शहरों से गांवों की ओर जा रहे हैं। मूल को पकड़ रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे-ह्यभारत की आत्मा गांवों में बसती है। शहरीकरण के इस युग में इन्सान भूल गया है कि वह मूलतः आया कहां से है? जिस दिन उसे पता चलता है कि वह कहां से आया है तो वह लक्ष्मी मित्तल बनकर भी लंदन से आकर, करोड़ों की गाड़ी में बैठकर अपने गाँव की कच्ची गलियों में शांति महसूस करता है। स्कूल, हॉस्पीटल व रोजगार के केन्द्र स्थापित कर सुख का अनुभव करता है।

गणि राजेन्द्र विजयजी टेढ़े-मेढ़े, उबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरते हुए, संकरी-पतली पगडंडियों पर चलकर सेवा भावना से भावित जब उन गरीब आदिवासी बस्तियों तक पहुंचते हैं तब उन्हें पता चलता है कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन जीने के मायने क्या-क्या हैं? कहीं भूख मिटाने के लिए दो जून की रोटी जुटाना सपना है, तो कहीं सर्दी, गर्मी और बरसात में सिर छुपाने के लिए झौपड़ी की जगह केवल नीली छतरी (आकाश) का घर उनका अपना है। कहीं दो औरतों के बीच बंटी हुई एक ही साड़ी से बारी-बारी तन ढ़क कर औरत अपनी लाज बचाती है तो कहीं बीमारी की हालत में इलाज न होने पर जिंदगी मौत की ओर सरकती जाती है। कहीं जवान विधवा के पास दो बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी तो है पर कमाई का साधन न होने से जिल्लत की जिंदगी जीने को मजबूर होती है, तो कहीं सिर पर मर्द का साया होते हुए भी शराब व दुर्व्यसनों के शिकारी पति से बेवजह पीटी जाती हैं इसलिए परिवार के भरण-पोषण के लिए मजबूरन सरकार के कानून को नजरंदाज करते हुए बाल श्रमिकों की संख्या चोरी छिपे बढ़ती ही जा रही है। कहीं कंठों में प्यास है पर पीने के लिए पानी नहीं, कहीं उपजाऊ खेत है पर बोने के लिए बीज नहीं, कहीं बच्चों में शिक्षा पाने की ललक है पर माँ-बाप के पास फीस के पैसे नहीं, कहीं प्रतिभा है पर उसके पनपने के लिए प्लेटफॉर्म नहीं।

कैसी विडंबना है कि ऐसे आदिवासी गांवों में न सरकारी सहायता पहुंच पाती है न मानवीय संवेदना। अक्सर गांवों में बच्चे दुर्घटनाओं के शिकार होते ही रहते हैं पर उनका जीना और मरना राम भरोसे रहता है, पुकार किससे करें? माना कि हम किसी के भाग्य में आमूलचूल परिवर्तन ला सकें, यह संभव नहीं। पर हमारी भावनाओं में सेवा व सहयोग की नमी हो और करुणा का रस हो तो निश्चित ही कुछ परिवर्तन घटित हो सकता है। लेकिन अब आदिवासी जन-जीवन की तस्वीर बदल रही है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसके लिये अनेक योजनाओं को लेकर सक्रिय है। उनको गणि राजेन्द्र विजयजी जैसे परोपकारी एवं समाज-निमार्ता संतों पर भरोसा है। तभी वे अक्सर सार्वजनिक मंचों एवं कार्यक्रमों में गणिजी को याद करते हैं। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में 4400 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए ऑनलाइन कांवट की आदिवासी महिलाओं से बात करते हुए गणि राजेन्द्र विजय को जिस स्नेह और आत्मीयता के साथ याद किया, वह दृश्य पूरे देश ने देखा और उनकी सेवाओं को महसूस किया। इसी तरह पूर्व लोकसभा चुनावी सभाओं में भी मोदी ने गणि राजेन्द्र विजयजी के द्वारा आदिवासी क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। मोदी द्वारा इस तरह से इस पुण्य पुरुष को याद करना हमें उनके गौरव और अस्तित्व का अहसास कराता है।

गणि राजेन्द्र विजयजी अपने इन्हीं व्यापक उपक्रमों की सफलता के लिये वे कठोर साधना करते हैं और अपने शरीर को तपाते हैं। अपनी पदयात्राओं में आदिवासी के साथ-साथ आम लोगों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार-निर्माण, नशा मुक्ति एवं रूढ़ि उन्मूलन की अलख जगा रहे हैं। इन यात्राओं का उद्देश्य है शिक्षा एवं पढ़ने की रूचि जागृत करने के साथ-साथ आदिवासी जनजीवन के मन में अहिंसा, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था जगाना है। त्याग, साधना, सादगी, प्रबुद्धता एवं करुणा से ओतप्रोत आप आदिवासी जाति की अस्मिता की सुरक्षा के लिए तथा मानवीय मूल्यों को प्रतिष्ठापित करने के लिए सतत प्रयासरत हैं। मानो वे दांडी पकडे. गुजरात के उभरते हुए ह्यगांधीह्ल हैं। इसी आदिवासी माटी में 19 मई, 1974 को एक आदिवासी परिवार में जन्में गणि राजेन्द्र विजयजी मात्र ग्यारह वर्ष की अवस्था में जैन मुनि बन गये। बीस से अधिक पुस्तकें लिखने वाले इस संत के भीतर एक ज्वाला है, जो कभी अश्लीलता के खिलाफ आन्दोलन करती हुए दिखती है, तो कभी जबरन धर्म परिवर्तन कराने वालों के प्रति मुखर हो जाती है। कभी जल, जमीन, जंगल के अस्तित्व के लिये मुखर हो जाती है। इस संत ने स्वस्थ एवं अहिंसक समाज निर्माण के लिये जिस तरह के प्रयत्न किये हैं, उनमें दिखावा नहीं है, प्रदर्शन नहीं है।

तमस से ज्योति की ओर एक सुधारवादी यात्रा

ललित गर्ग

यह वह समय था जब हिन्दुस्तान एक तरफ विदेशी दासता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था वहीं दूसरी तरफ रूढ़िवाद, धार्मिक संकीर्णता, सामाजिक कुरीतियों और दमघोंटू प्रथाओं के बोझ तले दबा हुआ था। तभी एक मसीहा, समाज-सुधारक एवं क्रांतिकारी महामानव अवतरित हुआ जिसने तमाम बुराइयों को चुनौती दी और आखिरी सांस तक बदलाव के लिये क्रांतिकारी योद्धा की तरह लड़ा। ये मसीहा था राजा राममोहन राय। इन्हें देश एवं दुनिया आज भारत में सामाजिक सुधारों के अग्रदूत के तौर पर याद करती है। अपने दौर में वे ह्यभारतीय पुनर्जागरण के पितामहह्ल बनकर सच्चे जीवन की लौ बनें और इस लौ का आह्वान था नये भारत का निर्माण। वे तमस से ज्योति की ओर एक बहुआयामी सुधारवादी यात्रा का उजाला थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी राय के द्वारा स्थापित ह्यब्रह्म समाजह्ल, जो आधुनिक पश्चिमी विचारों से प्रभावित था, सबसे शुरूआती सुधार आंदोलन था। एक सुधारवादी विचारक के रूप में राय आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय गरिमा तथा सामाजिक समानता के सिद्धांतों में विश्वास करते थे। राय के प्रयासों से ही भारत में आधुनिक धार्मिक और सामाजिक सुधार आंदोलनों की नींव पड़ी। राय के बाद, देवेंद्रनाथ ठाकुर और केशव चंद्र सेन जैसे सुधारकों ने ब्रह्म समाज के विचारों को आगे बढ़ाया और इसे एक राष्ट्रीय आंदोलन बनाया। उन्नीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची, वे इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वे साहित्यस्रष्टा के साथ-साथ धर्मक्रांति एवं समाजक्रांति के सूत्रधार विराट व्यक्तित्व थे।

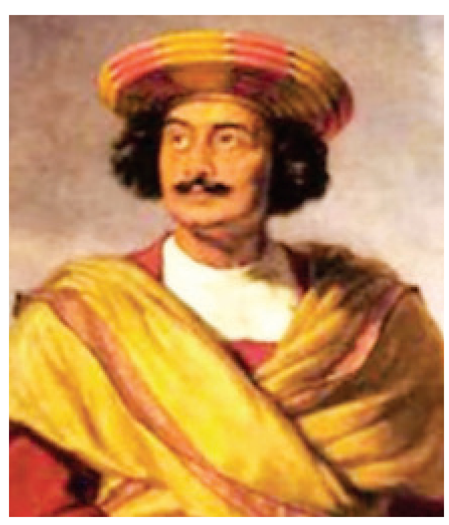

राजा राम मोहन राय का जन्म पश्चिम बंगाल स्थित हुगली जिले के राधानगर गांव में 22 मई 1772 को हुआ। पिता रमाकांत राय शुद्ध वैष्णव परंपरा को मानने वाले थे, वहीं माता तारिणी देवी धार्मिक विचारों की महिला थीं। पूरा परिवार कट्टर हिन्दु परंपराओं का हिमायती था लेकिन राममोहन राय को बिना तर्क किसी भी बात को स्वीकार नहीं करते थे, इसलिए जब केवल 15 साल के थे तो उन्होंने मूर्ति पूजा को लेकर सवाल खड़े कर दिये। साथ ही अन्य प्रथाओं की भी आलोचना करनी आरंभ कर दी। हिन्दू परंपराओं का विरोध करना शुद्ध वैष्णव परंपरा को मानने वाले पिता रमाकांत को नागवार गुजरी। पिता-पुत्र में गहरा मतभेद हो गया। राय को पढ़ने के लिए पटना भेज दिया गया। यहां उन्होंने बांग्ला, पारसी, अरबी, संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया। यहां भी वो हिन्दू परंपराओं और प्रथाओं को तर्क की कसौटी पर परखते रहे और सवाल उठाते रहे। पढ़ाई पूरी करने के बाद राय ने ईस्ट इंडिया कंपनी के राजस्व विभाग में नौकरी कर ली, यहां वे कई अंग्रेजों के संपर्क में आये। उनकी सभ्यता, सोच और तौर-तरीकों को करीब से महसूस किया। उन्होंने समझ लिया कि पश्चिमी सभ्यता विकास की प्रक्रिया में काफी आगे निकल गयी है जबकि हिन्दुस्तान इसके मुकाबले सदियों पीछे जी रहा है। राय ने हिन्दू ग्रंथों के साथ इस्लाम एवं ईसाई धर्मों एवं ग्रंथों का भी गहराई से अध्ययन किया। उन्हें एक बात समझ आयी कि हिन्दू धर्म ग्रंथों में वो कतई नहीं लिखा है जो पोंगा पंडित, लोगों को बता रहे हैं। उन्होंने महसूस किया कि भारतीय जनमानस अपने ग्रंथों की मूलभावना से काफी अनजान है। ऐसा इसलिए था क्योंकि धर्मग्रंथ संस्कृत भाषा में लिखे गये थे और लोगों की पहुंच से दूर थे। इसलिए उन्होंने धर्मग्रंथों का हिन्दी, बांग्ला, अरबी और फारसी भाषाओं में अनुवाद किया। उन्होंने अपने अखबारों ह्यसंवाद कौमुदीह्ल और ह्यमिरात-उल-अखबारह्ल में लेखों के जरिये आम जनमानस को जागरूक करने का प्रयास किया। राजा राममोहन राय को आधुनिक भारत का जनक माना जाता है। वे एक महान समाज सुधारक, विचारक एवं क्रांतिपुरुष थे, जिन्होंने 19वीं सदी में भारत में सामाजिक, धार्मिक और शैक्षिक सुधारों के लिए अनूठे एवं विलक्षण उपक्रम किये। उन्होंने व्यक्ति-क्रांति के साथ समाज-क्रांति करते हुए सती प्रथा, बाल विवाह और जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा दिया और महिलाओं के अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया।

राय का मानना था कि धार्मिक रूढ़िवादिताएं समाज की स्थिति को सुधारने के बजाय क्षति का कारण, परेशानी का स्रोत, सामाजिक जीवन के लिए हानिकारक और लोगों को भ्रमित करने वाली बन गई हैं। उनका यह भी मानना था कि बलिदान और अनुष्ठान लोगों के पापों की भरपाई नहीं कर सकते; यह आत्म-शुद्धि और पश्चाताप के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने धार्मिक सुधार से सामाजिक सुधार और राजनीतिक आधुनिकीकरण दोनों का सूत्रपात किया। राय अपने समय से बहुत आगे चलने एवं सोचने वाले दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। स्वतंत्रता, समानता और न्याय के सिद्धांतों के अंतर्राष्ट्रीय चरित्र के बारे में उनकी समझ ने आधुनिक युग के महत्त्व को बखूबी समझा। ये सिद्धांत वर्तमान ह्यन्यू इंडियाह्ल के विचार को प्रेरित करते हैं। राय ने वर्ष 1803 में अपनी पहली पुस्तक ह्यतुहफत-उल-मुवाहिदीनह्ल या ह्यगिफ्ट टू मोनोथिस्टह्ल प्रकाशित की, जिसमें उन्होंने एकेश्वरवाद यानी एकल ईश्वर की अवधारणा के पक्ष में तर्क दिया है। उन्होंने अपने इस तर्क में प्राचीन हिंदू ग्रंथों के एकेश्वरवाद का समर्थन करने के लिये वेदों और पाँच उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद किया। वर्ष 1814 में उन्होंने मूर्तिपूजा, जातिगत रूढ़िवादिता, निरर्थक अनुष्ठानों और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान चलाने के लिये कलकत्ता में आत्मीय सभा की स्थापना की। जब उनके बड़े भाई का देहांत हो गया तो परंपरा के मुताबिक गांव वालों ने पंडितों के साथ मिलकर उनकी भाभी को सती हो जाने के लिए मजबूर किया। उन्हें मृतक के साथ उसी चिता में जिंदा जला दिया गया। इस घटना से राय बहुत दुखी हुए। उन्होंने पूरे हिन्दुस्तान में ऐसी क्रूर प्रथा को धर्म के नाम पर खुलेआम होते देखा। उन्होंने वर्ष 1818 में सती-विरोधी संघर्ष शुरू किया और पवित्र ग्रंथों का हवाला देते हुए यह साबित करने का प्रयास किया कि सभी धर्म मानवता, तर्क और करुणा की बात करते है; कोई भी धर्म विधवाओं को जिंदा जलाने का समर्थन नहीं करता है। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 1829 में सरकारी विनियमन द्वारा सती प्रथा को अपराध घोषित कर दिया गया। राय सती प्रथा के अमानवीय व्यवहार के खिलाफ एक धार्मिक योद्धा थे। इससे पहले जब उनके पिता का देहांत हुआ था तब उन्होंने देखा था कि समाज विधवाओं के साथ कैसा व्यवहार करता है। विधवाओं का सिर मुंडवा दिया जाता था। उन्हें रंगहीन सफेद कपड़ा पहनना पड़ता था। उन्हें बेस्वाद खाना खाने के लिए मजबूर किया जाता था। उन्हें परिवार या समाज के सार्वजनिक आयोजनों से दूर रखा जाता था। इन दोनों बातों ने राममोहन राय को अंदर तक व्यथित किया। राय ने ठान लिया कि वे भारतीय समाज के इन बुराइयों को दूर कर के रहेंगे। इसलिए उन्होंने सती प्रथा उन्मूलन और विधवा पुनर्विवाह कानून बनाने की मुहिम छेड़ दी। इसमें उन्हें तात्कालीन गर्वनर जनरल लार्ड विलियम बैंटिक से खूब सहायता मिली। उन्होंने जाति व्यवस्था, छुआ-छूत, अंधविश्वास और मादक द्रव्यों के इस्तेमाल के खिलाफ भी अभियान चलाया।

'विकास' उड़ गया आंधी में

निर्मल रानी

दिल्ली-एनसीआर को गत दिनों तेज आंधी,बारिश व तूफान का सामना करना पड़ा। इस तेज आंधी में नई दिल्ली स्टेशन के करीब नबी करीम क्षेत्र में एक निमार्णाधीन मकान की दीवार गिर गई जिसमें दब जाने से 3 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गये। जबकि कई जगहों पर पेड़ उखड़ने का भी समाचार है। परन्तु शायद इस आंधी का सबसे अधिक प्रकोप न्यू अशोक नगर रैपिड मेट्रो स्टेशन को झेलना पड़ा। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिड रेलवे ट्रांजिट सिस्टम के बीच आने वाले इस स्टेशन के एक बड़े हिस्से की छत ही तेज हवा के चलते उड़ गई। और छत की कई टीन नीचे सड़क पर जा गिरी तो कई हवा में लटकने लगीं। गौर तलब है कि अभी करीब चार माह पूर्व ही 5 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिल्ली-मेरठ रेपिड रेलवे ट्रांजिट सिस्टम के 13 किलोमीटर लंबे जिस सेक्शन का उद्घाटन किया था, न्यू अशोक नगर स्टेशन भी उसी सेक्शन के बीच आने वाला एक प्रमुख स्टेशन है। और यह नवनिर्मित स्टेशन आंधी-तूफान का एक झटका भी नहीं झेल पाया। दिल्ली के न्यू अशोक नगर को उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद से जोड़ने वाली इस परियोजना में 4,600 करोड़ रुपये की लागत आई है। न्यू अशोक नगर रैपिड मेट्रो स्टेशन पर हुये इस हादसे के बाद सुरक्षा के दृष्टिगत नमो भारत ट्रेन की सेवाओं के आवागमन को अगले आदेश तक स्थगित करना पड़ा था। इस हादसे के बाद एक बार फिर स्टेशन की छत के निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्न उठने लगे हैं। यहाँ एक बात यह भी काबिले गौर है न केवल प्रधानमंत्री नई ट्रेन को झंडी दिखा कर रवाना करते हैं बल्कि पुल,हाईवे एक्सप्रेसवे के छोटे से नवनिर्मित हिस्से जैसी परियोजनाओं का भी वे स्वयं उद्घाटन करते हैं बल्कि ऐसे अवसरों पर प्रायः कांग्रेस की सरकार को कोसने और अपनी पीठ थपथपाने से भी नहीं चूकते। मिसाल के तौर पर गत वर्ष द्वारका एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के समय प्रधानमंत्री ने तंज करते हुये कहा था कि ह्लकांग्रेस ने 7 दशक तक जो गड्ढे खोदे थे वे अब तेजी से भरे जा रहे हैं। उसी समय उन्होंने यह भी कहा था कि 'मैं न छोटा सोच सकता हूं, न मैं मामूली सपने देखता हूं और न ही मैं मामूली संकल्प करता हूं। मुझे जो चाहिए विराट चाहिए, विशाल चाहिए और तेज गति से चाहिए क्योंकि 2047 में मुझे देश को ह्यविकसित भारतह्ल के रूप में देखना है।' परन्तु उन्होंने यह नहीं कहा कि मुझे हर परियोजना का निर्माण टिकाऊ व मजबूत भी चाहिये। याद कीजिये 16 जुलाई को प्रधानमंत्री ने जिला जालौन के कैथेरी में पूरे प्रचार-प्रसार के साथ जिस बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया था वह एक्सप्रेस-वे उद्घाटन के केवल 5 दिन बाद ही जगह-जगह से धंस गया था और उसमें कई जगह बड़े बड़े गड्ढे पड़ गये थे। जिसके कारण कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गये थे। चित्रकूट के भरतकूप से शुरू होकर इटावा के कुदरेल में मिलने वाले इस बुन्देलखंड एक्सप्रेस वे के निर्माण पर करीब 14 हजार करोड़ की लागत आई थी। इसके एक वर्ष बाद फिर इसी एक्सप्रेस वे पर पुनः चित्रकूट को जाने वाली लेन पर करीब एक दर्जन गड्ढे हो गए थे। इन गड्ढों में पानी भरने से एक्सप्रेस वे से निकलने वाले कई वाहनों को दुर्घटना का शिकार होना पड़ा था। उस समय भी मीडिया में इस परियोजना की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किये गए थे और काफी घटिया निर्माण के चलते सरकार की काफी फजीहत हुई थी। जाहिर है यह गड्ढे कांग्रेस के समय के नहीं थे। इसी तरह देश के सबसे लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर दौसा जिले के भांडारेज के पास पर भारी वाहन गुजरने से सड़क धंस गई, जिससे बड़ा गड्ढा हो गया था। इस परियोजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया गया था। यहाँ भांडारेज टोल के पास भारी वाहन गुजरने मात्र से सड़क धंस गई थी जिससे सड़क के बीचों-बीच 15 फुट गहरा गड्ढा हो गया था । इस एक्सप्रेस वे पर गड्ढे होने के बाद इसमें भी घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल तथा लापरवाही का आरोप लगा था। इस परियोजना के निर्माण पर भी लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत आई थी। 12 फरवरी 2023 को इस का भी प्रधानमंत्री मोदी ने ही उद्घाटन किया था और उद्घाटन करते हुये इसे भी देश की आधारभूत संरचना का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया था। लेकिन उद्घाटन के कुछ ही महीनों में बारिश ने इस 'उत्कृष्ट निर्माण' की वास्तविकता को उजागर कर दिया था। इस तरह के दर्जनों ऐसे उदाहरण हैं जो या तो निर्माण के समय ही ध्वस्त या क्षतिग्रस्त हो गये या उद्घाटन के कुछ समय बाद ही उनकी असलियत उजागर हो गई। अभी गत वर्ष बिहार में इसतरह एक के बाद एक कई बड़े पुल ढह गए। गत वर्ष अयोध्या नगरी में कई जगह सड़कें धंस गयीं। चंडीगढ़ से राजस्था को जाने वाला अंबाला से होकर गुजरने वाला हाइवे अपने निर्माण के कुछ ही समय बाद क्षतिग्रस्त हो गया था। इसपर बने कई पुल भारी वहां गुजरने पर आज भी थरथर हिलते हैं। यह सारे 'गड्ढे ' विकसित राष्ट्र के मार्ग में पड़ने वाले गड्ढे हैं जिनकी जिम्मेदारी न ही कांग्रेस की है न ही पंडित नेहरू की। सवाल यह है कि इस तरह के घटिया निर्माण के पीछे का रहस्य आखिर क्या है? कौन हैं इन कंपनीज के मालिक जो जनता के टैक्स के पैसों की इसतरह खुलकर लूट करते हैं ? जनधन की लूट खसोट का यह सिलसिला आखिर कभी खत्म भी होगा या नहीं ? इन लुटेरी निर्माण कंपनियों को किसकी शह मिली हुई है ? क्या वजह है कि जिन मुगलों को विदेशी व आक्रांता बताकर दिन रात वोट बटोरने की राजनीति की जाती है उनके समय के बनाये हुये हजारों निर्माण आज भी पूरी मजबूती के साथ अपना सिर बुलंद किये खड़े हैं। इसी तरह अंग्रेजों के शासनकाल के अनेक महत्वपूर्ण निर्माण आजतक क्षतिग्रस्त नहीं हुये। उदाहरणार्थ 18 जनवरी 1927 को तत्कालीन गवर्नर-जनरल लॉर्ड इरविन द्वारा उद्घाटित व ब्रिटिश वास्तुकारों एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर द्वारा डिजाइन किये गये पुराने संसद भवन का आज तक बाल भी बांका नहीं हुआ जबकि सेन्ट्रल विस्टा परियोजना के अंतर्गत बना नया संसद भवन जिसका उद्घाटन 28 मई 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था उसमें पहली बारिश के दौरान ही पानी टपकने लगा था।

दैनिक पंचांग

22 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरुवार 2025 वर्ष का 142 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1946
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण
तिथि दशमी 01.13 बजे रात्र को समाप्त। नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 17.47 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 21.49 बजे को समाप्त।
करण वणिज 14.22 बजे तदनन्तर विष्टि 01.13 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872352
जूलियन दिन 2460817.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद तारीख 23

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.53 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	09.06 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	11.22 बजे से
बुध	मेष में	कन्या	13.34 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.45 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.59 ब.से
शनि	मीन में	धनु	20.15 बजे से
राहु	मीन में	मकर	22.21 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	00.07 बजे से
राहुकाल		मीन	01.40 बजे से
1.30 से 3.00		मेष	03.10 बजे से
बजे तक		वृष	04.50 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

जहरीले सांप काटने से महिला हुई मूर्छित

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक महिला को जहरीले सांप के काटने से मूर्छित हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सकरीगली छोटी भगियामारी निवास चरण कर्मकार की पत्नी पूजा देवी अपने घर में मिट्टी से आंगन को निप रही थी। इसी बीच उक्त महिला ने आंगन के कोने में निपने के लिए हाथ बढ़ाई जहां पहले से ही सांप बैठा हुआ था उक्त महिला का हाथ सांप में सटते ही सांप ने महिला के हाथ में काट लिया। जहां उक्त महिला ने चिल्लाते हुए अपने पति और परिजनों को बताया कि किसी जहरीले सांप ने मुझे काट लिया है। जहां पति और परिजनों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने समय रहते महिला का इलाज शुरू कर दिया।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में चौथे आरोपी के घर पुलिस ने इश्तिहार चिपकाया

साहिबगंज: तीनपहाड़ थाना पुलिस ने बुधवार की सुबह सामूहिक दुष्कर्म के चौथे आरोपी के घर पहुँच कर विधिवत इश्तिहार चिपकाकर तमिला किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना में शामिल आरोपी चोपे टुडू, पिता वरुण टुडू, ग्राम धमधमिया पर सामुहिक दुष्कर्म का मामला तीनपहाड़ थाना कांड संख्या 61/25 के तहत दर्ज है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है, लेकिन आरोपी का अब तक कुछ पता नही चल पाया। जिसके बाद पुलिस आरोपी के गाँव पहुँच कर विधिवत ढोल बजाकर जानकारी देते हुए आरोपी के घर पर इश्तिहार चिपकाया। साथ ही पुलिस ने कहा कि जल्द से जल्द आरोपी आत्मसमर्पण करे, नही तो न्यायालय के आदेश आने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत कुर्की जब्ती नियम के तहत किया जाएगा। वही सामूहिक दुष्कर्म मे कुल चार आरोपी थे। पुलिस पूर्व में छापेमारी कर तीन आरोपी को जेल भेज चुकी है। आखिरी बचे आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। इस संबंध में तीनपहाड़ थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी थाना में या न्यायालय मे आत्मसमर्पण करे, नही तो न्यायालय के आदेश पर कुर्की जब्ती की जाएगी।

राजीव ने ही देश को शामिल किया आधुनिकता की दौड़ में : कांग्रेस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर बुधवार को कांग्रेस भवन, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में कांग्रेसियों ने भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की। पूर्व प्रधानमंत्री को कांग्रेसियों ने एक दूरदर्शी प्रधानमंत्री बताते हुए कहा कि राजीव गांधी ने ही भारत को आधुनिकता की दौड़ में शामिल करने का काम किया। संचार क्रांति उन्हीं की देन है। मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भारत में सूचना क्रांति के जनक माने जाते हैं। देश के कंप्यूटराईजेशन और टेलीकम्युनिकेशन क्रांति का श्रेय

भी राजीव गांधी को ही जाता है। स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण और मतदाता की उम्र 21 वर्ष से कम करके 18 वर्ष तक के युवाओं को चुनाव में वोट देने का अधिकार दिलवाने का कार्य भी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपने कार्यकाल में ही किया था। दास ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने पंचायत राज व्यवस्था लागू करके पंचायतों को मजबूत करने का काम किया। राजीव गांधी लोगों के दिलों में आज भी जिंदा हैं और हमेशा रहेंगे। कांग्रेसियों ने एक स्वर में कहा कि राजीव गांधी का बलिदान राष्ट्र के लोगों के लिए सदैव अनुकरणीय रहेगा। मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, प्रदेश सचिव अशरफुल होदा, ओबीसी प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव मायाधर बेहरा, प्रवक्ता सह जिला बीस सूत्री सदस्य त्रिशानु राय, जिला महासचिव बालेमा कुई, कैरा बिरुवा, अशोक बारीक, लियोनार्ड बोदरा, जिला सचिव जाम्बी कुदादा, संतोष सिन्हा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

सरकारी कार्य बाधा डालने और ब्लैकमेलिंग के आरोपी वरुण को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर लोगों को ब्लैकमेल करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी वरुण जायसवाल को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश कर राजमहल जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गनी चौक कोटालपोखर निवासी वरुण जायसवाल अपने घर के ऊपर सीसीटीवी कैमरे लगाकर आसपास के लोगों की निजता का उल्लंघन करता और कुछ सहयोगियों की मदद से उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर गलत तरीके से प्रस्तुत करता था। इन वीडियो के जरिए वह लोगों को ब्लैकमेल करता था। पिछले दिनों साहिबगंज के जिला परिवहन पदाधिकारी के साथ दुर्व्यवहार और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में कोटालपोखर थाना में कांड संख्या 57/25 दर्ज किया गया था, जिसमें वरुण जायसवाल मुख्य आरोपी था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे तीन दिनों के रिमांड पर लेकर पूछताछ की। इस दौरान उनके व्हाट्सएप मैसेज और वीडियो क्लिप की जांच के आधार पर पुलिस उसके ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों की पहचान में जुटी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार इस सिंडिकेट में उसके कई सहयोगी शामिल है, जो अब पुलिस के रडार पर हैं। वरुण जायसवाल पर पहले भी कई लोगों को ब्लैकमेल कर जबरन पैसे वसूलने के आरोप में मामले दर्ज हो चुके हैं। मेडिकल जांच के उपरांत उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उसे राजमहल जेल भेज दिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वरुण जायसवाल के साथ इस आपराधिक गतिविधियों में और कौन-कौन शामिल थे और किन-किन मामलों में सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर ब्लैकमेलिंग की गई।

वित्तिय साक्षरता सह जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक एवं झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी बरहरवा के संयुक्त तत्त्वाधान में प्रखंड कार्यालय के सभागार में मंगलवार को वित्तिय साक्षरता सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मौके पर उपस्थित सुधीर कुमार मुख्य प्रबंधक, अग्रणी बैंक ने कार्यक्रम में मुख्यतया वित्तिय जागरूकता से सम्बंधित विस्तृत जानकारी उपस्थित सखी मंडल की सदस्यों को दी तथा इस जागरूकता अभियान में बैंक ऋण, बचत खाता खुलवाना, समय मे लेनदेन, बीमा क्लेम सेटलमेंट, अटल पेंशन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, ऋण वापसी, ग्राहक सेवा केंद्र, अटल पेंशन इत्यादि पे सभी को जानकारी दी गयी।बीडीओ सनी कुमार दास के द्वारा सरकार के द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न

योजनाओ पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा सभी को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना करवाने एवं बीमा नवीनीकरण करवाने के लिए आग्रह किया तथा डिजिटल पर सभी को जागरूक किया। बीपीएम फैज आलम के द्वारा बताया गया कि इस तरह का वित्तिय जागरूकता कार्यक्रम जेएसएलपीएस के द्वारा बैंकों के शाखा प्रबंधक के साथ परस्पर सामंजस्य स्थापित करके कार्यक्रम निरंतर करवाया जाता है ताकि महिलाएं जागरूक होकर बैंक के द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सके। जेआरजीबी झिकटिया के शाखा प्रबंधक चंदन कुमार ने बैंक में चलाये जा रहे विभिन्न सरकार की योजनाओं एवं मुद्रा ऋण पर सभी को जानकारी दी। जेआरजीबी बैंक के एफएलसी जिला कोऑर्डिनेटर प्रियंका कुमारी ने सभी दीदियों को बीमा एवं उससे संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस कार्यक्रम में दर्जनों सखी मंडल की महिलाएं उपस्थित थे।

क्रेशर प्लांट में चोरी करने वाले चार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक क्रेशर प्लांट में कुछ दिनों पहले चोरों के द्वारा चोरी किया गया। मिली जानकारी के अनुसार क्रेशर मालिक रितिक जायसवाल द्वारा बताया गया कि मेरा क्रेशर प्लांट मौजा भुतहा प्लॉट नंबर 9 खाता नंबर 28 थाना मिजाचौकी जिला साहिबगंज में स्थित है। जो कि कुछ दिनों से बंद पड़ा हुआ था। जिसका देखरेख नाइट गार्ड मनोज ठाकुर करता है। दिनांक 12 मई को रात 1:00 बजे कुछ नकाबपोश लोग क्रेशर पर आए और गार्ड को रूम में बंद कर बैटरी 12 पीस, दो इनवर्टर, गियर बॉक्स 5 पीस, कैमरा दो पीस उसका सारा सेटअप, मोटर चार पीस सीकर 90 फीट लंबा, तार 8 बंडल, टीवी 55 इंच व बहुत सारे इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर लिया गया। वही चोरी मामले को लेकर मिजाचौकी थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया था। वही 29/25 प्राथमिकी दर्ज कर मिजाचौकी पुलिस के द्वारा तत्परता से कार्य करते हुए एक टीम का गठन कर छापामारी अभियान चलाकर चार अभियुक्त अनारूल मोमिन उर्फ पोल्टी शेख उम्र 38 वर्ष, पिता अताउल मोमिन, साकिन अर्जुनपुर, थाना फरक्का, जिला मुर्शिदाबाद, दाऊद आलम उम्र 25 वर्ष, पिता मंसूर रहमान, साकिन हरिहरा, थाना बरहरवा, जिला साहिबगंज, मो अंसार आलम उर्फ मिलोन, उम्र 30 वर्ष, पिता मो नईमुद्दीन शेख, साकिन अंधारकोठा, श्रीकुंड, थाना कोटालपोखर, थाना कोटालपोखर, जिला साहिबगंज को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण करने के विरुद्ध जताई नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मोकिमपुर पंचायत के चंड़ीपुर गांव के ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण करने के विरुद्ध सड़क चौड़ी कारण एवं गर्डवाल नहीं देने के संबंध में ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है। जिसको दुरुस्त करने को लेकर ग्रामीणों ने बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर समस्या का समाधान करने की गुहार लगाई है। उक्त आवेदन में उल्लेख है कि गांव के घरों को सटा कर 15 से 20 फीट गढ्ढा किया जा रहा है। जिसकारण से मिट्टी धंसने की समस्या आ रही है। जिससे ग्रामीणों में डर का माहौल है कहीं वर्षा में जल के कारण घर ना गिर जाए और यह समस्या महज 200 मीटर तक ही है। उक्त कार्य लगभग 1 वर्षों से बंद पड़ा था। 200 मीटर तक यदि फिर से भूमि अधिग्रहण किया जाए तो 4 किलोमीटर तक सर्विस रोड में भी कहीं कठिनाई नहीं होगा। आवेदन में यह भी उल्लेख है कि दिनांक 18 सितंबर 2024 एवं 28 फरवरी 2025 को उपा युक्त कार्यालय में तथा 01 मार्च 2025 को राजमहल अनुमंडल कार्यालय में सड़क संबंधित समस्या का आवेदन दिया गया था।

मोबाइल नेटवर्क की समस्या लेकर भारत सरकार की अध्यक्षता में हुई बैठक

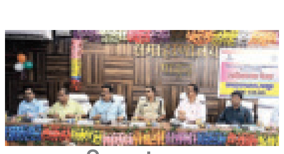

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय स्थित सभागार में निदेशक, दूरसंचार विभाग, भारत सरकार श्री देव शंकर की अध्यक्षता में आधारभूत दूरसंचार संरचना के विकास के हेतु संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सुदूर दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या एवं मोबाइल टॉवर लगाने को लेकर चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त द्वारा बताया गया कि बीते विधानसभा चुनाव में शैडो एरिया की मैपिंग में 3 स्थान चिन्हित किए गए थे। वही निदेशक दूरसंचार विभाग ने कहा कि पाकुड़ जिले में पांच स्थान ऐसे हैं जहां नेटवर्क कनेक्टिविटी नहीं है। निदेशक श्री देव शंकर ने समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग एवं आपूर्ति विभाग के पदाधिकारी को शैडो एरिया के संबंध में समेकित सूची समर्पित करने का निर्देश दिया गया ताकि किसी स्थान को लेकर दोहराव नहीं हो तथा शैडो एरिया की वास्तविक पहचान हो सके। निदेशक, दूरसंचार विभाग ने कहा कि पाकुड़ जिला आकांक्षी जिला के रूप में चिन्हित है तथा भारत सरकार आकांक्षी जिले में आधारभूत दूरसंचार संरचना के सतत विकास को लेकर प्रयासरत है। उन्होने बीएसएनएल एवं निजी कंपनी के प्रतिनिधियों को शैडो एरिया में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को दूर करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि दूरसंचार सुविधा मुहैया कराने के लिए विभाग हर संभव मदद देने के लिए तत्पर है, जरूरत है कि समस्याओं को चिन्हित कर सकारात्मक कार्रवाई किया।

बोरियो में प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बोरियो प्रखंड अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में क्षेत्र के सभी आवासीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी बोरियो नागेश्वर साव की अध्यक्षता में की गई। इस बैठक में विद्यालयों में नामांकन की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ आवश्यक आधारभूत सुविधाओं जैसे बिजली, पेयजल, शौचालय, खेलकूद सामग्री, भवन आदि की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कल्याण आवासीय विद्यालय

चांदवासी और बन्दरकोला में शौचालय की अनुपलब्धता, वहीं पनसोखा विद्यालय में पहुंच पथ की समस्या को चिन्हित किया गया। इन समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित पंचायत सचिव को 15वीं वित्त आयोग मद से निर्माण कार्य प्रारंभ कराने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी विद्यालय, बोरियो का भौतिक निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के क्रम में विद्यालय में बने मल्टीपरपस हॉल, छात्रावास, कक्षाएं और रसोईघर की स्थिति देखी गई। निरीक्षण के उपरांत वार्डेन को छात्राओं की सुविधा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक एवं निरीक्षण के दौरान बीओ (प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी) सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा एवं समुचित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना था। प्रखंड प्रशासन ने विद्यालयों के समुचित संचालन हेतु सभी संबंधित पदाधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व प्रधानमंत्री व आधुनिक भारत के निमार्ता का पुण्यतिथि मनाया गया

पाकुड़ : जिले में बुधवार को जिला कांग्रेस कार्यलय पाकुड़ में जिला अध्यक्ष श्री कुमार सरकार के अध्यक्षता में देश के पूर्व प्रधानमंत्री आधुनिक भारत के निमार्ता स्व राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि मनाई गई। मौके पर जिला अध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी के फोटो पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए कहा की देश को पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी ने एक दिशा दिया है टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत को एक दिशा देने का कार्य किया तो ग्राम पंचायत को सक्षम ओर विकास के क्षेत्र आगे लाने के लिए पंचायती राज का गठन किया, शिक्षा के क्षेत्र में कई अहम बदलाव कर परगति की ओर ले गया। युवाओं को सशक्त बनाने के लिए भी अपने कार्यकाल में अनेकों कार्य किया है जिसे देश आज भी याद करता है। स्व राजीव गांधी जी ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिया हम उनके द्वारा किए गए कार्यों को कभी भुला नहीं सकते। मौके पर पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मानसरूल हक, हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष मनोवर आलम, मिथुन मरांडी, नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष अमड़ापाड़ा मो पप्पू सहित अन्य उपस्थित थे।

अमड़ापाड़ा बीडीओ ने पीडीएस डीलरों के साथ की हुई बैठक

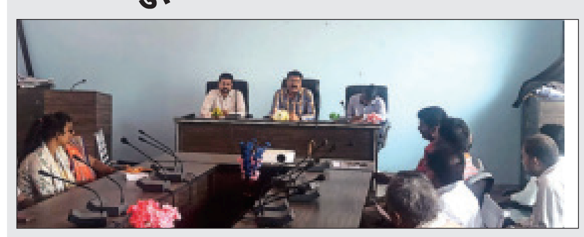

पाकुड़/अमड़ापाड़ा : ज़िले के अमड़ापाड़ा प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने सभी पीडीएस डीलरों के साथ बैठक की। बीडीओ ने कहा कि सभी जन वितरण प्रणाली के लाभुकों को जून, जुलाई व अगस्त माह का खाद्यान्न जून माह के अंत तक उपलब्ध कराना है। जून व जुलाई माह का खाद्यान्न 1 से 15 जून तक और अगस्त माह के खाद्यान्न का वितरण 16 से 30 जून तक किया जाना है। मौके पर खाद्यान्न रखने के लिए भंडारण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। सभी डीलर जून माह तक सभी लाभुकों का ई-केवाइसी कराना सुनिश्चित करें।

आयुष्मान केंद्रों में स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाइयां वितरण की गई

बरहरवा: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा के अंतर्गत संचालित सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बरहरवा के निदेशानुसार संबंधित क्षेत्रों की सभी एएनएम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की सहभागिता से आयोजित हुआ। इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं, उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें जागरूक भी किया गया। इस अवसर पर सभी आयु वर्ग के लाभार्थियों की स्वास्थ्य जांच (ब्लड प्रेशर, शुगर, सामान्य रोग आदि) प्राथमिक उपचार तथा आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण पोषण, स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य से संबंधित परामर्श, गर्भवती महिलाओं, किशोरियों तथा बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य परामर्श, टीबी पहचान, जांच एवं उपचार संबंधी जानकारी कालाजार एवं मलेरिया लक्षण, रोकथाम व समय पर जांच की आवश्यकता एनीमिया मुक्त भारत अभियान हीमोग्लोबिन की जांच व आयरन युक्त आहार की महत्ता डायरिया से बचाव स्वच्छ जल, हाथ धोने की आदत और ओआरएस की उपयोगिता ग्रामीणों ने इस शिविर में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने बच्चे को टक्कर मारकर किया घायल

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबाडीहा गांव में मंगलवार की रात एक बालिका को अज्ञात मोटरसाइकिल सवार युवक ने पीछे से जोरदार टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया। जहां इस घटना में बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। उधर घायल बालिका को परिजनों की मदद से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. केशव कृष्णा के द्वारा इलाज किया गया। बताया जा रहा है कि अंबाडीहा गांव निवासी सांझला मरांडी के 12 वर्षीय पुत्री प्रीती कुमारी अपने घर से दुकान जा रही थी उसी दौरान अज्ञात मोटरसाइकिल सवार युवक ने पीछे से जोरदार टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया जिसमें बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। वही बालिका के कमर व पांव में चोट आई है जहां घायल बालिका का सदर अस्पताल में चिकित्सक के देखरेख में इलाज जारी है।

अंचल अधिकारी द्वारा कर्मचारी के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार का आरोप

साहिबगंज: राजमहल प्रखंड में कार्यत कर्मचारी मोहम्मद इम्तियाज ने अंचल अधिकारी मोहम्मद युशुफ पर मारपीट और अभद्र व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद इम्तियाज ने प्रशासन के उच्च अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई है और न्याय की मांग की गुहार लगाया है। इम्तियाज ने बताया कि मेरे और अंचल अधिकारी युशुफ के बीच किसी मामले को लेकर मतभेद हो गया, जिसके बाद युशुफ ने न केवल अपशब्दों का इस्तेमाल किया, बल्कि हाथापाई भी की। इम्तियाज ने बताया कि इस घटना से वह मानसिक और शारीरिक रूप से आहत हुए हैं।इस मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो अंचल अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने स्थानीय स्तर पर तनाव पैदा कर दिया है। कई संगठनों ने आरोपी अधिकारी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई है।

सोने और चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। इनके वायदा भाव में भी आज तेजी रही। दोनों के वायदा भाव आज बढ़त के साथ खुले। घरेलू बाजार में आज सोने के भाव 95,450 रुपये जबकि चांदी के भाव 97,500 रुपये के करीब रहे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज सुबह तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एक्सचेंज) पर आज सुबह सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 503 रुपये के उछाल के साथ ही 95,344 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 94,841 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 610 रुपये की तेजी के साथ 95,451 रुपये के भाव पर बना हुआ था। ये 95,526 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 94,344 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 99,358 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 159 रुपये बढ़कर97,447 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 97,288 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 248 रुपये की तेजी के साथ 97,536 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 97,644 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 97,447 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। वहीं चांदी के वायदा भाव 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर शीर्ष स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने और चांदी के वायदा भाव के भाव में तेजी रही है। कामेक्स पर सोना 3,293 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,284.60 डॉलर प्रति औंस था। एक समय ये 24.10 डॉलर की तेजी के साथ 3,308.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर पहुंचे थे। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.27 डॉलर के भाव पर खुले, इसक पिछला बंद भाव 33.17 डॉलर था।

आईकोनिया टैब वी11 और वी12 टैबलेट में मिलेंगे दमदार फीचर्स

नई दिल्ली।

टैबलेट्स बनाने वाली कंपनी एसर ने अपने नए आईकोनिया टैबलेट्स वी11 और वी12 को पेश किया है, जिसको लेकर दावा किया जा रहा है कि इन टैबलेट्स को फुल चार्ज करने पर 10 घंटे तक उपयोग किया जा सकता है। टैबलेट्स में 8जीबी डीडीआर4 रैम तक की सुविधा भी मौजूद है। वी12 मॉडल में 11.97 इंच का 2के डिस्प्ले है जबकि वी11 में 10.92 इंच का 2के डिस्प्ले मिलता है। दोनों टैबलेट्स की स्क्रीन 90एचझेड रिफ्रेश रेट वाली एलसीडी है, जो स्मूद विजुअल एक्सपीरियंस देती है। डिजाइन में ये दोनों टैबलेट्स 7.9 मिमी पतले हैं, जिससे इन्हें पकड़ना और कहीं भी ले जाना आसान है। दोनों में मीडियाटेक हीलियो जी99 प्रोसेसर दिया गया है जो बेहतर परफॉर्मेंस के लिए सक्षम है। कैमरे की बात करें तो दोनों टैबलेट्स में 5 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा और फ्लैश के साथ 8 मेगापिक्सल का ऑटोफोकस रियर कैमरा दिया गया है। ये टैबलेट्स एंड्रॉएड 15 ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलते हैं। वी12 का वजन 595 ग्राम है जबकि वी11 हल्का होकर 500 ग्राम का है। कीमत की बात करें तो असेर आईकोनिया टेब वी11 यूरोप, मिडिल-ईस्ट और अफ्रीका में लगभग 21,815 रुपये (229 यूरो) में उपलब्ध होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया में इसकी कीमत करीब 18,000 रुपये (329 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) होगी। इसकी बिक्री अगस्त से शुरू होगी। वहीं, आईकोनिया टेब वी 12 की कीमत यूरोप, मिडिल-ईस्ट और अफ्रीका में 27,535 रुपये (289 यूरो) और ऑस्ट्रेलिया में 23,475 रुपये (429 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) के आसपास रखी गई है, जिसकी बिक्री जुलाई में शुरू होगी। दोनों मॉडल्स में दमदार साउंड के लिए स्टीरियो स्पीकर लगे हुए हैं और स्टोरेज माइक्रो एसडी कार्ड की मदद से 1टीबी तक बढ़ाया जा सकता है।

अगले पांच साल तक टेस्ला के सीईओ बने रहेंगे एलन मस्क

नई दिल्ली।

दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क ने कहा है कि वह अगले पांच साल तक टेस्ला के सीईओ बने रहेंगे इसके लिए वह पूरी तरह से कमिटेड हैं। मस्क से यह बात ऐसे समय की जब टेस्ला को कंज्यूमर और स्टॉक प्राइस दोनों की तरफ से भारी प्रेशर झेलना पड़ रहा है, खासकर मस्क की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गवर्नमेंट के साथ काम करने को लेकर।

एलन मस्क हाल ही में ट्रंप के मिडिल ईस्ट दौरे के दौरान दोहा गए थे। स्पेसएक्स और स्टारलिंक के चीफ मस्क ने इस दौरान बहुत कम शब्दों में सवालों के जवाब दिए थे और अपने बिज़नेस और पॉलिटिक्स से जुड़े सवालों पर गुस्से में नजर आए थे। एक इंटरव्यू में एलन मस्क से पूछा गया कि क्या वह खुद को अगले पांच सालों तक टेस्ला के चीफ एग्जीक्यूटिव के तौर पर देखते हैं और क्या वह इसके लिए कमिटेड हैं? इस पर मस्क ने जवाब दिया ÷हां÷। जब दोबारा सवाल किया कि क्या इसमें कोई शक नहीं है, तो मस्क हंसते हुए बोले- अगर मैं मर न जाऊं, तो मैं यहीं रहूंगा।÷ हाल ही में मस्क पर तब से काफी दबाव रहा है जब वह ट्रम्प के साथ मिलकर अमेरिका की सरकार के एक प्रयास ÷डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी÷ में शामिल हुए।

इस दौरान अमेरिका की फेडरल गवर्नमेंट में बड़े स्तर पर कटौती की जा रही थी, जिससे टेस्ला भी प्रभावित है। जब मस्क से पूछा गया कि क्या इन सब चीजों ने उन्हें पॉलिटिक्स में शामिल होने के फैसले पर दोबारा सोचने पर मजबूर किया है, तो वह थोड़ी देर चुप रहे और कैमरे से दूर देखने लगे। फिर कुछ पल बाद उन्होंने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैंने वही किया जो ज़रूरी था। मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जिसने कभी हिंसा की हो, लेकिन मेरी कंपनियों पर बहुत बड़ी हिंसा की गई और मुझ पर भी सीधी धमकियां दी गईं।

मस्क ने आगे कहा कि चिंता मत करो, हम आ रहे हैं तुम्हारे लिए। मस्क को टेस्ला की एक पे पैकेज मिलने वाला था, जिसकी वैल्यू कभी 56 बिलियन डॉलर थी, लेकिन डेलावेयर की एक जज ने उस डील पर रोक लगा दी। मस्क ने उस जज को एक एक्टिविस्ट जो जज की हैलोवीन कॉस्ट्यूम में एक्टिंग कर रही हैं कहकर आलोचना की।

भारत वैश्विक व्यापार के नकारात्मक प्रभावों से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में

नई दिल्ली।

भारत, अमेरिकी शुल्क एवं वैश्विक व्यापार व्यवधानों के नकारात्मक प्रभावों से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि घरेलू वृद्धि चालक और निर्यात पर कम निर्भरता अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है। रेटिंग एजेंसी ने बुधवार को कहा कि निजी खपत को बढ़ावा देने, विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाने की सरकारी पहल से वैश्विक मांग के कमजोर होने परिदृश्य की भरपाई करने में मदद मिलेगी। मुद्रास्फीति में कमी से ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है, जिससे अर्थव्यवस्था को और अधिक समर्थन मिलेगा, साथ ही बैंकिंग क्षेत्र में नगदी से ऋण देने में सुविधा होगी। मीडिया रिपोर्ट में रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत कई अन्य उभरते बाजारों की तुलना में अमेरिकी शुल्क और वैश्विक व्यापार व्यवधानों से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है, जिसे मजबूत आंतरिक वृद्धि कारकों, बड़ी घरेलू अर्थव्यवस्था एवं माल व्यापार पर कम निर्भरता से बल मिलता है। रेटिंग एजेंसी ने इस महीने की शुरुआत में 2025 कैलेंडर वर्ष के लिए भारत के अपने आर्थिक वृद्धि अनुमानों को 6.7 फीसदी से घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया था। अमेरिका के शुल्क दरों में बढ़ोतरी की घोषणा से उत्पन्न स्थितियों के बाद एजेंसी ने अनुमानों में बदलाव किया।

केंद्र सरकार दो बैंकों के एमडी और सीईओ का बढ़ा सकती है कार्यकाल

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार जल्द ही पंजाब एंड सिंध बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर की टर्म को बढ़ा सकती है। मीडिया रिपोर्ट में एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि दोनों बैंकों के टॉप अफसरों की सर्विस एक्सटेंशन करीब फाइनल स्टेज में है। पंजाब एंड सिंध बैंक के एमडी और सीईओ स्वरूप कुमार साहा का मौजूदा टर्म 2 जून को खत्म हो रहा है, जबकि आईओबी के अजय कुमार श्रीवास्तव का टर्म 31 दिसंबर को खत्म होगा।रिपोर्ट में सरकारी सूत्र के हवाले से बताया कि दोनों के पास करीब दो साल की सर्विस बाकी है। उनके कार्यकाल को एक्सटेंड करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और फाइनल नोटिफिकेशन जल्द जारी होगा।स्वरूप कुमार साहा ने 3 जून 2022 को पंजाब एंड सिंध बैंक के एमडी और सीईओ के रूप में चार्ज लिया था। इससे पहले वह पंजाब नेशनल बैंक में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर थे। साहा ने अपनी बैंकिंग जर्नी 1990 में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स से शुरू की थी। उन्हें ट्रेजरी, इंटरनेशनल बैंकिंग और रिस्क मैनेजमेंट में 30 साल से ज्यादा का अनुभव है। वहीं अजय कुमार श्रीवास्तव ने 1 जनवरी 2023 से अपनी नई पोस्ट संभाली थी। उन्होंने अपनी बैंकिंग की शुरुआत 1991 में इलाहाबाद बैंक में प्रोबेटनरी ऑफिसर के तौर पर की थी। वहां उन्होंने 27 साल से ज्यादा काम किया और फिर अक्टूबर 2017 में इंडियन ओवरसीज बैंक जॉइन कर लिया था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे अंकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान रियल्टी और फार्मा, वाहन कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला । दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.51फीसदी तकरीबन 410 अंक बढ़कर 81,597 पर बंद हुआ। सुबह सेंसेक्स 81,328 पर खुला और ये दिन भर के कारोबार के दौरान 82,022 के उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद फिसल गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.52 फीसदी तकरीबन 130 अंक उछलकर 24,813 पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार ये तेजी खरीदारी हावी होने के साथ ही शॉर्ट कवरिंग और भारत को लेकर मूडीज की रिपोर्ट से भी आया। ब्रॉडर मार्केट में खरीदारी से भी बाजार को बल मिला। इसके अलावा आज रियल्टी और फार्मा में अच्छी तेजी भी बाजार में सकारात्मक माहौल रहा। दोनों इंडेक्स 1फीसदी से ज्यादा ऊपर आये। डीएलएफ , गोदरेज प्रॉपर्टीज, मैक्रोटेक डेवलपर्स सभी के शेयरों में बढ़त रही। इसके अलावा रेलवे, डिफेंस और सरकारी कंपनियों के शेयरों में भी उछाला आया।। मिडकैप 0.78 फीसदी और स्मॉलकैप 0.38 फीसदी बढ़ा।

आज कारोबार के दौरान टाटा स्टील, बीईएल ,सिप्ला ,एचडीएफसी लाइफ के शेयर उछले जबकि कोटक महिंद्रा बैंक , ग्रासिम इंडस्ट्रीज , इंडसइंड बैंक और जएसडब्ल्यू के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार सुबह तेजी से खुला। बीएसई सेंसेक्स 140 अंक ऊपर आकर 81,327.61 पर खुला। सुबह ये 803.97 अंक करीब 0.99 फीसदी की बढ़त लेकर 81,990.41 पर था। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 29 के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इंडसइंड बैंक के शेयरों में ही गिरावट थी। वहीं का निफ्टी बढ़त के साथ ही 24,744.25 अंक पर खुला। सुबह यह 253.50 अंक तकरीबन 1.03 फीसदी की बढ़त के साथ ही 24,937.40 पर कामकाज कर रहा था। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.83 फीसदी और 0.63 फीसदी ऊपर थे।

सेक्टरोल मोर्चे पर रुझान मिला-जुला रहा। निफ्टी आईटी में 0.4 फीसदी की गिरावट आई, जबकि निफ्टी फार्मा इंडेक्स में 1.4 फीसदी की बढ़त रही। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले एशियाई बाजारों में बुधवार को तेजी रही। जबकि वॉल स्ट्रीट पर छह दिन से चल रहा बढ़त का सिलसिला समाप्त हो गया। जापान का निक्केई इंडेक्स सपाट कारोबार कर रहा था। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स 0.27 फीसदी बढ़ा। कोस्पी में 1.14 फीसदी की तेजी आई और एएसएक्स 200 में 0.6 फीसदी की तेजी आई। वॉल स्ट्रीट पर एसएंडपी 500 में 0.39 फीसदी की गिरावट रही।

जेमिनी एप ने 400 मिलियन से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा छू लिया : पिचाई

मुंबई।

गूगल और उसकी पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने बताया कि जेमिनी एप ने 400 मिलियन से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा छू लिया है। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से एआई मॉडल की 2.5 सीरीज को लेकर उल्लेखनीय वृद्धि और उपयोगकर्ता जुड़ाव साफ दिख रहा है। इस तेजी से बढ़ती लोकप्रियता को कंपनी की एआई रणनीति की सफलता के रूप में देखा जा रहा है। पिचाई ने कहा कि सात मिलियन से अधिक डेवलपर्स जेमिनी के साथ काम कर रहे हैं, जो बीते साल की तुलना में पांच गुना अधिक है और वर्टेक्स एआई पर जेमिनी का इस्तेमाल 40 गुना बढ़ गया है। उन्होंने बताया, जेमिनी एप में 2.5 प्रो का इस्तेमाल करने वालों को लेकर उपयोग में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिचाई ने कहा, पिछले साल इस समय हम अपने प्रोडक्ट्स और एपीआई में प्रति माह 9.7 ट्रिलियन टोकन प्रॉसेस कर रहे थे। अब, हम 480 ट्रिलियन से अधिक टोकन प्रॉसेस कर रहे हैं, जो कि 50 गुना अधिक है। उन्होंने कहा, इस प्रगति का मतलब है कि हम एआई प्लेटफॉर्म शिफ्ट के एक नए फेज में हैं, जहां दशकों से की जा रही रिसर्च दुनिया भर के लोगों, व्यवसायों और कम्युनिटीज के लिए हकीकत बन रही है। बीते साल लांच होने के बाद से एआई ओवरव्यूज 1.5 बिलियन से ज्यादा यूजर्स तक पहुंच गया है और अब 200 देशों और क्षेत्रों में है। गूगल सीईओ पिचाई ने बताया, गूगल के एआई ओवरव्यूज अमेरिका और भारत जैसे बड़े बाजारों में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि कर रहे हैं। यह वृद्धि समय के साथ और बढ़ने की उम्मीद है। गूगल ने एआई मोड के रूप में सर्च अनुभव को पूरी तरह नया

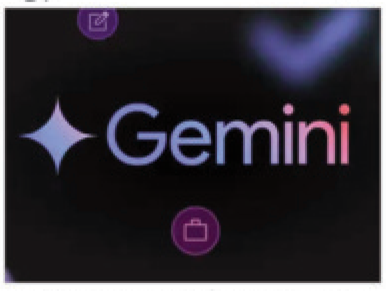

रूप देने की घोषणा की है। यह मोड अधिक उन्नत तर्क क्षमता प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता लंबे और जटिल प्रश्न पूछ सकते हैं। शुरुआती परीक्षणों में पाया गया कि उपयोगकर्ता पारंपरिक सर्च की तुलना में 2 से 3 गुना लंबे सवाल कर रहे हैं। पिचाई ने कहा, मुझे ये बताकर खुशी हो रही है कि एआई मोड की सुविधा अमेरिका में सभी यूजर्स के लिए शुरू हो चुकी है।

अब चेक बाउंस हुआ तो जाना होगा जेल, दो गुना जुर्माना भी लगेगा

नई दिल्ली। चेक से लेन-देन करने वाले हो जाएं होशियार। देशभर में बढ़ते चेक बाउंस मामलों को देखते हुए सरकार ने 1 अप्रैल 2025 से नए और सख्त नियम लागू कर दिए हैं। इनका मकसद वित्तीय धोखाधड़ी पर शिकंजा कसना है, लेन-देन में पारदर्शिता लाना और शिकायतों का निपटारा करना है। अब अगर कोई जानबूझकर चेक बाउंस करता है, तो उसे दो साल जेल में काटने होंगे। साथ ही, दोषी व्यक्ति को चेक की रकम के दोगुने तक जुर्माना भी भरना होगा। बता दें पहले शिकायत दर्ज करने की समयसीमा सिर्फ एक महीना थी, जिसे अब बढ़ाकर तीन महीने कर दिया है। इसके अलावा अब चेक बाउंस की शिकायत ऑनलाइन की जा सकेगी और ईमेल या एसएमएस जैसे डिजिटल सबूतों को भी कोर्ट में मान्यता मिलेगी। बैंक के लिए यह भी अनिवार्य किया गया है कि चेक बाउंस होने पर 24 घंटे के अंदर खाताधारक और चेक प्राप्तकर्ता दोनों को एसएमएस और ईमेल के जरिए सूचित करें। यदि किसी ग्राहक का चेक लगातार तीन बार बाउंस होता है, तो उसका खाता अस्थायी रूप से फ्रीज किया जा सकता है। इससे बचने के लिए खाते में पर्याप्त राशि रखें, चेक भरते समय सावधानी बरतें और भुगतान में देरी हो तो लाभार्थी को पहले से सूचित करें। नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत चेक बाउंस एक दंडनीय अपराध है। दोषी को कोर्ट फीस, वकील की फीस और बैंक द्वारा 100 से 750 तक का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है।

पाकिस्तानी ड्रोन को तबाह करने वाले आकाशतीर बनाने वाली कंपनी पर फिदा हुए बाजार जानकार

कई ब्रोकरेज हाउस ने दी ओवरवेट रेटिंग

मुंबई।

भारत-पाक तनाव में पाकिस्तानी ड्रोन को स्वदेशी आकाशतीर सिस्टम ने बर्बाद कर दिया। आकाशतीर को नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने बनाया है। बाजार जानकार कंपनी के शेयरों पर बुलिश हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बुधवार को 4 प्रतिशत से अधिक के उछाल के साथ 379.90 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई बनाया है। बाजार जानकारों का कहना है कि डिफेंस कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल सकती है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने बताया कि क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम) को छोड़कर नए वित्त वर्ष में ऑर्डर इनफ्लो 27,000 करोड़ रुपये पहुंच सकता है। वहीं, अगर क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम) ऑर्डर इसी साल मिलने पर आंकड़ा 57,000 करोड़ रुपये तक जा सकता है। नवरत्न कंपनी के मैनेजमेंट को इस साल 15 प्रतिशत रेवेन्यू ग्रोथ और 27 प्रतिशत के इबिट्डा मार्जिन की उम्मीद है।

ब्रोकरेज हाउस ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों को ओवरवेट रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 445 रुपये का प्राइस टारगेट तय किया है। इस ब्रोकरेज हाउस ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों

पर सबसे ज्यादा टारगेट दिया है। एक अन्य ब्रोकरेज हाउस ने भी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों पर ओवरवेट रेटिंग बनाए रखी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों का टारगेट प्राइस रिवाइज्ड करके 418 रुपये कर दिया है।

'महिला सम्मान बचत पत्र' योजना महिलाओं को बनाएगी आत्मनिर्भर

एक मुश्त निवेश करने पर मिलेगा भरपूर ब्याज, अवधि है दो साल

नई दिल्ली।

अगर आप अपनी बचत पर सुरक्षित और बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो केंद्र सरकार की 'महिला सम्मान बचत पत्र' योजना शानदार विकल्प है। यह एक अल्पकालिक यानी शॉर्ट टर्म बचत योजना है, जिसे खासतौर पर महिलाओं की वित्तीय जरूरतों और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है। इस योजना में महिलाएं अधिकतम 2 लाख रुपए तक का निवेश एकमुश्त कर सकती हैं, जिसकी अवधि 2 साल की होती है। इसमें 7.5 फीसदी सालाना ब्याज मिलता है। इस योजना के तहत खाता किसी भी नजदीकी पोस्ट ऑफिस या अधिकृत बैंक शाखा में खोला जा सकता है।

इस योजना में अगर कोई महिला दो लाख रुपए का निवेश करती है, तो दो साल की अवधि में उसे कुल 32,044 का ब्याज मिलेगा यानी मैच्योरिटी पर उसे कुल 2,32,044 रुपए मिलेंगे। यह रिटर्न पूरी तरह सुरक्षित और सरकार द्वारा गारंटीड होता है। महिला सम्मान बचत पत्र योजना न केवल एक अच्छा निवेश है, बल्कि यह महिलाओं को वित्तीय रूप से जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कम जोखिम में बेहतर मुनाफा

पाने की चाह रखने वाली महिलाओं के लिए यह योजना फायदेमंद साबित हो सकती है।

भारत में करीब आधी से ज्यादा गाड़ियों का इंश्योरेंस नहीं : सुब्रमण्यन

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी जनरल इंश्योरेंस कंपनी न्यू इंडिया इंश्योरेंस की चेयरमैन और एमडी गिरिजा सुब्रमण्यन ने बताया कि भारत में करीब आधी से ज्यादा गाड़ियां बिना इंश्योरेंस के सड़क पर दौड़ रही हैं। एमडी के अनुसार, केवल 52 प्रतिशत वाहन ही सही तरीके से इंश्योरेंस करवा रहे हैं। हालांकि पूरा डेटा उपलब्ध होने के बावजूद, इन वाहनों के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं होती है। सुब्रमण्यन ने थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस के प्रीमियम बढ़ाने की जरूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि कोर्ट से मिलने वाले मुआवजे की राशि महंगाई के हिसाब से बढ़ रही है लेकिन बीते कई वर्षों से प्रीमियम दरें स्थिर हैं।

इसलिए, इंश्योरेंस कंपनियां प्रीमियम बढ़ाने की मांग कर रही हैं ताकि वे बेहतर मुआवजा दे सकें। दरअसल जुलाई 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने लंबी अवधि के मोटर थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कवर को अनिवार्य कर दिया था ताकि सड़क पर बिना बीमा गाड़ियों की संख्या कम हो। आईआरडीएआई ने भी सभी नई कारों के लिए तीन साल और नई दोपहिया वाहनों के लिए पांच साल का थर्ड पार्टी कवर अनिवार्य किया।

लेकिन वास्तविकता में, रजिस्टर हुई गाड़ियों के मुकाबले इंश्योरेंस पॉलिसी कम हैं, यानी बहुत से वाहन मालिक नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं।फिलहाल कंपनी का अधिकतर इंश्योरेंस कमर्शियल वाहनों पर है, जिसमें क्लेम ज्यादा आते हैं। अब कंपनी निजी कारों और दोपहिया वाहनों के इंश्योरेंस पर भी ध्यान देना चाहती है, हालांकि इस सेगमेंट में कमीशन का खर्च अधिक है। उन्होंने बताया कि न्यू इंडिया इंश्योरेंस अपनी डिजिटल उपस्थिति भी बढ़ा रही है।

कंपनी ऑनलाइन एग्रीगेटर और फोनपे जैसे प्लेटफॉर्म के साथ काम कर रही है, ताकि इंश्योरेंस खरीदना और भी आसान हो सके। हालांकि अभी तक इसका प्रभाव सीमित है, लेकिन कंपनी इसमें सुधार के लिए काम कर रही है।

क्यू-4 एलआईसी हाउसिंग फायनेंस को इस साल हुआ 5,430 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली।

क्यू-4 एलआईसी हाउसिंग फायनेंस ने वित्त वर्ष 2024-25 और चौथी तिमाही के लिए मुनाफा बढ़ाने में सफलता हासिल की है। क्यू4 2025 में कंपनी का नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 25 फीसदी से बढ़कर 1,370 करोड़ रूपए हो गया है। वहीं पूरे साल का मुनाफा 5,430 करोड़ रुपए का रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 14 फीसदी ज्यादा है। जहां मुनाफा बढ़ा है, वहीं नेट ऑपरेटिंग इनकम में 3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह 2,170 करोड़ रही। हालांकि, बेहतर लिक्विडिटी मैनेजमेंट और प्राइम लेंडिंग रेट (पीएलआर) में 10 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी के चलते नेट इंटरेस्ट मार्जिन में तिमाही आधार पर 15 बेसिस पॉइंट का सुधार हुआ, लेकिन यह पीएलआर बढ़ोतरी बाद में 2026 की पहली तिमाही में वापस ले ली गई। कंपनी को फीस और अन्य स्रोतों से 160 करोड़ रुपए की आय हुई, जो पिछले साल के मुकाबले 240 फीसदी ज्यादा है। यह बढ़त पुराने डूबे हुए खातों से रिकवरी के कारण हुई है। वहीं, कंपनी का ऑपरेटिंग खर्च 18 फीसदी बढ़कर 450 करोड़ रहा है, जिससे कॉस्ट-इनकम रेशियो बढ़कर 19.4 फीसदी हो गया। इन खर्चों के चलते प्री-प्रोविजन ऑपरेटिंग प्रॉफिट थोड़ा गिरकर 1,880 करोड़ रह गया। कंपनी ने संकेत दिए हैं कि आने वाले वित्त वर्ष 2026 में नेट इंटरेस्ट मार्जिन पर दबाव बने रहने की आशंका है। इसका कारण यह है कि बैंकों के बीच कर्ज देने की होड़ बढ़ रही है और ब्याज दरों में गिरावट का असर लोन रेट्स पर पड़ने वाला है। चूंकि एलआईसी हाउसिंग के ज्यादातर लोन तिमाही आधार पर रेट रिसेट होते हैं, जुलाई 2025 से कम ब्याज दरें लागू होने के कारण कंपनी की आमदनी घट सकती है। इसके अलावा अगर आरबीआई दरों में कटौती करता है तो एनआईएम और घट सकता है। कंपनी ने 2026 के लिए 2.6 फीसदी से 2.8 फीसदी एनआईएम का अनुमान जताया है। कंपनी ने 2025 में मुनाफा बढ़ाया, लेकिन लोन ग्रोथ काफी सीमित रही। एलआईसी हाउसिंग अब अफोर्डेबल हाउसिंग और गैर-हाउसिंग सेगमेंट की ओर रुख कर रही है, लेकिन यह प्रक्रिया धीमी है। 2026 में कंपनी का लक्ष्य दो हजार करोड़ के अफोर्डेबल हाउसिंग लोन देना है, लेकिन मैनेजमेंट मानता है कि इस क्षेत्र में ठोस विस्तार में 2 से 3 साल लग सकते हैं।

मोदी ने अमेरिका के दबाव में पाकिस्तान से युद्ध रोका

कांग्रेस नेता शकील अहमद बोले- भारतीय सेना बदला लेने के लिए पूरी तरह थी तैयार

दरभंगा। में पूर्व केन्द्रीय मंत्री व कांग्रेस नेता डॉ शकील अहमद देर शाम पहुंचे। डॉ इंतखाब आलम को उन्होंने मुबारकबाद दिया। डॉक्टरी के क्षेत्र में बढ़िया से काम करने, गरीब लोगों का ख्याल रखते हुए इलाज करने की सलाह दी। डॉ शकील अहमद ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक छोटी जंग थी। भारतीय सेना पाकिस्तान से पूरा बदला लेने को तैयार थी। लेकिन अमेरिका के दबाव में पीएम मोदी ने युद्ध रोक दिया। यह फैसला गलत था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद पांच बार कहा कि उन्होंने युद्ध रुकवाया। यह शिमला समझौते का उल्लंघन है। शकील अहमद ने कहा कि शिमला समझौते में साफ लिखा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी विवाद में कोई तीसरा देश दखल नहीं देगा। अमेरिका ने पंचायती की, भारत सरकार ने उसे मान लिया। इससे भारत को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने 1971 में तब तक युद्ध नहीं रोका जब तक पाकिस्तान ने घुटने नहीं टेक दिए। 95 हजार पाक सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया था। आज मोदी सरकार अमेरिका के दबाव में झुक गई।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान का समर्थन करते हुए शकील अहमद ने कहा कि अगर 17 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में खतरे की आशंका थी, तो पीएम मोदी वहां क्यों नहीं गए। अगर सरकार को जानकारी थी, तो पर्यटकों को क्यों नहीं रोका गया। पहलगाम में रोजाना पांच हजार लोग आते हैं। वहां सुरक्षा क्यों नहीं थी। राहुल गांधी दरभंगा आए तो पूरी फोर्स तैनात कर दी गई। लेकिन कश्मीर जैसे संवेदनशील इलाके में लचर व्यवस्था क्यों रही। पहलगाम में एक जवान युवक की शादी के पांच दिन बाद ही मौत हो गई। डेढ़ घंटे तक कोई सुरक्षा बल नहीं पहुंचा। आतंकवादी बाहर से आए। बॉर्डर से करीब 100 किलोमीटर अंदर आकर हमला किया। 28 से ज्यादा लोगों को गोली मारी। फिर लौटकर चले गए। कोई पकड़ नहीं पाया। यह गंभीर चूक है। पहलगाम में नहीं थी कोई सुरक्षा शकील अहमद ने कहा कि राहुल गांधी दरभंगा आए थे। छात्रों से मिलना था। वहां भारी पुलिस बल तैनात था। लेकिन पहलगाम में कोई सुरक्षा नहीं थी। यह सरकार की नाकामी है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार ने डर के कारण राहुल गांधी के कार्यक्रम को डिस्टर्ब करने की कोशिश की। वह छात्रों से मिलने आए थे। सरकार ने रोकने की कोशिश की। कुछ लोगों पर सीसीटीवी और वीडियो फुटेज के आधार पर केस दर्ज किया गया। यह डरी हुई सरकार का काम है।राहुल गांधी ने खुद कहा कि ऐसे केस उनके लिए मेडल हैं। लेकिन राज्य सरकार की मंशा गलत है। इसका असर आने वाले विधानसभा चुनाव में जरूर दिखेगा। उन्होंने कहा कि भागलपुर के एक जवान की शहादत की खबर दुखद है। उन्हें श्रद्धांजलि दी। सरकार से मांग की कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं। शकील अहमद ने कहा कि पाकिस्तान से बदला लेने का मौका था। लेकिन मोदी सरकार ने ट्रंप को मध्यस्थ बना लिया। यह भारत की नीति के खिलाफ है। उन्होंने एक शेर पढ़ा - ना तो इधर-उधर की बात कर, ये बता काफिला क्यों लूटा, मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है।

बेटे-बहू ने बुजुर्ग माता पिता को पीटा, फिर घर से निकाला

भोजपुर। में बेटा-बहू ने एक बुजुर्ग माता-पिता की पिटाई कर दी। मारपीट के बाद बेटे-बहू ने बुजुर्ग को धक्के मारकर घर से बाहर निकाल दिया। अन्य लोगों कीमदद से बुजुर्ग दंपती को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया है। इनके चेहरा और सिर के साथ शरीर के अलग-अलग जगहों पर चोटें आई है। मामला बड़हरा थाना क्षेत्र के बखोरापुर गांव का है। जख्मियों में बड़हरा थाना क्षेत्र के बखोरापुर गांव निवासी स्वर्गीय नरजीत पासवान के 85 साल के बेटे भदई पासवान और उनकी 80 साल की पत्नी मनबसिया देवी शामिल है। घटना की जानकारी देते हुए बुजुर्ग महिला मनबसिया देवी बताया कि उनके एक बेटे की मौत हो गई थी। बेटे की मौत के बाद उनके इकलौते बेटे तेजन पासवान को साल 1997 में उनके पति की तबीयत ठीक नहीं रहने के कारण चौकीदार की नौकरी दे दी गई थी। इसके बाद से बेटे और उसके परिवार बिना किसी वजह के रह रहकर प्रताड़ना करते है। एक दिन शरीर पर गर्म पानी डाल दिया था। काफी दिनों बाद उस घाव से उबरे थे। फिर से इन्होंने प्रताड़ना करना शुरू कर दिया गया। बुजुर्ग माता-पिता को खर्च के लिए नहीं देते पैसे बेटे बुजुर्ग माता-पिता को खर्च के लिए पैसे दिए देते है, ना ही दवा के लिए पैसे देते है। किसी तरह अलग रहकर घर के बाहर दलान पर गुजारा करते है। उसके बावजूद भी मारपीट किया जाता है। घायल बुजुर्ग महिला ने बताया कि पति ने घर के बाहर गलती से थूका दिया था। इसके बाद बेटे के परिवार ने गालीझगलौज की। मारपीट शुरू कर दी गई। पोती ने मेरा सिर दीवार से टकरा दिया, पीठ पर मारा गया और पति को लातझघुसे से मारा गया, फिर घर से बाहर भगा दिया गया।ग्रामीणों के मदद से अपने बेटियों को सूचना दी। फिर इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। इधर,बुजुर्गों के नाती बिमलेश ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिली कि उनके नानाझनानी को मारपीट करने के बाद घर से बाहर निकाल दिया गया है। इसके बाद हमलोग उन्हें आरा सदर अस्पताल लेकर आए । बराबर उनके बेटे के परिवार के लोग मारपीट करते है। नाना ने अपनी नौकरी तक इनको दे दी। इसके बाद भी बुजुर्ग माता-पिता को पालने में दिक्कत हो रहा है। इस घटना की जानकारी हमने स्थानीय थाना पुलिस को दी है।

बीडीओ और अकाउंटेंट रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

अररिया। में भ्रष्टाचार के खिलाफ मंगलवार देर रात बड़ी कार्रवाई हुई। निगरानी विभाग ने छापा मारकर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) रितम चौहान और उनके अकाउंटेंट आदित्य प्रियदर्शी को गिरफ्तार किया। रानीगंज प्रखंड कार्यालय में दोनों को डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। यह कार्रवाई विशेष निगरानी इकाई, पटना की 12 सदस्यीय टीम ने रानीगंज पुलिस के सहयोग से की। बीडीओ के सरकारी आवास पर छापेमारी के दौरान दोनों को रिश्वत की रकम के साथ पकड़ा गया। सूत्रों के अनुसार, यह रकम किसी सरकारी कार्य की मंजूरी दिलाने के एवज में मांगी गई थी।रिश्वतखोरी की शिकायत रानीगंज के उपप्रमुख कलानंद सिंह ने दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि बीडीओ द्वारा डेढ़ लाख रुपये की मांग की गई थी। इस पर उन्होंने सोमवार को पटना पहुंचकर विशेष निगरानी इकाई से संपर्क किया। विभाग ने तत्परता दिखाते हुए मंगलवार रात करीब 10 बजे छापेमारी कर दी।दस्तावेजों की जांच जारीनिगरानी टीम बीडीओ के आवास और कार्यालय में तलाशी अभियान चला रही है।

पेट्रोल पंप कर्मी की हत्या, परिवार को मिली मदद

कैमूर। में भभुआ शहर के बद्री भवानी पेट्रोल पंप पर हत्या की घटना हुई थी। उसके बाद अब पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से राहत दी गई है। बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खान ने बुधवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने आर्थिक सहायता राशि के रूप में 4 लाख रुपये का चेक सौंपा।मंत्री ने इस दौरान परिवार को हर माह 5000 की पेंशन देने की घोषणा की, साथ ही एक परिजन को नौकरी देने का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने कहा कि नौकरी देने की प्रक्रिया अगले 2-3 महीनों में शुरू कर दी जाएगी ताकि परिवार को स्थायी सहायता मिल सके।जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 10 बजे बद्री भवानी पेट्रोल पंप पर युवक ने पंपकर्मी को गोली मार दी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी युवक पीड़ित की बेटी से एकतरफा प्रेम करता था। जब लड़की की शादी किसी और जगह तय हुई, तो नाराज होकर युवक ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

घटना के तुरंत बाद पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। मंत्री जमा खान ने स्पष्ट किया कि यदि इस हत्याकांड में कोई अन्य व्यक्ति भी संलिप्त पाया गया, तो उसे भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने प्रशासन से त्वरित चार्जशीट दाखिल कर सख्त सजा दिलाने की मांग की।पीड़ित परिवार को न्याय और सहयोग का भरोसा मंत्री जमा खान ने कहा, यह सिर्फ एक हत्या नहीं, एक परिवार की जिंदगी उजड़ने की घटना है। सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। हम हर संभव मदद देंगे, ताकि वे फिर से सामान्य जीवन की ओर लौट सकें।

शराब की तस्करी करते प्रेमी जोड़ा समेत 7 अरेस्ट

बंगाल से पूर्णिया में लग्जरी बस से तस्करी, 258 लीटर शराब जब्त

पूर्णिया। में शराब की तस्करी करने वाले प्रेमी जोड़े को पुलिस ने पकड़ा है। इनके साथ एक महिला तस्कर भी गिरफ्तार हुई है। 4 अन्य तस्कर भी पकड़ाए है। 258 लीटर शराब जब्त हुआ है। लग्जरी बस से शराब की तस्करी कर रहे थे। गिरोह की लीडर वांटेड महिला शराब तस्कर है। भट्ठा बाजार टीओपी पुलिस ने कार्रवाई की है। तीनों तस्कर मिलकर गिरोह को ऑपरेट करते थे। शराब के धंधे से तीनों ने खूब संपत्ति बनाई। पुलिस ने इस अंतरजिला शराब तस्कर गिरोह के 4 अन्य धंधेबाज को भी गिरफ्तार किया है। गिरोह के सभी सदस्य पश्चिम बंगाल से विदेशी शराब लाते और उसे लग्जरी बस में रखते थे। बिहार के अलग-अलग जिलों तक पहुंचाते और फिर वहां से कस्टमर के बीच सप्लाई करते थे। वांटेड अंतरजिला महिला शराब तस्कर की पहचान मानसी थाना के चकहुसैनी वार्ड-8 की रहने वाली दुर्गा देवी उर्फ द्रोपदी देवी उर्फ लक्ष्मी देवी के रूप में हुई है। शातिर महिला तस्कर असली पहचान छिपाकर शराब की तस्करी करती थी। वो जब भी पकड़ी जाती नाम और पहचान बदलकर पुलिस को बताती थी। शातिर शराब तस्करी के मामले में पहले भी 5 बार जेल की सजा काट चुकी है। 4 अन्य धंधेबाजों भी गिरफ्तार भट्ठा बाजार टीओपी पुलिस ने जय जगदंबे नाम की लग्जरी बस से 258 लीटर विदेशी शराब के साथ अंतरजिला महिला शराब तस्कर, शराब की तस्करी करने वाले प्रेमी जोड़े समेत गिरोह में शामिल 4 अन्य धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है।बस से पश्चिम बंगाल से पूर्णिया होते हुए बेगूसराय जा रही थी। भट्ठा बाजार टीओपी पुलिस ने पूर्णिया बस स्टैंड पर छापेमारी कर शातिर धंधेबाजों को पकड़ा। पुलिस ने इस मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।किशनगंज के रहने वाले है प्रेमी और प्रेमिका पकड़े गए तस्करों में मानसी थाना के चकहुसैनी वार्ड-8 निवासी संजीत साह की पत्नी दुर्गा देवी उर्फ द्रोपदी देवी उर्फ लक्ष्मी देवी, प्रेमी किशनगंज के दिगलबैंक निवासी मो. खलील के बेटे मो. सरफराज और प्रेमिका किशनगंज निवासी सावनी प्रवीण है। बेगूसराय के नौलागढ़ वार्ड-10 निवासी हरिवंश सिंह के बेटे सुजीत सिंह, बस कंडक्टर बेगूसराय के परमानंदपुर वार्ड-11 निवासी अजय कुमार चौधरी के बेटे गोपाल चौधरी ,बस के खलासी विकमपुर वार्ड-10 निवासी रामनिवास सिंह के बेटे चन्द्रकांत कुमार उर्फ राजा , और अतरूआ मनसेदपुर वार्ड-1 निवासी राकेश कुमार रॉकी के रूप में की गई है।भट्ठा बाजार टीओपी प्रभारी राहुल कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि दालकोला बंगाल की ओर से आ रही बस में स्टाफ की मिलीभगत से बस में बैठे कुछ तस्कर यात्री बनकर भारी मात्रा में विदेशी शराब लेकर पूर्णिया आ रहे हैं।

दरभंगा चेहरा पहचान प्रणाली में सबसे आगे

तीन प्रखंडों के कर्मियों को किया सम्मानित, सीडीपीओ और आंगनबाड़ी सेविकाओं को मिला प्रशस्ति पत्र

दरभंगा। में पोषण ट्रैकर के तहत चेहरा पहचान प्रणाली (FRS) में बेहतर कार्य के लिए हायाघाट, बहादुरपुर और जाले प्रखंड के बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों और प्रखंड समन्वयकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला पदाधिकारी ने हायाघाट की प्रभा रानी, बहादुरपुर की रूमा कुमारी और जाले की अर्चना कुमारी को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया। इनके साथ हायाघाट के प्रखंड समन्वयक बिपुल कुमार, बहादुरपुर की निकिता सिंह और जाले के एजाज नसरी को भी प्रशंसा पत्र दिया गया। सम्मान समारोह जिला प्रोग्राम कार्यालय, दरभंगा में हुआ। सेविकाओं को जिला प्रोग्राम पदाधिकारी और बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षर से प्रशस्ति पत्र दिए गए। कार्यालय कर्मियों को भी जिलाधिकारी और जिला प्रोग्राम पदाधिकारी के हस्ताक्षर से सम्मान मिला।FRS तकनीक से लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित होती है। टेक होम राशन वितरण में पारदर्शिता आती है। डुप्लीकेशन और अनियमितता की संभावना खत्म होती है। सही लाभार्थी तक योजना का लाभ पहुंचता है। इससे सरकारी योजनाओं में लोगों का विश्वास बढ़ा है। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी चांदनी सिंह ने कहा, इन कर्मियों की मेहनत और निष्ठा से पोषण ट्रैकर प्रभावी हुआ है। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। सम्मानित कर्मियों ने इसे अपनी जिम्मेदारी को और मजबूती देने वाला बताया। यह पहल अन्य कर्मियों को भी तकनीकी नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। आईसीडीएस निदेशालय की ओर से लागू FRS सिस्टम में दरभंगा जिला पूरे बिहार में पहले स्थान पर रहा है। डीपीओ चांदनी सिंह ने बताया कि यह जिले के लिए गर्व की बात है। जिले का हायाघाट प्रखंड पूरे राज्य में नंबर वन बना है। वहां की सीडीपीओ और आंगनबाड़ी सेविकाओं को जिलाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।FRS सिस्टम के तहत अब तक 85% लाभुकों का सत्यापन चांदनी सिंह ने बताया कि FRS सिस्टम के तहत अब तक 85% लाभुकों का सत्यापन हो चुका है। इस सिस्टम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जिस लाभुक को राशन मिलना है, वही उसे प्राप्त करे। चेहरा पहचान कर सत्यापन किया जा रहा है। राम के बदले श्याम को राशन न मिले, इसके लिए यह व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने कहा कि दरभंगा की पूरी टीम जिलाधिकारी के निर्देशन में एकजुट होकर काम कर रही है। सभी सीडीपीओ, एलएस और सेविकाएं इस मुहिम को सफल बनाने में जुटी हैं। उन्हें विश्वास है कि 15 जून तक 100% लाभुकों का सत्यापन पूरा कर लिया जाएगा।टॉप 3 में दरभंगा के 3 प्रखंडपूरे बिहार में टॉप 3 में दरभंगा के ही तीन प्रखंड हैं।

बहादुरपुर, जाले और हायाघाट। यह जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। इससे आईसीडीएस की छवि सुधरेगी। लाभुकों को समय पर टीएचआर मिलेगा।

वितरण में पूरी पारदर्शिता रहेगी। आज हायाघाट की 25 सेविकाओं, 6 महिला पर्यवेक्षिकाओं, प्रखंड समन्वयक और सीडीपीओ को प्रशस्ति पत्र दिए गए। जिलाधिकारी के निर्देश पर अच्छे कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त डायरी

पति से झगड़े के बाद गर्भवती महिला ने किया सुसाइड

समस्तीपुर। में मंगलवार की रात महिला ने साड़ी का फंदा बना कर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले फोन पर पति से झगड़ा हुआ था। बच्चों के रोने की आवाज पर परिवार के लोग जुटे, तो महिला को नीचे उतरा, तब तक उसकी मौत हो गई थी। मृतक महिला की पहचान गांव के पप्पू सदा की पत्नी चांदनी कुमारी (22) के रूप में की गई है।मामला बिथान प्रखंड के लरझाघाट थाना क्षेत्र के बेलसंडी वार्ड पांच मोहल्ला का है। घटना की सूचना पर लरझाघाट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। बताया गया है कि महिला गर्भवती है। घटना के संबंध में मृतक के ससुर अर्जुन साद का कहना है कि उनका बेटा पप्पू सदा पिछले 5 महीने से पंजाब में रहकर बोरी उठाने का काम करता है। उसकी पत्नी चांदनी देवी घर पर रहती है। उनका एक पोता भी है, जबकि उनकी बहू आठ माह की गर्भवती थी।बेटा रोजी-रोटी कमाने के लिए पंजाब गया था। मंगलवार शाम पति-पत्नी की शाम में फोन पर बातचीत हो रही थी । इसी दौरान दोनों के बीच फोन पर ही कहासुनी हो गई। फोन काटे जाने के बाद उनकी बहू अपने बच्चों के साथ काफी रो रही थी। परिवार के लोगों के समझाने बुझाने पर वह चुप हो गई । इसके बाद वे लोग चौक चले गए।देर शाम जब ससुर वापस लौटे तो उनका पोता रो रहा था और उनकी बहू घर के छप्पर में साड़ी के सहारे फंदे से लटकी हुई थी। उसकी मौत हो चुकी थी। उनके हल्ला करने पर आसपास के लोगों की भीड़ जुटी, फिर लोगों ने बहू को नीचे उतारा और घटना की जानकारी पुलिस को दी। रोसरा की डीएसपी सोनल कुमारी ने बताया कि पारिवारिक कलह के कारण महिला ने फंदे से लटक कर जान दी है। शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। अभी मायके वालों ने कोई आवेदन नहीं दिया है।

गांव के चौक-चौराहों पर भी मिलेगी बैंकिंग की सुविधा

समस्तीपुर। शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के चौक चौराहे भी अब विकसित हो रहे हैं। यहां मार्केटिंग के लिए अब जिला का कोऑपरेटिव बैंक अपनी छोटी शाखा खोलने जा रही है। जहां पर ग्रामीण इलाके के किसान के साथ ही आम लोग भी लेनदेन कर सकेंगे। इसके लिए जिले के सभी 381 पंचायत में स्थल का चयन किया जा रहा है । प्रथम चरण में 12 स्थान पर शाखा खोलने की स्वीकृति दी गई है। जिला कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि डिस्ट्रिक कोऑपरेटिव बैंक डिपॉजिट मोबिलाइजेशन एजेंट के माध्यम से शाखा खोलने जा रही है। जिसमें मिल्क यूनियन को भी शामिल किया गया है बैंक पैक्सों में माइक्रो एटीएम देने जा रही है। जिससे किसी भी बैंक के एटीएम कार्ड से निकासी की जा सकेगी । गांव के लोगों को अब किसी प्रकार की जमा, राशि निकालना और जमा करने के लिए शहर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।लेनदेन की प्रक्रिया पर जिला सहकारिता बैंक की नजरपैक्स और मिल्क यूनियन अपने गांव के लोगों का खाता खोल सकेंगे। डिस्ट्रिक कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष ने बताया कि अब जिले के पैक्स और मिल्क यूनियन अपने-अपने पंचायत अंतर्गत गांव के लोगों का खाता खुला सकेंगे, जहां से वे लेनदेन कर सकेंगे। पूरी लेनदेन की प्रक्रिया पर जिला सहकारिता बैंक की नजर रहेगी। पैक्स और मिल्क यूनियन जिला सहकारी बैंक से लोन भी दिलवा सकेंगे।डिस्टिक कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष ने बताया कि प्रथम चरण में जिले के बेझाडीह, सराय रंजन पश्चिम, किशनपुर युसूफ गंगासरा, बिरनामा तुला, सातनपुर , रायपुर बुजुर्ग, मोहम्मदपुर सकरा, जितवारपुर कुंभरा व शिवैसिंहपुर और दिनमनपुर दक्षिणी में डिपॉजिट मोबिलाइजेशन एजेंट के माध्यम से शाखा खोला जाएगा। इसके अलावा मिल्क यूनियन आधारपुर और सोंगर को भी यह सुविधा प्रदान की जाएगी।

लहरिया कट में चला रहे थे बाइक, पेड़ से टकराए

जमुई। में बुधवार को तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा गिद्धौर रेलवे स्टेशन रोड मोड़ के पास हुई। घायलों की पहचान खैरा थाना क्षेत्र के बानपुर गांव निवासी अनवर खान (18 वर्ष), पिता रंजूश खान, और गुड्डू खान, पिता सलीम खान के रूप में हुई है लहरिया कट स्टाइल के चलते हादसा दोनों युवक गिद्धौर स्टेशन की ओर से तेज रफ्तार में लहरिया कट स्टाइल में बाइक चला रहे थे, जिससे संतुलन बिगड़ गया और बाइक सीधे पेड़ से जा टकराई। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने बचाई जान घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। डायल 112 और गिद्धौर थाने की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को दिग्विजय सिंह सामुदायिक अस्पताल, गिद्धौर में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जमुई सदर अस्पताल रेफर किया गया। गिद्धौर थाना अध्यक्ष दीनानाथ सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और फिलहाल दोनों युवकों की स्थिति खतरे से बाहर है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी अस्पताल पहुंच चुके हैं।

जसीडीह-पटना मेमू ट्रेन के सामने कूदा युवक, मौत

जमुई। गिद्धौर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। अप लाइन पर एक अज्ञात युवक ने ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक ने जसीडीह से पटना जा रही मेमू (एमयू) ट्रेन के सामने छलांग लगाई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जा रही है। वह सफेद गंजी और काली पैंट पहने था। शव बुरी तरह क्षतविक्षत हालत में मिला, सिर धड़ से अलग हो चुका था। अब तक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पहचान की कोशिश, कई एंगल से जांच शुरू घटना की सूचना मिलते ही गिद्धौर जीआरपी मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जमुई सदर अस्पताल भेजा गया। रेल पुलिस के अनुसार, यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है, लेकिन अन्य पहलुओं से भी जांच की जा रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं-

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्पल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटिभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

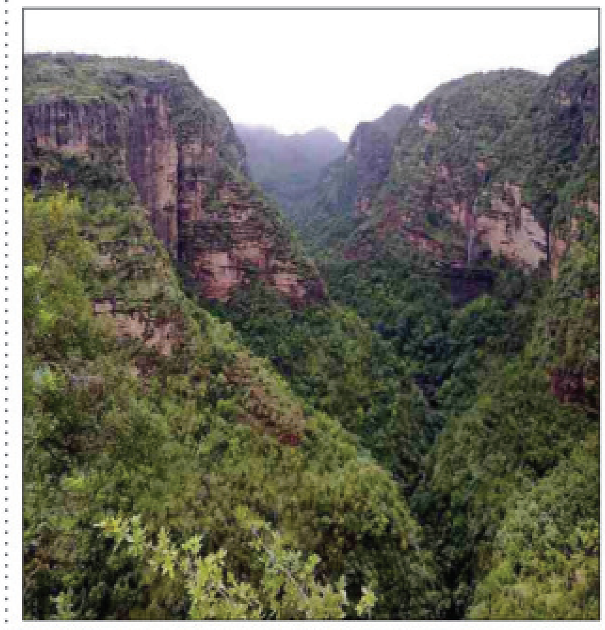

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्द गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

कॉंगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में गुरुवार को गुजरात टाइटंस की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला करेगी। टाइटंस की टीम पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गयी है पर उसका लक्ष्य इस मैच में जीत हासिल कर शीर्ष दो टीमों में अपनी जगह बनाये रखना रहेगा। गुजरात के 18 अंक हैं और अभी वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं अन्य दो टीमों हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के 17-17 अंक हैं। ऐसे में शीर्ष दो के लिए मुकाबला रोचक है। अगर गुजरात ये मैच जीत जाती है तो उसके 20 अंक हो जाएंगे और वह शीर्ष पर बनी रहेगी।

गुजरात की टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है क्योंकि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज शानदार फार्म में हैं। उसके बल्लेबाज बी साइ सुदर्शन के अलावा कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर जबरदस्त फार्म में हैं। सुदर्शन ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले नंबर पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो उसके गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अब तक सबसे अधिक विकेट लिए हैं और वह पर्पल कैप के दावेदार हैं। वहीं मोहम्मद सिराज और स्पिनर बी साइ किशोर ने भी प्रभावी गेंदबाजी की है।

दूसरी ओर लखनऊ की टीम प्लेऑफ्स की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर किसी प्रकार लय हासिल करना रहेगा। टीम के कप्तान ऋषभ पंत अब तक असफल रहे हैं। टीम के बल्लेबाजी और गेंदबाजी कमजोर है जिससे वह लगातार संघर्ष करती दिखी है। बल्लेबाजी में मिचेल मार्श, एडेन माक्रम और निकोलस पूरन ने ही रन बनाये हैं। मध्यक्रम के

असफल होने से उसके उम्मीद समाप्त हुई हैं। उसके गेंदबाज भी फिटनेस को लेकर परेशान रहे हैं। उसे इस मैच में अपने सफल स्पिनर दिग्वेश राठी के बिना ही उतरना होगा। राठी पर पिछले मैच में आचार संहिता उल्लंघन के लिए एक मैच का प्रतिबंध लगा दिय गया था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटन्स- शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, शेरफेन रदरफोर्ड, निशांत सिंधू, महिपाल लोमरोर, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद अरशद खान, साई किशोर, जयंत यादव, करीम जनत, बी साई सुदर्शन, दासुन शनाका, शाहरुख खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गेराल्ड कोएट्जी, गुरनूर सिंह बराड़, इशांत शर्मा, कुलवंत खेजरोलिया, राहुल तेवतिया और राशिद खान।

लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), एडेन मार्करम, मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, अब्दुल समद, डेविड मिलर, शारदुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, दिग्वेश सिंह राठी, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद, मैथ्यू ब्रीट्जके, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, मणिमारन सिद्धार्थ, आर्यन जुयाल, आरएस हंगरगेकर, युवराज चौधरी, आकाश महाराज सिंह, अर्शिन कुलकर्णी।

एचएस प्रणॉय और किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स के अगले दौर में, सिंधु बाहर

मुम्बई (एजेंसी)। बुकित जलील (मलेशिया) – एचएस प्रणॉय और किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को पुरुष वर्ग में अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्जकर मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली है। वहीं भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह से हारकर महिला एकल वर्ग से बाहर हो गईं।

आज यहां स्टेडियम एक्सियाटा एरिना केएल स्पोर्ट्स सिटी में खेले गए मुकाबले में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को शुरुआती गेम में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन दूसरे गेम में अच्छा प्रदर्शन करते हुए वह मैच को तीसरे गेम तक ले जाने में कामयाब रहीं।

एक घंटे तीन मिनट तक चले महिला एकल वर्ग मुकाबले में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह ने आखिरी गेम पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए सिंधु को 21-11, 14-21, 21-15 से हराकर मैच जीत लिया। पीवी सिंधु के खिलाफ चार मैचों में गुयेन थुई लिन्ह की यह दूसरी जीत है।

भारत के पुरुष खिलाड़ियों का कोर्ट पर अच्छा दिन रहा। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणॉय ने एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के केंटा निशिमोटो को मात दी। पहला गेम हारने के बावजूद एचएस प्रणॉय ने अगले दो गेम में वापसी करते हुए केंटा निशिमोटो को मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराया।

एक अन्य मैच में किदांबी श्रीकांत ने भी चीन के लू गुआंगजू को हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। पुरुष एकल रैंकिंग में 65वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत ने दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी और छठे वरीय लू गुआंगजू को 23-21,13-21, 21-11 से हराया। सतीश करुणाकरण ने भी चीनी ताइपे के चोउ टिएन-चेन को 21-13, 21-14 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई।

विराट अपने आक्रामक अंदाज से विरोधी टीमों पर दबाव बनाते हैं : शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपने खेल और आक्रामक अंदाज से विरोध टीमों पर दबाव बना देते थे। शास्त्री जब भारतीय टीम के कोच थे। उसी दौरान विराट टीम के कप्तान थे। इस जोड़ी को मिलकर भारतीय क्रिकेट को आक्रामक और विजेता इकाई में बदलने के लिए जाना जाता है। शास्त्री ने कहा कि कोहली के काम

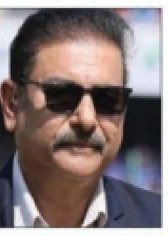

करने का अंदाज उन्हें विश्व का सबसे फिट खिलाड़ी बनाता है। अपने जुनून से उन्होंनें भारतीय टीम को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीम में बदला है। वह मैदान पर केवल खेलने नहीं, बल्कि विरोधी टीम पर हावी होने और अपनी अगल शैली से भारतीय क्रिकेट के सबसे विशेष कप्तान बनने के लिए उतरते थे। कोहली हमेशा अपनी टीम के साथियों ही नहीं विरोधी टीम के खिलाड़ियों को सलाह देने के लिए भी हमेशा तैयार रहे थे। शास्त्री ने कहा कि कई बार उन्होंने दूसरी टीमो के खिलाड़ियों को भी विराट के पास आते देखा है। विपक्षी खिलाड़ी भी कोहली से सलाह लेने आते थे, और कोहली उत्साह से उनकी मदद करते थे।

शास्त्री ने कहा कि विराट की कार्यशैली का भारतीय टीम पर जबरदस्त प्रभाव पड़ा। इसी कारण वह भारतीय टीम को विश्व क्रिकेट की सबसे फिट और शानदार प्रदर्शन करने वाली टीम में बदलने में सफल रहे। वह विरोध टीमों के लिए डर का नाम थे पर अपने साथियों के लिए दोस्त और मार्गदर्शक। मैंने विपक्षी खिलाड़ियों को उनसे सलाह लेते देखा और विराट हमेशा मदद को तैयार रहते थे। मैंने उन्हें बेहतरीन बल्ले गिफ्ट करते देखा, क्योंकि वह असुरक्षित प्रतिस्पर्धी नहीं थे। शास्त्री का मानना है कि खिलाड़ियों की तुलना नहीं की जानी चाहिये। वह गावस्कर और तेंदुलकर के साथ भी ड्रेसिंग रूम साझा किया पर उन्हें विराट में कुछ अलग नजर आया। उन्होंने कहा कि मुझे तुलना पसंद नहीं। मैंने गावस्कर और तेंदुलकर के बारे में सवाल सुने। मैं उनके साथ खेला हूं पर कोहली को मैंने अलग रुख से देखा है। वह क्रिकेट खेलने नहीं बल्कि खेल और मैदान पर नियंत्रण करने के इरादे से उतरते थे। उन्होंने न केवल मैच जीते हैं बल्कि भारतीय क्रिकेट को नए सिरे से संवारा है।

केकेआर ने अंतिम समय पर नियम बदले जाने पर सवाल उठाये

मुंबई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल के 18 वें सत्र से बाहर होने के बाद मैच की टाइमिंग वाले नियम में बदलाव पर सवाल उठाये हैं। केकेआर प्रबंधन को कहाना है कि इससे उसने नुकसान पहुंचा है और वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी। केकेआर ने इस मामले में अपनी नाराजगी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी जाहिर की है। उसका कहना है कि बीसीसीआई ने प्लेइंग कंडीशन्स में एक बदलाव करते हुए मैच को पूरा करने के लिए अतिरिक्त 60 मिनट दिए।

एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर ने बीसीसीआई को पत्र लिखकर इसी बदलाव की आलोचना की है। आईपीएल के सीओओ हेमांग अमीन को लिखे ई मेल में कोलकाता नाइट राइडर्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, अगर में सत्र के बीच में बदलाव जरुरी थे तो वे पहले किये जा सकते थे।

वेंकी का कहना था कि अगर ऐसा विस्तार पहले किया गया होता, तो 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ उनका मैच बारिश के कारण रद्द नहीं होता। उन्हें लगता है कि अतिरिक्त समय की वजह से पांच ओवर का खेल हो सकता था। केकेआर ने सीईओ ने कहा, जब आईपीएल दोबारा शुरु हुआ तो 17 मई को केकेआर और आरसीबी मैच में सभी को बारिश का अंदेशा था। उन्होंने कहा कि अब लागू किए जा रहे अतिरिक्त 120 मिनट कम से कम 5 ओवर के खेल का मौका भी हमने खो दिया।

बारिश के कारण मैच रद्द होने की वजह से केकेआर की टीम मुकाबले से बाहर हो गई। फिलहाल वे 13 मैचों में 12 अंकों के साथ छठे स्थान पर हैं और वे अधिकतम 14 अंक तक पहुंच सकते हैं। इस सत्र उनके दो मैच बारिश के कारण रद्द हुए हैं। मैसूर ने आगे कहा, बारिश के कारण केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना समाप्त हो गई। साथ ही कहा कि इस तरह के अचानक लिए फैसले और उन्हें लागू करने में एकरुपता की कमी इस स्तर के टूर्नामेंट के लिए सहित नहीं है। मुझे भरोसा है कि आप भी समझते होंगे कि हम क्यों दुखी हैं। सिर्फ केकेआर ही नहीं, बल्कि कुछ अन्य टीमें भी इस नियम के लागू होने से खुश नहीं हैं क्योंकि नियमों में ये बदलाव उस समय हुआ, जब 70 में से 62 लीग मैच खेले जा चुके थे।

कुलदीप यादव ने पूरी की 100 आईपीएल विकेट, बनाया यह रिकॉर्ड

खेल डैस्क । दिल्ली कैपिटल्स के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव ने आईपीएल 2025 में एक और मील का पत्थर हासिल कर लिया है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ कुलदीप ने अपने आईपीएल करियर का 100वां विकेट लिया। यह उपलब्धि उन्हें भारत के सबसे प्रभावशाली स्पिनरों में से एक के रूप में और मजबूत करती है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ इस रोमांचक मुकाबले में कुलदीप ने 6.4वें ओवर में रयान रिकेल्टन को आउट कर अपने 100 विकेट पूरे किए। इस समय मुंबई का स्कोर 58/3 था, और कुलदीप की यह गेंद दिल्ली को मैच में वापस लाने में महत्वपूर्ण रही। उनकी चतुराई भरी गेंदबाजी ने रिकेल्टन को चकमा दिया, जिसके बाद वह पवेलियन लौटे। यह विकेट कुलदीप के लिए खास था, क्योंकि वह इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं और पहले ही कई बार अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को परेशान कर चुके हैं।

प्रो कबड्डी लीग नीलामी में रिकॉर्ड 10 बांग्लादेश खिलाड़ी शामिल, ईरान के बाद दूसरे स्थान पर

ढाका । भारत के मुम्बई में 31 मई और एक जून को होने वाली प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 की नीलामी के लिए बांग्लादेश के 10 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। प्रो कबड्डी लीग का नया सीजन अगस्त 2025 में शुरू होगा और लीग में रिकार्ड 10 खिलाड़ियों का शामिल होना बंगलादेश का कबड्डी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। बांग्लादेश कबड्डी महासंघ ने 20 मई की समय सीमा से पहले 10 खिलाड़ियों की सूची को अंतिम रूप देकर प्रस्तुत कर दिया है। महासंघ के अनुसार पीकेएल नीलामी में विचार के लिए प्रस्तुत बंगलादेशी खिलाड़ियों की यह अब तक की सबसे अधिक संख्या है। PKL नीलामी के लिए मांगे गए खिलाड़ियों की संख्या के मामले में बंगलादेश, ईरान के बाद दूसरे स्थान पर है। महासंघ के महासचिव एसएम नेवाज शोहाग ने कहा कि इस साल की शुरुआत में 6 बंगलादेशी खिलाड़ियों ने नेपाल फ्रेंचाइजी कबड्डी लीग में भाग लिया था। चयनित खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं :- मिजानुर रहमान, लिटन अली, आरिफ रब्बानी, रसेल हसन, राजीब अहमद, रोमन हुसैन, दीपायोन गोल्डार, मोनिरुल चौधरी, अल अमीन और शाह मोहम्मद शाहन।

रोहित को खिलाड़ी के तौर पर इंग्लैड ले जाना चाहती थी बीसीसीआई

मुम्बई। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के इंग्लैड दौरे से ठीक पहले टेस्ट प्रारुप से अचानक संन्यास लेने के बाद ही उनके प्रशंसक हैंरान हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रोहित को स्पष्ट रुप से बता दिया था कि वह भविष्य की योजनाओं में शामिल नहीं हैं और उन्हें केवल एक खिलाड़ी के तौर पर रखा जा सकता है। वहीं दूसरी और रोहित कप्तान रहते हुए टेस्ट सीरीज के बीच में संन्यास की घोषणा करना चाहते थे पर बीसीसीआई इसके लिए तैयार नहीं थी। रोहित इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहते थे। वह पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तरह संन्या लेना चाहते थे पर जब बीसीसीसी ने उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया तो उनके

पास संन्यास के अलावा को और विकल्प नहीं था। रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित शर्मा अगले धोनी ने साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ही सीरीज के बीच में टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। का ऐलान किया था। हालांकि, बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के धोनी जैसे रिटायरमेंट के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता सीरीज के दौरान निरंतरता चाहते थे। इसलिए उन्होंने रोहित से कहा कि उन्हें खिलाड़ी के तौर पर इंग्लैंड दौरे पर भेजा जा सकता है पर कप्तान के तौर पर नहीं। इसी के बाद ही रोहित ने टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दी। रोहित ने अपने करियर के दौरान 67 टेस्ट मैच की 116 पारियों में 40.57 की औसत से कुल 4301 रन बनाए। इसमें उनके 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने इससे पहले टी-20 विश्वकप में जीत के साथह ही टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था। अब वह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलेंगे।

जिम्बाब्वे 22 साल बाद टेस्ट वापसी के लिए तैयार, इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में होगा एकमात्र मैच

नॉटिंघम (एजेंसी)। जिम्बाब्वे 22 साल के लंबे अंतराल के बाद इंग्लैंड पर टेस्ट मैच खेलेगा। वह 22 मई से ट्रेंट ब्रिज में बेन स्टोक्स की टीम से एकमात्र मैच खेलेगा। इंग्लैंड नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत फ्रंट फुट पर करना चाहेगा, जबकि जिम्बाब्वे हाल ही में बांग्लादेश में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद जीत के साथ इंग्लैंड में वापसी का जश्न मनाने की उम्मीद करेगा।

जिम्बाब्वे ने आखिरी बार 2003 में टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा किया था, जहां मेजबान टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की थी। इससे पहले दोनों टीमें सन् 2000 (इंग्लैंड ने 1-0 से जीत हासिल की) और 1996-97 में रेड-बॉल फॉर्मेट में भिड़े थे, जहां सीरीज ड्रॉ पर समाप्त हुई थी। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण में तेज गेंदबाज सैम कुक को शामिल किया गया है, जिन्होंने काउंटी सीजन में शानदार प्रदर्शन और इंग्लैंड लायंस के साथ हाल ही में मिली सफलता के बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेला है।

नॉटिंघमशायर के तेज गेंदबाज जोश टंग भी 2023 में एशेज में खेलने के बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है। बेन स्टोक्स शीर्ष क्रम के नियमित खिलाड़ियों बेन डकेट, जो रूट, ओली पोप और हैरी ब्रूक की अगुवाई वाली टीम की अगुआई करेंगे जबकि होनहार प्रतिभाएं जेम्स रेव, जेमी स्मिथ और शोएब बशीर अपने मौके भुनाने की कोशिश करेंगे।

जिम्बाब्वे के लिए स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा टीम में शामिल हो गए हैं जबकि क्लाइव मदंडे बैकअप विकेटकीपर के रूप में लौटे हैं। तेज गेंदबाज न्यूमैन न्यामहुरी ने लेग स्पिनर विंसेंट मासेकसा की जगह ली है जिससे जिम्बाब्वे को इंग्लैंड की तेज पिचों का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। अनुभवी क्रेग एर्विन की अगुआई में जिम्बाब्वे की टीम सीन विलियम्स और ब्लेसिंग मुजरबानी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर निर्भर करेगी जो उभरती प्रतिभाओं के साथ इंग्लैंड में दो दशकों से अधिक समय से चल रहे टेस्ट मैच में प्रभाव छोड़ने का लक्ष्य रखेंगे।

हमें बहुत सुधार करने की जरूरत है : भारतीय फुटबॉल के मुख्य कोच मार्केज

कोलकाता । एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैच में बांग्लादेश के खिलाफ भारत के गोलरहित ड्रॉ खेलने से निराश मुख्य कोच मनोलो मार्केज ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि अगर उनकी टीम को महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करना है तो उन्हें बहुत सुधार करने की जरूरत है। भारत को 25 मार्च को शिलांग में बांग्लादेश की फुटबॉल टीम से गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया था। भारतीय टीम को अपना दूसरा मैच 10 जून को हांगकांग से खेलना है। टीम ने सोमवार को अपना प्रशिक्षण शिविर शुरू कर दिया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच का जिक्र करते हुए मार्केज ने कहा कि हमें बहुत सुधार करने की जरूरत है क्योंकि मुझे लगा कि टीम पिछले सत्र को छोड़कर हर फीफा विंडो में आगे बढ़ रही थी। उन्होंने कहा कि यह सच है कि बांग्लादेश के खिलाफ मैच के लिए हमें कुछ अहम खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिली। लेकिन हम अपने खराब प्रदर्शन को लेकर कोई बहाना नहीं बना रहे हैं। उन्होंने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से जारी विज्ञप्ति में कहा कि हमें इस बात से अवगत होना चाहिए कि हांगकांग में हमारा मैच काफी चुनौतीपूर्ण होगा। हमारे पास तैयारी करने और जीत कर तीन अंक हासिल करने की कोशिश करने का समय है। भारत को 2027 एशियाई कप क्वालीफाइंग तीसरे दौर के ग्रुप सी में बांग्लादेश, हांगकांग और सिंगापुर के साथ रखा गया है। घरेलू और दूसरे टीम के घर में कुल छह मैच खेलने के बाद केवल शीर्ष टीम ही महाद्वीपीय टूर्नामेंट के अगले चरण के लिए क्वालीफाई करती है। सिंगापुर और हांगकांग ने भी अपना शुरुआती मैच गोलरहित ड्रॉ खेला था। ऐसे में अंक तालिका में सभी टीमें बराबरी पर है। सिंगापुर 10 जून को बांग्लादेश का सामना करने के लिए ढाका की यात्रा करेगा।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों में लगी है भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभी से तैयारियों में लगी है। हॉकी इंडिया ने टीम की तैयारियों के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ड्रैग पिलक ताइके ताइकेमा से भी करार किया है। इसी के तहत ताइकेमा टीम की इस कमजोरी को भी कम करने में लगे हैं। ताइकेमा ने भुवनेश्वर में प्रो लीग से पहले सात दिवसीय शिविर में भी भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था। भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल को निखारने के साथ ड्रैग पिलक की सटीकता में सुधार करना था। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ''ताइकेमा ड्रैग पिलक के मामले में सबसे महान दिग्गजों में से एक हैं। वह तकनीक को निखारने और ड्रैग पिलक की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए टीम के साथ काम कर रहे हैं।'' हरेंद्र ने कहा, ''ड्रैग फ्लिक करना एक विशिष्ट कौशल है और ताइकेमा भविष्य के शिविर में भी हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे।'' हरेंद्र ने कहा कि दीपिका सहित इससे हमारी टीम की सभी खिलाड़ियों के कौशल में सुधार आया है। इस 45 साल के पूर्व खिलाड़ी को अपने खेल के दिनों में पेनल्टी-कार्नर की सटीकता के लिए जाना जाता था। ताइकेमा ने 11 वर्षों के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में नीदरलैंड की पुरुष टीम के लिए 94 मैचों में 170 गोल किए।

पीसीबी ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए आजम, रिजवान और शाहीन को शामिल नहीं किया

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। हैरानी की बात है कि इस 16 सदस्यीय टीम में तीन स्टार खिलाड़ियों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी को शामिल नहीं किया गया है। इस टीम की कप्तानी सलमान अली आगा को दी गयी है। तीन मैचों की टी20 सीरीज लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेली जाएगी। सीरीज के कार्यक्रम की घोषणा अभी होनी है। पीसीबी ने बताया कि टीम का चयन मौजूदा पीएसएल 2025 में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। नये कोच माइक हेसन के मार्गदर्शन में पहली बार पाक टीम उतरेगी। इस सीरीज से चोट से उबरने के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सैम अयूब वापसी करेंगे। सैम ने अंतिम बार पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2024 में खेला था। उस मैच में उन्होंने शतक लगाया था पर इसके बाद वह चोटिल होने के कारण क्रिकेट से दूर हो गये थे। हालांकि, अब उनके आने से शीर्ष क्रम बेहतर होगा। इस दौरे के लिए अभी तक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टीम की घोषणा नहीं की है। उसका कहना है कि वह पाक के सुरक्षा हालातों पर नजर रखे हुए हैं।

पाक टीम इस प्रकार है – सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम जूनियर, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान (विकेटकीपर) और सैम अयूब।

शतक लगाने के बाद 4 दिन मोबाइल बंद रखा, देखा तो 500 मिस्ड कॉल थीं: वैभव सूर्यवंशी

लखनऊ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने खुलासा किया कि आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ शतक लगाने के बाद उन्हें 500 से ज्यादा मिस्ड कॉल मिले। उन्होंने दिल्ली में चेन्नई सुपर किंग्स पर 6 विकेट की जीत के बाद राजस्थान के हेड कोच राहुल द्रविड़ के साथ बातचीत के दौरान यह खुलासा किया। राजस्थान प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। वह पॉइंट टेबल में सबसे नीचे पायदान पर है। राजस्थान रॉयल्स ने 2025 आईपीएल नीलामी में वैभव सूर्यवंशी को ?1.1 करोड़ में खरीदा। वह शुरूआती मैचों में खेल नहीं पाया। फिर जब सैमसन चोटिल हुए तो उन्हें खेलने का मौका मिला।

सूर्यवंशी ने अपने तीसरे ही आईपीएल मैच में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 38 गेंदों पर 101 रन की धमाकेदार पारी खेली। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने सिर्फ 35 गेंदों में आईपीएल शतक बनाने वाले सबसे तेज भारतीय खिलाड़ी बन गए। बहरहाल, कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि सूर्यवंशी ने उन्हें बताया कि उस दिन (शतक) उन्हें 500 से ज्यादा मिस्ड कॉल मिले। सूर्यवंशी ने कहा कि मुझे 500 से ज्यादा मिस्ड कॉल मिले, लेकिन मैंने अपना फोन बंद रखा था। मेरे शतक बनाने के बाद बहुत से लोग संपर्क कर रहे थे। लेकिन मुझे यह (बहुत ज्यादा लोगों का होना) पसंद नहीं है। मैं दूर रहने की कोशिश करता हूं। मैंने अपना फोन 4 दिनों तक बंद रखा था; मैंने आपको बताया था। मुझे घर पर अपने लोगों और कुछ दोस्तों के साथ रहना पसंद है। बस इतना ही।

राहुल द्रविड़ ने आईपीएल में अपने पहले सीजन के लिए वैभव सूर्यवंशी की सराहना की। द्रविड़ ने 14 वर्षीय वैभव को कड़ी ट्रेनिंग करने और अपने खेल को विकसित करने की सलाह दी, साथ ही चेतावनी दी कि गेंदबाज उनका बारीकी से अध्ययन करेंगे और अगले सीजन में बेहतर तरीके से तैयार होकर लौटेंगे। द्रविड़ ने कहा कि यह एक शानदार सीजन था। आपने जो किया, उसे करते रहें, अच्छा खेलें, अच्छी ट्रेनिंग करें। लेकिन यह ध्यान रखें कि अगले साल, ये सभी गेंदबाज आपके खिलाफ ज्यादा तैयार होकर आएंगे। इसलिए हमें भी तैयारी करनी होगी, कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी और ज्यादा कौशल विकसित करने होंगे। बढ़िया काम किया। राजस्थान रॉयल्स ने 14 मैचों में सिर्फ 4 जीत हासिल की।

पिता राजीव गांधी को याद कर राहुल ने लिखा- आपके अधूरे सपने पूरे करना मेरा संकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज एक भावुक पोस्ट लिखी है। उन्होंने पिता स्व.राजीव गांधी का स्मरण करते हुए लिखा कि आपके अधूरे सपनों को पूरा करना ही मेरा संकल्प है। बता दें देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर राहुल गांधी ने लिखा कि पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। राहुल गांधी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर दो तस्वीरों को शेयर किया। एक तस्वीर में वह अपने पिता के साथ बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीर राजीव गांधी की समाधि स्थल की है, जहां राहुल अपने पिता को हाथ जोड़कर श्रद्धांजलि देते हुए नजर आ रहे हैं।

राहुल गांधी ने इन तस्वीरों के साथ एक भावुक संदेश भी साझा किया। उन्होंने लिखा, पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है और मैं इन्हें पूरा करके रहूंगा। इससे पहले कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा की थीं। उन्होंने लिखा, स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वीर भूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राजीव गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व ने हमारे राष्ट्र की नींव को बदल दिया, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित है। उनकी स्थायी विरासत हमारे दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करती रहती है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व पीएम राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज उनकी पुण्यतिथि पर मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने भी राजीव गांधी को याद किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, आज भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि। राजीव गांधी एक दूरदर्शी व्यक्ति थे और भारत के लिए शहीद हो गए। बता दें कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आज पुण्यतिथि है। 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक आत्मघाती हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी।

सेना के सम्मान में 25 मई से देशभर में जय हिंद सभा करेगी कांग्रेस

-सीजफायर में तीसरे पक्ष पर केंद्र सरकार से होगा सवाल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सैनिक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी ने बुधवार को प्रेसवार्ता की। कर्नल चौधरी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी सेना के सम्मान में 25 मई से देश भर में जय हिंद सभा करने जा रही है। इस दौरान सैनिकों पूर्व सैनिक को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही एनडीए सरकार से कुछ सवालों के जवाब भी मांगे जाएंगे। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सभी विपक्षी दलों ने एकजुटता दिखाकर केंद्र सरकार का हर फैसले में समर्थन किया है। कांग्रेस वर्किंग कमिटी की तीन बैठके हुई और तीनों में फैसला हुआ कि मोदी सरकार जो भी कार्रवाई करेगी। हम उसका समर्थन करने वाले हैं, और कांग्रेस ने वैसा ही किया। सुरक्षा एजेंसियों के पास आतंकी हमले का इनपुट था, हमारे वीर सैनिकों ने आतंकियों के 9 ठिकानों को ही तबाह नहीं किया, बल्कि सरहद पार से हुए हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। लेकिन, इसी बीच थर्ड पार्टी के द्वारा सीजफायर हुआ। इसकारण विपक्ष होने के नाते हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम सरकार से मामले में सवाल पूछें कि ऐसा क्यों हुआ। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सुरक्षा तंत्र का फेल होने का नतीजा था। वह कैसे हुआ, जबकि इसके पहले 17 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कश्मीर जाने वाले थे। लेकिन सुरक्षा एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद उनका दौरान रद्द किया गया था।

कोलकाता के आसमान में संदिग्ध ड्रोन के मंडराने से हड़कंप, सेना और पुलिस जांच में जुटी

-ममता सरकार से केंद्र ने मांगी रिपोर्ट

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आसमान में 8-10 संदिग्ध ड्रोन के मंडराने से हड़कंप मच गया। ये संदिग्ध ड्रोन हेस्टिंग्स, विद्यासागर सेतु, फोर्ट विलियम और पार्क सर्कस जैसे संवेदनशील इलाकों के ऊपर दिखाई दिए। मामले की गंभीरता को देखकर कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस जासूसी सहित हर पहलू से मामले की जांच में जुटी है। पुलिस अधिकारी ने बताया, इन ड्रोन जैसे ऑब्जेक्ट्स को सबसे पहले हेस्टिंग्स पुलिस स्टेशन के कर्मियों ने देखा। ये संदिग्ध ड्रोन दक्षिण 24 परगना जिले के महेशतला की दिशा से आते हुए दिखाई दिए। ये हेस्टिंग्स क्षेत्र, सेकेंड हुगली ब्रिज (विद्यासागर सेतु) और फोर्ट विलियम (सेना के पूर्वी कमांड मुख्यालय) के ऊपर मंडराते दिखाई दिए। इसके बाद इन्हें पार्क सर्कस इलाके में भी देखा गया, जिसके बाद ये गायब हो गए। राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना पर केंद्र सरकार ने भी रिपोर्ट तलब की है। मामले को लेकर रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी किया है। पूर्वी कमांड ने कहा, हमें मीडिया से कुछ जानकारी मिली है कि आसमान में ड्रोन गतिविधि देखी गई है। हम इस जानकारी की सत्यता की जांच कर रहे हैं।

अंबाला डीसी ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

अंबाला (एजेंसी)। हरियाणा के अंबाला डीसी ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद डीसी ऑफिस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह धमकी सुबह आधिकारिक ईमेल के द्वारा मिली थी। वहीं, पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है। डीसी अंबाला ने बताया कि बुधवार सुबह डिप्टी कमिश्नर अंबाला के आधिकारिक ईमेल पर मेल आया जिसमें अंबाला के डीसी ऑफिस को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके बाद डीसी की ओर से मामले में पुलिस को शिकायत दी गई। इस दौरान पुलिस टीम के साथ बम निरोधक दस्ता भी डीसी ऑफिस पहुंचा और जांच की। लेकिन उन्हें ऐसा कोई सामान नहीं मिला जिससे शक हो सके। डीसी ने बताया कि मामले में अब ईमेल पुलिस विभाग को उपलब्ध कराया गया है। अब वे जांच कर रहे हैं कि यह ईमेल कहां से आया और किसने भेजा। उन्होंने कहा कि जैसे ही हमने यह ईमेल देखा तो हमें लगा कि यह गलत है लेकिन फिर भी सावधानी के तौर पर हमने इसकी जांच करवाई। जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अंबाला पुलिस जल्द ही ईमेल भेजने वाले को गिरफ्तार कर लेगी।

गोवा में दो दिन से जारी हैं भारी बारिश का दौर, उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का प्रकोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोवा में लगातार दूसरे दिन भारी बारिश जारी है। इसके चलते मौसम विभाग (आईएमडी) ने दोनों जिलों उत्तर और दक्षिण गोवा में बुधवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उधर, उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। हीटवेव और गर्मी से जुड़ी बीमारियों के लिए लखनऊ के अस्पतालों में कोल्ड वार्ड तैयार किए गए हैं। हीटवेव मरीजों के लिए 20 बेड रिजर्व हैं, जिसमें 10 इमरजेंसी के लिए तैयार हैं। लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक घर से न निकलने की सलाह दी गई है। आईएमडी के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले चार-पांच दिनों में केरल पहुंच सकता है, जबकि पूर्वानुमान 27 मई का है। यदि ऐसा होता है तब 2009 के बाद से समय से पहले दस्तक देने वाला पहला मॉनसून होगा। 2009 में 23 मई को ही केरल में मॉनसून पहुंच गया था। विभाग के मुताबिक आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून 1 जून तक केरल में दस्तक देता है और 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। यह 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से पीछे हटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से हट जाता है।

पूजा को जमानत देकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सब कुछ खो दिया है, अब कहीं नौकरी नहीं मिलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विवादों में घिरी ट्रेनी आईएसएस पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अग्रिम जमानत दी। जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने पूजा को जांच में सहयोग करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूजा ने कौन सा बड़ा अपराध किया। वह कोई ड्रग माफिया या आतंकवादी नहीं है। उन पर हत्या (धारा 302) का आरोप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपके पास कोई सिस्टम या सॉफ्टवेयर होना चाहिए, जिससे इस तरह की जांच समय पर हो। पूजा ने सब कुछ खो दिया है, अब कहीं नौकरी नहीं मिलेगी। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने पहले ही जमानत देनी चाहिए थी। दिल्ली पुलिस के वकील ने जमानत का विरोध कर कहा कि पूजा जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं।

पाकिस्तान की सरकार आंतकवाद को फंडिंग करती है : संजय झा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के आतंकवाद विरोधी वैश्विक अभियान के तहत पहला प्रतिनिधिमंडल बुधवार को जापान रवाना होगा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जदयू सांसद संजय झा ने इस बारे में बात की। उन्होंने डेलिगेशन के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जाहिर किया। जदयू सांसद झा ने कहा दो बातें हैं। पहली, देश दशकों से आतंकवाद झेल रहा है। यह आतंकवाद हमेशा सीमा पार पाकिस्तान से आया है। यह कोई छुपी हुई बात नहीं है। अतीत में, चाहे 2008 का मुंबई हमला हो या पुलवामा हमला, भारत ने हमेशा सारी जानकारी दुनिया के साथ साझा की। पाकिस्तान की सरकार आतंकवादियों को फंड करती है, सेना के जरिए प्रशिक्षण देती है, योजना बनाकर अंजाम देती है। उन्होंने कहा, यह भारत के खिलाफ एक प्रॉक्सी युद्ध की तरह है। अब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में साफ कह दिया है कि बहुत हो चुका। जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, उनमें सारी जानकारी है।

संघ प्रमुख के अनुसार विश्व का कल्याण हिंदू धर्म का मुख्य कर्तव्य

एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने विगत दिनों जयपुर के हरमाड़ा स्थित रविनाथ आश्रम में संत रविनाथ की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारत विश्व में शांति और सौहार्द्र कायम करने की दिशा में निरंतर प्रयास रत है। भारत किसी से द्वेष नहीं रखता लेकिन दुनिया प्रेम और मंगल की भाषा तभी समझती है जब आपके पास शक्ति हो। विश्व का कल्याण करने के लिए शक्ति का होना आवश्यक है और हमारी यह ताकत दुनिया ने अभी देखी है। मोहन भागवत ने अपनी इस बात को रेखांकित किया कि शक्ति ही वह माध्यम है जिसके द्वारा भारत अपनी बात दुनिया में प्रभावी ढंग से रख सकता है। अपनी सांस्कृतिक विरासत का प्रसार भी तभी किया जा सकता है। भागवत ने इसे विश्व का स्वभाव बताते हुए कहा कि इसे बदला नहीं जा सकता।विश्व का कल्याण हमारा धर्म है और विशेष रूप से यह हिन्दू धर्म का पक्का कर्तव्य है। यह हमारी ऋषि परंपरा रही है और

संत समाज इसी परंपरा का निर्वहन कर रहा है। भारत में त्याग की परंपरा रही है। भगवान राम से लेकर भामाशाह को हम पूजते और मानते हैं। संघ प्रमुख ने अपने भाषण की शुरूआत भारत का रहने वाला हूं भारत की बात सुनाता हूं पंक्ति से की और अपने संबोधन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत विश्व का सबसे प्राचीन देश है और दुनिया में उसकी भूमिका बड़े भाई जैसी है। भारत जिन देशों की मदद करता है वे कभी कभी विपरीत धाराओं में बहते हैं फिर भी हम उनकी मदद करते हैं क्योंकि सहयोग करना हमारा स्वभाव है। मोहन भागवत ने अपने संबोधन में सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए कहा कि संत हमें जीवन में अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड फिर से वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ शुरू करेगा आंदोलन

लखनऊ (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ 'तहफ्फुज-ए-अवकाफ' मुहिम का फिर से आगाज करने का फैसला किया है। याद रहे कि आपरेशन सिंदूर और देश में आपात स्थिति के मद्देनजर बोर्ड ने 16 मई तक सार्वजनिक कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया था। बोर्ड ने आंदोलन को बहाल करते हुए देश के प्रमुख शहरों के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय प्रवक्ता और ऑल इंडिया तहफ्फुज-ए-अवकाफ कमेटी के संयोजक डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने बताया कि आपरेशन सिंदूर के बाद देश में आपात स्थिति के मद्देनजर बोर्ड ने सार्वजनिक सभाएं, धरने और रैलियों को स्थगित कर दिया था। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने वक्फ बचाओं आंदोलन के तहत होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए बोर्ड का का मुख्य फोकस बिहार पर रहेगा। बोर्ड ने बिहार के विभिन्न शहरों में कार्यक्रमों के आयोजन की जिम्मेदारी इमारत-ए-शरिया बिहार-ओडिशा व झारखंड को दी है। इमारत ए शरिया पटना, अररिया, किशनगंज, भागलपुर, बेगूसराय, सहरसा, मधुबनी, सिवान और दरभंगा आदि जगहों पर कार्यक्रम का आयोजन करेगा।

उन्होंने बताया कि हैदराबाद में 22 मई को महिलाओं के लिए जनसभा होगी। तेलंगाना के निजामाबाद में 30 मई को जनसभा का आयोजन होगा। महाराष्ट्र के जलगांव में 23 मई, नादेड़ में 24 मई और औरंगाबाद में 25 मई को सभा का आयोजन होगा। इसके अलावा केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भी बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों की तैयारियां फिर से शुरू हो गई हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार द्वारा फैलाए गए भ्रम को दूर किया जाएगा।

बाबा बागेश्वर ने पाकिस्तान को बताया बिगड़ी औलाद और हिंदू राष्ट्र के लिए पदयात्रा का किया ऐलान

मुजफ्फरपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक बार फिर तीखे शब्दों में पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने पाकिस्तान को बिगड़ी औलाद बताते हुए कहा कि अगर वह नहीं सुधरा, तो भारत उसे फिर सबक सिखाएगा। यहां बाबा बागेश्वर ने कहा कि भारत की बेटियों ने पाकिस्तान को पहले ही सीधा कर दिया है। अगर बेटों के हाथ में कमान दी गई, तो नतीजा और भी कड़ा होगा। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देश को दुनिया में अलग-थलग किया जाना चाहिए। अगर पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया, तो आगे भी सख्त जवाब दिया जाएगा।

हिंदू राष्ट्र के लिए पदयात्रा का ऐलान- आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि वह भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करवाने के लिए 7 नवंबर से 10 दिवसीय पदयात्रा करेंगे। यह यात्रा नई दिल्ली से शुरू होकर वृंदावन (131 किमी) तक जाएगी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल धर्म की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना जगाने का प्रयास है। इस दौरान बाबा बागेश्वर ने जातिवाद की राजनीति को देश की प्रगति में बाधक बताया। उन्होंने कहा, कि जातिवाद नहीं, राष्ट्रवाद की बात होनी चाहिए। जो नेता जातियों के नाम पर राजनीति कर रहे हैं, उन्हें जनता सबक सिखाए। बाबा बागेश्वर ने बागेश्वर धाम में बन रहे कैंसर अस्पताल को लेकर कहा कि इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है और 2027 में उन्हीं के हाथों इसका उद्घाटन भी होगा। बाबा ने कहा कि बागेस्वर मंदिर सिर्फ धार्मिक स्थान नहीं रहेगा, बल्कि गरीबों की स्वास्थ्य सेवा का भी केंद्र बनेगा।

सवालों का जवाब देने से बच रहे पीएम मोदी, इसलिए विदेश भेज रहे प्रतिनिधिमंडल

सांसदों को विदेश भेजने को लेकर कांग्रेस नेता जयराम ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए सर्वदलीय सांसदों का प्रतिनिधिमंडल विदेश जाने वाला है। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दावा किया है कि पीएम मोदी ने सभी दलों के सांसदों को विदेश भेजने के फैसले के बारे में इसलिए सोचा ताकि वह उन कठिन सवालों का जवाब देने से बचे रहें, जिनके लिए उन्हें वहां बुलाया जा रहा है। जयराम के मुताबिक वैश्विक स्तर पर पीएम मोदी की छवि खराब हो चुकी है।

पूर्व पीएम राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए रमेश ने लिखा- 1950 के दशक के बाद कई राजनीतिक दलों के सांसदों को अक्टूबर-नवंबर में संयुक्त राष्ट्र भेजा जाता रहा है लेकिन पीएम मोदी ने 2014 में इस परंपरा को बंद कर दिया था। लेकिन अब जबकि वह हताश हैं, तो अचानक से उन्हें सभी पार्टियों के सांसदों की याद आई। रमेश ने कहा कि पीएम मोदी ने यह फैसला लिया क्योंकि वह वैश्विक और घरेलू स्तर पर पूछे जाने वाले सवालों से लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। वैश्विक स्तर पर पीएम मोदी की छवि को धक्का लगा है।

रमेश ने पूर्व पीएम अटल बिहारी का एक वीडियो साझा करते हुए पीएम मोदी पर निशाना साधा है। इस वीडियो में अटल बिहारी कह रहे हैं कि कैसे पूर्व पीएम राजीव गांधी ने उन्हें विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया था, जिससे विदेश में उनका इलाज हो सके। वीडियो के कैप्शन में जयराम ने लिखा- मनुष्य के प्रमुख गुण अच्छाई, शालीनता और मानवता होते हैं...यह गुण नरेंद्र मोदी में मौजूद नहीं हैं। इस वीडियो के जरिए हम किसी प्रधानमंत्री के मार्मिक और सुलझे हुए रूप को समझ सकते हैं, जो कि उनके धुर-विरोधी और पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने खुद बताए थे।

बता दें शनिवार को कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि सरकार ने उससे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए प्रतिनिधिमंडलों में शामिल करने के लिए चार सांसदों के नाम भेजने के लिए कहा था। इस पर कांग्रेस ने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के नाम भेजे थे, लेकिन सरकार ने इसमें से केवल आनंद शर्मा को ही शामिल किया। चार कांग्रेस नेता, जिनके नाम कांग्रेस द्वारा नहीं सुझाए गए थे उन्हें भी इस सूची में शामिल किया गया है। इसमें शशि थरूर, मनीष तिवारी, अमर सिंह और सलमान खुर्शीद का नाम शामिल है।

कांग्रेस ने पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह वही प्रधानमंत्री हैं जो ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों में कांग्रेस की सार्वजनिक आलोचना की है। अब वह कांग्रेस की ही मदद ले रहे हैं।

अब अमेरिका में डंकी रुट से भेजने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

– ट्रैवल एजेंसियां यात्रा और इमिग्रेशन के नाम पर कर रहीं लोगों का शोषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने अवैध इमिग्रेशन पर लगाम लगाने सख्त कदम उठाया है। अमेरिका के विदेश विभाग ने भारतीय ट्रैवल एजेंसियों के मालिकों, सीनियर अधिकारियों और एक्सिक्युटिव्स वीजा पर रोक लगा दी है। इन ट्रैवल एजेंटों पर आरोप है कि इन्होंने भारतीय नागरिकों को गुमराह कर गलत और गैरकानूनी तरीकों से अमेरिका भेजने का प्रयास किया। ये एजेंसियां यात्रा और इमिग्रेशन की मदद के नाम पर लोगों का शोषण कर रही थीं। अमेरिकी सरकार ने साफ कहा है कि जो भी लोग मजबूर या भोले-भाले लोगों को अवैध तरीके से देश में लाने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन की उस मुहिम का हिस्सा है, जिसमें अवैध इमिग्रेशन नेटवर्क्स को खत्म करने का प्रयस किया जा रहा है। इस कदम से यह संदेश जाता है कि अब ऐसे किसी भी गैरकानूनी काम को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत में स्थित और ऑपरेट करने वाली कई ट्रैवल एजेंसियों के मालिकों, सीनियर अधिकारियों और टॉप मैनेजमेंट पर वीजा पाबंदी लगाने का ऐलान किया है।

स्टेटमेंट में कहा है कि ये ट्रैवल एजेंसियां जानबूझकर भारतीय नागरिकों को अवैध तरीके से अमेरिका भेजने में मदद कर रही थीं।

यूएस मिशन इंडिया के कांसुलर अफेयर्स और

डिप्लोमैटिक सिक्योरिटी सर्विस की टीम हर दिन अमेरिकी एम्बेसी और कांसुलेट्स के जरिए ऐसे लोगों की पहचान कर रही है जो गैरकानूनी इमिग्रेशन, ह्यूमन स्मगलिंग और ट्रैफिकिंग जैसे मामलों में शामिल है। अमेरिका ने कहा है कि ये वीज़ा बैन सिर्फ आम वीज़ा अप्लिकेंट्स पर ही नहीं, बल्कि क्वालिफाई करने वाले लोगों पर भी लागू होगा। यह एक ग्लोबल पॉलिसी है, यानी दुनिया के किसी भी कोने में ऐसे मामलों में लिप्त लोगों पर यह नियम लागू किया जा सकता है। यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा कि उनका मकसद सिर्फ विदेशी नागरिकों को अवैध इमिग्रेशन के खतरों से अवगत कराना नहीं है, बल्कि उन लोगों को भी जवाबदेह ठहराना है जो ऐसे गैरकानूनी रास्ते अपनाते हैं।

एशियाई शेरों की गणना के नतीजे घोषित : 5 साल में 217 की वृद्धि, जानें कितनी हुई आबादी?

गांधीनगर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को गांधीनगर में राज्य में कराई गई 16वीं एशियाई शेरों की गणना के आंकड़ों की गौरवपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि राज्य में शेरों की अनुमानित संख्या 891 हो गई है। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में अधिक जानकारी देते हुए कहा कि इस 16वीं गणना के आंकड़ों के अनुसार एशियाई शेरों की कुल संख्या 891 पाई गई है, जिसमें 196 नर, 330 मादा और उप-वयस्क तथा शावक शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के वन विभाग की ओर से हर पांच साल में 'डायरेक्ट बीट वेरिफिकेशन' यानी ब्लॉक काउंट पद्धति से शेरों की आबादी की गणना की जाती है। इस वर्ष 10 से 13 मई के दौरान 11 जिलों की 58 तहसीलों के 35 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में वनकर्मियों, सरपंचों एवं ग्रामीणों सहित 3854 लोग गणना के इस कार्य में शामिल हुए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा शेरों की आबादी के आंकड़ों की घोषणा के अवसर पर वन मंत्री मुळुभाई बेरा, राज्य मंत्री मुकेश पटेल, मुख्य सचिव पंकज जोशी और मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एम.के. दास भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में राज्य में शेरों की आबादी का अनुमान लगाने पिछली परंपरागत पद्धति को बदलकर 'टोटल काउंट बाई डायरेक्ट साइटिंग एट ब्लॉक सिस्टम' पद्धति कार्यान्वित की थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एशियाई शेरों के दीर्घकालिक संरक्षण एवं संवर्धन के लिए की गई 'प्रोजेक्ट लायन' की घोषणा के अंतर्गत हाल ही में गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक में 'प्रोजेक्ट लायन 2047' के भविष्योन्मुखी आयोजन के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रोजेक्ट लायन 2047 शेरों की देखभाल, संवर्धन और संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को बेहतर तरीके से साकार करेगा। मुख्यमंत्री ने यह साफ किया कि भौगोलिक परिस्थिति और जलवायु की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि वन्य प्राणी संरक्षण के प्रति सरकार के सतर्क और सतत दृष्टिकोण से ही शेरों की आबादी में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए कहा कि 2001 में शेरों की संख्या 327, 2005 में 359, 2010 में 411, 2015 में 523 और 2020 में 674 थी, जो अब बढ़कर 891 हो गई है।

मुख्यमंत्री ने शेरों की आबादी का अनुमान लगाने में उपयोग में ली गई गई मॉडर्न टेक्नोलॉजी के बारे में विस्तार से बताया। व्यक्तिगत पहचान में मदद के उद्देश्य से तस्वीरें लेने के लिए डिजिटल कैमरे और कैमरा ट्रैप्स जैसे विभिन्न तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया गया। कुछ शेरों को रेडियो कॉलर भी लगाया गया था, जिससे उस शेर और उसके समूह की लोकेशन का पता लगाने में मदद मिली थी। इसके अलावा, शेर अवलोकन की रीयल टाइम डेटा एंट्री करने में 'ई-गुजफॉरेस्ट' एप्लीकेशन सहायक सिद्ध हुआ, जिसमें जीपीएस लोकेशन और तस्वीरों का समावेश होने से सटीकता और दक्षता में वृद्धि हुई। जीआईएस सॉफ्टवेयर का उपयोग सर्वेक्षण क्षेत्रों को रेखांकित करने और शेरों की गतिविधियों, वितरण पैटर्न और आवास उपयोग को ट्रैक करने के लिए विस्तृत नक्शा विकसित करने में किया गया। आवश्यकता पड़ने पर तस्वीरों का उपयोग कर शेरों की व्यक्तिगत पहचान करने में सक्षम एआई-आधारित सॉफ्टवेयर का भी उपयोग किया गया है।

प्रारंभ में वन एवं पर्यावरण विभाग के अपर सचिव संजीव कुमार ने वन विभाग द्वारा शेरों की जनसंख्या का अनुमान लगाने के लिए त्रिस्तरीय काउंट पद्धति से किए गए डेटा एनालिसिस और रीयल लायन ट्रैकिंग की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन बल प्रमुख डॉ. ए.पी. सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षण डॉ. जयपाल सिंह और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**